THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

कांग्रेस दलितों का अपमान करती है : अमित शाह

फतेहाबाद, 23 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हरियाणा के फतेहाबाद में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला किया। अमित शाह ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस पार्टी की रैलियों में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगे और राहुल गांधी ने इसे रोका भी नहीं। जिस पार्टी की रैली में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगते हैं। क्या कभी हरियाणा की जनता उनके साथ रह सकती है? उन्होंने पूछ कि राहुल गांधी आपकी सभाओं में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगते हैं आप आखिर किसको खुश करना चाहते हो? अमित शाह ने रैली के दौरान कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद कुमारी सैलजा का भी जिक्र किया।

वर्ष-29 अंक : 183 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन कृ.7 2081 मंगलवार, 24 सितंबर-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

'घी सप्लायर को कारण बताओ नोटिस'

> केंद्र सरकार ने 4 कंपनियों के सैंपल जांचे > एक कंपनी के घी में मिलावट मिली

अमरवाती, 23 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) के लड्डुओं में जानवरों की चर्बी मिलने के विवाद के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 4 कंपनियों के घी सैंपल मंगवाए। इनमें से एक कंपनी का घी क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गया। उसमें मिलावट की बात सामने आई। सरकार ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक, जिस कंपनी को नोटिस भेजा गया है। वह एआर डेयरी फूड्स है।

उधर सोमवार को तिरुपति मंदिर की शुद्धि के लिए महाशांति यज्ञ किया गया। सोमवार सुबह 6 से 10 बजे तक चले पंचगव्य प्रोक्षण (शुद्धिकरण) में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के अधिकारी समेत 20 पुजारी शामिल हुए। अनुष्ठान में लड्डू और अन्नप्रसादम रसोई की शुद्धि की गई।

आंध्र के सीएम सीएम चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी ने 18 सितबर को आरोप लगाया था कि राज्य में वाईएसआर कांग्रेस सरकार में तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डू (प्रसादम) में जानवरों की चर्बी वाला घी और फिश ऑयल मिलाया गया था। इसके अगले दिन टीडीपी ने एक लैब रिपोर्ट दिखाकर अपने आरोपों की पुष्टि का दावा किया। मंदिर के मुख्य पुजारियों में से एक कृष्ण शेषाचल दीक्षितुलु कहते हैं, सरकार एक प्रस्ताव लेकर आई कि मंदिर को शुद्ध करने के लिए क्या किया जाए। इसलिए हम शांति होम करने के प्रस्ताव के साथ प्रबंधन के पास गए। सुबह 6 बजे हम सभी भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद और अनुमति लेने के लिए गर्भगृह में गए। अब सब कुछ शुद्ध हो गया है, मैं सभी भक्तों से अनुरोध करता हूं कि उन्हें अब चिंता करने की जरूरत नहीं है। भगवान बालाजी के दर्शन करें और प्रसाद घर ले जाएं।

विहिप-प्रसादम में जानवरों की चर्बी मिलाना, भक्तों का अपमान

बैठक के बाद विहिप ने कहा कि इस घटना ने दुनिया भर में श्री बालाजी के करोड़ों भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, क्योंकि लड्डू प्रसादम आस्था और दिव्य आशीर्वाद के रूप में माना और खाया जाता है। लड्डू में मिलावट के आरोपों ने भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के भक्तों का घोर अपमान किया है। इस मामले में लापरवाही और देरी की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि ऐसा होने पर हिंदू समुदाय राष्ट्रव्यापी आंदोलन कर सकता है। आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने कहा, जब हिंदू मंदिरों को अपवित्र किया जाता है तो हमें चुप नहीं रहना चाहिए।

आरजी कर मामले में एक अक्टूबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता हत्याकांड को लेकर सोमवार को कहा कि वह इस मामले में एक अक्टूबर को सुनवाई करेगा। बता दें, शीर्ष अदालत ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में परास्नातक प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले से जुड़ी याचिका पर स्वत: संज्ञान लिया था। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ मामले पर सुनवाई कर रही है। इस मामले को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन जारी हैं। डॉक्टरों में लगातार गुस्सा बना हुआ है। सभी लोग पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए लगातार सरकार पर दवाब डाल रहे हैं। राज्य सरकार पर लगातार सवाल खड़े होने पर सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर संज्ञान लिया था।

मिस यूनिवर्स इंडिया की विनर बनीं रिया सिंघा

जयपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। रिया सिंघा को मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 का ताज पहनाया गया और वह वैश्विक मिस यूनिवर्स 2024 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। फाइनल राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित किया गया था। मिस यूनिवर्स इंडिया ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर बैकग्राउंड म्यूजिक ब्रिटिश रॉक बैंड कोल्ड प्ले के गाने "माई यूनिवर्स" पर आधारित किया था। उर्वशी रौतेला ने उन्हें यह ताज पहनाया।

रया सिंघा ने कहा, आज मैंने मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 का खिताब जीत लिया। मैं बहुत आभारी हूं। मैंने इस मुकाम तक पहुचने के लिए बहुत मेहनत की है, जहां मैं खुद को इस ताज के काबिल समझ सकती हूं। मैं पिछले विजेताओं से बहुत प्रेरित हूं। सोशल मीडिया पर भी सभी रिया सिंघा को ढेर सारी बधाई दे रहे हैं और आने वाले प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। 19 साल रिया सिंघा गुजरात के अहमदाबाद की रहने वाली हैं। उनके इंस्टाग्राम बायो के अनुसार, वह खुद को टीईडीएक्स स्पीकर के रूप में परिभाषित करती हैं। एक मॉडल होने के अलावा, वह एक अभिनेत्री भी हैं। वह वर्तमान में प्रदर्शन कला में ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल कर रही हैं। इतना ही नहीं, रिया एक फैशन डिजाइनर हैं, जो आधुनिक विरासत को संस्कृति के साथ जोड़ने की प्रतिभा रखती हैं। मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 के फिनाले के लिए, रिया ने गोल्डन पीच गाउन ड्रेस पहनी थी। बॉलीवुड अभिनेत्री और 2015 की मिस यूनिवर्स इंडिया फाइनलिस्ट उर्वशी रौतेला ने रिया को ताज पहनाया और अगले भारत प्रतिनिधि में विश्वास दिखाया।

बदलापुर दुष्कर्म : आरोपी ने पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर खुद को गोली मारी

मुंबई-बदलापुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बदलापुर में अगस्त महीने में हुए दुष्कर्म मामले में बड़ा अपडेट आया है। आरोपी अक्षय शिंदे ने पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर खुद को गोली मार ली। अक्षय शिंदे को गोली लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने बताया कि अस्पताल में अक्षय शिंदे ने दम तोड़ दिया।

घटना में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। बता दें कि अगस्त के तीसरे हफ्ते में हुई वारदात के बाद जमकर बवाल हुआ था। बदलापुर में 14 अगस्त को एक बच्ची ने स्कूल से घर लौटने के बाद अपने माता-पिता से गुप्तांगों में दर्द की शिकायत की थी। बच्ची लगातार अपने माता-पिता से शिकायत करती रही तो माता-पिता को शक हुआ। उन्होंने लड़की से पूछताछ की तो घटना का पूरा सच पता चला। जब वह टॉयलेट गई तो पता चला कि अक्षय शिंदे नाम के 23 वर्षीय सफाईकर्मी ने उसके प्राइवेट पार्ट को छुआ था। चिंतित माता-पिता ने उसी कक्षा की एक अन्य लड़की के माता-पिता से संपर्क किया तो उन्होंने भी कहा कि उनकी बेटी कुछ दिनों से स्कूल जाने से डर रही है।

एक महिला समेत तीन नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़, 23 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में दो पुरुष और एक महिला सहित तीन नक्सली मारे गए। साथ ही सुरक्षा बल के जवानों ने एके 47 और गोला-बारूद बरामद किया गया है। फिलहाल तलाशी अभियान जारी है। नारायणपुर अबूझमाड़ के क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना प्राप्त होने पर सर्चिंग अभियान पर संयुक्त पुलिस पार्टी गई थी। सर्चिंग के दौरान आज शाम 4 बजे से लगातार पुलिस पार्टी और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है।

'हम घर पर साथ हैं', अजित पर बोले शरद पवार

मुंबई, 23 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने सोमवार को कहा कि वह और भतीजे अजित पवार एक परिवार के रूप में साथ हैं। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि अजित पवार एक अलग राजनीतिक पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। तटीय कोंकण क्षेत्र के चिपलून में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिग्गज राजनेता ने कहा कि घरात तारी एकतरच आहेत (कम से कम हम घर पर साथ हैं)। वह राज्य में विभिन्न हलकों से मांग के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे कि चाचा-भतीजे की जोड़ी को एक बार फिर साथ आना चाहिए। पिछले साल जुलाई में अजित पवार ने अपने चाचा से अलग होकर सभी को चौंका दिया था। उन्होंने राज्य में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में हिस्सेदारी कर ली थी। इसके बाद उन्हें उपमुख्यमंत्री बना दिया गया था। हाल ही में सत्तारूढ़ गठबंधन के बारे में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कहा जा रहा है कि अगर चुनाव में सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बनी तो वह महायुति से बाहर हो जाएंगे। अजित पवार की हालिया टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कि उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को बारामती में सुप्रिया सुले के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ाने का फैसला एक गलती थी?

सीबीआई ने की टीएमसी नेता से पूछताछ

कोलकाता, 23 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता निर्मल घोष सोमवार को सीबीआई के सामने पेश हुए। टीएमसी के पनिहाटी के विधायक निर्मल घोष आज सुबह साढ़े 10 बजे सीबीआई के कार्यालय पहुंचे। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, आरजी कर अस्पताल मामले में पूछताछ के लिए हमने उन्हें बुलाया था। ऐसा बताया जाता है कि हड़बड़ी में मृतक का अंतिम संस्कार करवाने में उनका बड़ा अहम हाथ था।

पीएम के आत्मविश्वास में कमी : राहुल

श्रीनगर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज जम्मू-कश्मीर के दौरे पर हैं। राहुल ने सुरनकोट में कहा, पीएम मोदी के आत्मविश्वास में कमी आई है। आज उनसे जो भी विपक्ष कराना चाहता है, वह कराता है। भाजपा भाई-भाई को लड़वाती है। जो 56 इंच की छाती वाले नरेंद्र मोदी पहले थे, अब वे वैसे नहीं हैं। लोकसभा में उनके सामने खड़ा होता हूं। मुझे साफ दिखता है कि उनका आत्मविश्वास खत्म हो गया है। वे कानून लाते हैं, हम उनके सामने खड़े हो जाते हैं, वे कानून पास नहीं कर पाते हैं। सुरनकोट के बाद राहुल श्रीनगर के शाल्टेंग निर्वाचन क्षेत्र में भी रैली किये। यहां वे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा के लिए समर्थन मांगें। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज के लिए प्रचार अभियान आज ही खत्म हो रहा है। 25 सितंबर को 26 सीटों के लिए वोटिंग होगी। भाजपा के लोग जम्मू-कश्मीर में और बाकी स्टेट में 24 घंटा नफरत और हिंसा फैलाते हैं। ये और कुछ जानते नहीं है। ये सिर्फ नफरत फैलाना जानते हैं। इनकी राजनीति भी नफरत की राजनीति है। आप जानते हैं, नफरत को नफरत से नहीं काटा जा सकता है।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखना व डाउनलोड करना अपराध : सुप्रीम कोर्ट

> मद्रास हाईकोर्ट का फैसला पलटा

> कहा-अदालतें इस शब्द का इस्तेमाल भी न करें

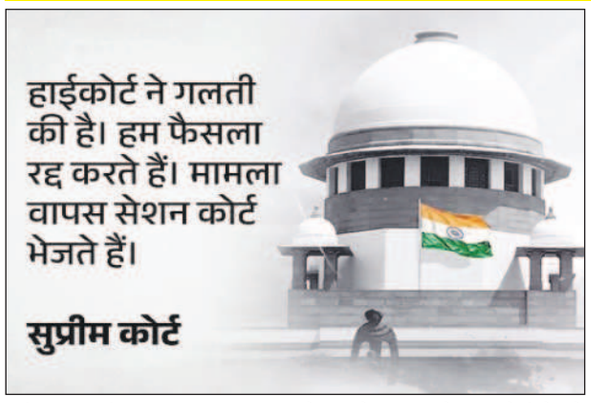

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना पोक्सो और आईटी एक्ट के तहत अपराध है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए फैसला सुनाया। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि अगर कोई ऐसा कंटेंट डाउनलोड करता और देखता है, तो यह अपराध नहीं, जब तक कि नीयत इसे प्रसारित करने की न हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत ने अपने फैसले में गंभीर गलती की है। हम इसे खारिज करते हैं और केस को वापस सेशन कोर्ट भेजते हैं। सेशन कोर्ट इसे नए सिरे से देखेगी। चाइल्ड पोर्नोग्राफी की जगह 'चाइल्ड सेक्शुअल एक्सप्लॉएटेटिव एंड एब्यूसिव मटेरियल' शब्द का इस्तेमाल किया जाए। केंद्र सरकार अध्यादेश लाकर बदलाव करे। अदालतें भी इस शब्द का इस्तेमाल न करें।

सुप्रीम कोर्ट के 2 कमेंट

हम संसद को सुझाव देते हैं कि पोक्सो एक्ट में बदलाव करें और इसके बाद पोर्नोग्राफी शब्द की जगह चाइल्ड सेक्शुअली एब्यूसिव एंड एक्सप्लॉइटेटिव मैटिरियल (सीएसईएएम) का इस्तेमाल किया जाए। इसके लिए अध्यादेश भी लाया जा सकता है। सीएसईएएम शब्द सही तरीके से बताएगा कि यह महज अश्लील कंटेंट नहीं, बच्चे के साथ हुई घटना का एक रिकॉर्ड है। वो घटना जिसमें बच्चे का यौन शोषण हुआ या फिर ऐसे शोषण को विजुअली दिखाया गया हो।

बच्चों के खिलाफ अपराध सिर्फ यौन शोषण तक ही सीमित नहीं रहते हैं। उनके वीडियो, फोटोग्राफ और रिकॉर्डिंग के जरिए ये शोषण आगे भी चलता है। ये कंटेंट साइबर स्पेस में मौजूद रहते हैं, आसानी से किसी को भी मिल जाते हैं। ऐसे मटेरियल अनिश्चितकाल तक नुकसान पहुंचाते हैं। ये यौन शोषण पर ही खत्म नहीं होता है, जब-जब ये कंटेंट शेयर किया जाता है और देखा जाता है, तब-तब बच्चे की मर्यादा और अधिकारों का उल्लंघन होता है। हमें एक समाज के तौर पर गंभीरता से इस विषय पर विचार करना होगा।

केरल हाईकोर्ट ने भी मद्रास एचसी जैसा फैसला सुनाया था

केरल हाईकोर्ट ने 13 सितंबर 2023 को कहा था कि अगर कोई व्यक्ति अश्लील फोटो या वीडियो देख रहा है तो यह अपराध नहीं है, लेकिन अगर दूसरे को दिखा रहा है तो यह गैरकानूनी होगा। इसी फैसले के आधार पर मद्रास हाईकोर्ट ने 11 जनवरी को एक आरोपी को दोषमुक्त कर दिया था।

हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ एससी पहुंचा था एनजीओ

मद्रास हाईकोर्ट के फैसले के बाद एनजीओ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस और नई दिल्ली के एनजीओ बचपन बचाओ आंदोलन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 12 अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन एलायंस ने कहा था कि हाईकोर्ट का आदेश चाइल्ड पोर्नोग्राफी को बढ़ावा दे सकता है। फैसले से ऐसा लगेगा कि ऐसा कंटेंट डाउनलोड करने और रखने वाले व्यक्तियों पर मुकदमा नहीं चलाया जाएगा।

भारत में अश्लील वीडियो पर 3 कानून

> भारत में ऑनलाइन पोर्न देखना गैर-कानूनी नहीं है, लेकिन इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 में पोर्न वीडियो बनाने, पब्लिश करने और सर्कुलेट करने पर बैन है।

> इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 के सेक्शन 67 और 67A में इस तरह के अपराध करने वालों को 3 साल की जेल के साथ 5 लाख तक जुर्माना देने का भी प्रावधान है।

> आईपीसी के सेक्शन-292, 293, 500, 506 में भी इससे जुड़े अपराध को रोकने के लिए कानूनी प्रावधान बनाए गए हैं। पोक्सो कानून के तहत कार्रवाई होती है।

खास खबरें

जंगल में टॉयलेट करने गया था ये शख्स

तभी हाथ लगा हजारों साल पुराना 'खजाना', देखते ही चमकी किस्मत!

दुनियाभर के अलग-अलग हिस्सों में लगातार रिसर्च और खोज से जुड़े काम चलते रहते हैं. इस काम में लगे लोगों का मकसद दुनिया के सामने इतिहास से जुड़ी महत्वपूर्ण चीजों को सामने लना होता है. कई रिसर्चर्स और खोजकर्ताओं की पूरी जिंदगी इस कोशिश में बीत जाती है, लेकिन उनके हाथ सफलता नहीं लगती. लेकिन कुछ लोग किस्मत के इतने धनी होते हैं कि चंद दिनों या महीनों में ही वे महत्वपूर्ण खोज कर लेते हैं. सोशल मीडिया पर एक ऐसे ही शख्स की कहानी वायरल हो रही है. इस शख्स का नाम क्लिफोर्ड कॉलथर्ड है, जो ऑस्ट्रेलिया के रहने वाले हैं. रिसर्च के दौरान इस शख्स के हाथ हजारों साल पुराना खजाना लग गया, जिससे उनकी किस्मत चमक गई.

बताया जाता है कि खोज के दौरान अचानक क्लिफोर्ड को जोर की सू-सू आई. ऐसे में थोड़ी दूरी पर उन्होंने एक सुनसान जगह देख टॉयलेट करने का फैसला किया. सू-सू करने पहुंचे क्लिफोर्ड ने देखा कि वो एक गुफा थी, जो सुनसान थी. ऐसे में उन्होंने गुफा को गौर से देखना शुरू किया, तो देखा कि खाली पड़ी इस गुफा की दीवारों पर अलग तरह का आर्टवर्क बना हुआ है. इतना ही नहीं, गुफा की छत पर कालिख भी मौजूद थी, जिससे पता चला कि कभी यहां लोग रहते थे और गुफा में ही वो खाना भी बनाते थे. ऐसे में क्लिफोर्ड ने तुरंत ही अपनी टीम को वहां बुला लिया. क्लिफोर्ड की टीम ने गुफा की खुदाई शुरू कर दी. थोड़ी ही देर में उनकी आंखें चमक उठीं, क्योंकि उन्हें 50 हजार साल पुराने औजार और हथियार मिले, जो किसी खजाने से कम नहीं थे. इस खोज से उनकी किस्मत भी चमक गई. खोज में कई और सच्चाई भी सामने आई. इसी दौरान उन्हें पता चला कि ये जगह ऑस्ट्रेलिया की सबसे पुरानी आर्कियोलॉजी साइट्स में से एक है. साथ ही रिसर्च में खुलासा हुआ कि उस जगह पर 40 हजार साल पहले तक लोग रहा करते थे, लेकिन पिछले 10 हजार साल तक यह गुफा वीरान रही.

भेड़ और गधों को ढूंढने के लिए एसआईटी का हुआ गठन

पुलिस 8 गधों को ढूंढ लाई, भेड़ें अभी भी लापता

जिले के किशनगढ़ रेनवाल में हुई भेड़ और गधों की चोरी के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है. चोरी हुए भेड़ और गधों को ढूंढने के लिए उच्च स्तरीय जांच कमेटी बनाई गई है. जिसमें पुलिस महकमे के उच्च अधिकारी भेड़ चोरी की जांच करेंगे और उनकी तलाश करेंगे. पुलिस अधीक्षक ने चोरी हुई भेड़ों को बरामद करने के लिए एसआईटी टीम का गठन किया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा बनाई गई एसआईटी टीम में गोविंदगढ़ थाना अधिकारी हेमराज सिंह गुर्जर, गोविंदगढ़ थाना उपनिरीक्षक देशराज सिंह, रेनवाल थाना सहायक उप निरीक्षक प्रहलाद सिंह, रेनवाल पुलिस थाना हेड कांस्टेबल रामनिवास, गोविंदगढ़ पुलिस थाना कांस्टेबल हरीश कुमार, रेनवाल पुलिस थाना कांस्टेबल मुकेश कुमार, देवीलाल और पेमाराम को भेड़ ढूंढने की जिम्मेदारी दी गई है. दरअसल, बीते दिनों किशनगढ़ रेनवाल कृषि मंडी के पास आठ गधे व चालीस भेड़ें चोरी हो गई थी. इसके बाद पुलिस ने दस दिन में भेड़ चोरी करने वालों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया था. जिसके बाद पुलिस ने आठ गधों को बरामद कर चोरों को पकड़ लिया लेकिन भेड़ों तक नहीं पहुंच पाई. जब भेड़े बरामद नहीं हुई तो लोग थाने पहुंच गए. अल्टीमेटम पूरा होने पर चोरी की घटना से नाराज गुर्जर समाज के लोगों ने पुलिस की नाकामी को लेकर धरना प्रदर्शन किया.

भेड़ को छोड़ गधे ढूंढ लाई पुलिस

धरने के दौरान लापरवाह पुलिसकर्मियों को हटाने की मांग की गई. स्थानीय निवासी दीपक सिंह प्रतापपुरा का कहना है कि पुलिस भेड़ चोरी करने वाले सभी आरोपियों को नहीं पकड़ पाई लेकिन गधों को पकड़ने में कैसे सफल हो गई, यह समझ से परे है. इधर, सीओ नरेंद्र कुमार ने 10 दिन में चोरी का खुलासा करने का आश्वासन दिया था लेकिन इसके बाद भी पुलिस खाली हाथ है. पुलिस प्रशासन के ढीले रवैये से नाराज गुर्जर समाज के सैकड़ों की संख्या में लोगों ने रेनवाल थाना पुलिस के खिलाफ जमकर नारे लगाए और वारदात का खुलासा नहीं होने तक धरना देने की बात पर अड़े रहे. बाद में एसआईटी गठित किए जाने के बाद धरना समाप्त हुआ.

जमीन पर बेहोश पड़ी थी नन्हीं चिड़िया शख्स ने पानी पिलाकर उसे उड़ाया

लोगों को हजम नहीं हुई ये बात!

पंछियों की जिंदगी बचाना बहुत ही अच्छा काम माना जाता है. लोग अक्सर अपने घरों के आसपास गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी किसी कटोरे में रखते हैं जो कई पक्षियों की जान बचाने वाला साबित भी हो जाता है. एक वायरल वीडियो में एक शख्स कुछ सा ही करने की कोशिश की. लेकिन उसका तरीका शायद लोगों को पसंद नहीं आया. उसने एक बेसुध नन्हें पक्षी पर पानी डाल कर उसे होश में लाने का काम किया और फिर उसे पानी पिला कर उड़ा दिया. पर कई लोग इस तरीके से सहमत नहीं दिखे.

वीडियो में पहले हमें एक पक्षी बेहोश सा दिखता है. जिसमें शख्स गिलास से उस पर पानी डालते हुए दिखता है. इसके बाद वह उस पंछी को पानी पिलाता है. उसे हाथ से पकड़ कर बाहर हवा में लाता है और उसे उड़ने के लिए छोड़ देता है. इसके बाद पक्षी भी अपने पंख फड़फड़ाते हुए उड़ जाता है. वैसे तो सबकुछ ठीक ठाक ही दिखता है. लेकिन कमेंट सेक्शन में लोगों को एक बाद पसंद नही आती है. उनका कहना है कि जिस तरह से शख्स ने पंछी पर पानी डाला वह उसकी जान भी ले सकता था. यह बिलकुल वैसा ही था जैसे किसी इंसान पर एक बाल्टी पानी एक साथ डाल दिया जाए.

मान गईं कुमारी सैलजा

पार्टी से नाराजगी पर कहा-मैं कांग्रेस की सच्ची सिपाही, जल्द दिखूंगी मैदान में

हिसार, 23 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा में चुनाव प्रचार से पिछले कुछ दिन से दूर रही कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ दी है। कुमारी सैलजा ने अमर उजाला संवाददाता से मोबाइल पर हुई बातचीत में कहा कि कांग्रेस की सच्ची सिपाही हूं। कांग्रेस के लिए ही काम करूंगी। तमाम तरह की अफवाहों को विराम देते हुए सैलजा ने कहा कि चुनाव प्रचार के कार्यक्रम तय कर रहे हैं। जल्द ही आपको प्रचार में दिखूंगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय इस तरह की अफवाहें उड़ाई जाती हैं। इस तरह के भ्रम फैलाए जा रहे हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि मैं कांग्रेस में ही रहूंगी। मैं अपने पिता की तरह सच्ची कांग्रेसी हूं। भाजपा की ओर से दिए जा रहे ऑफर और टिप्पणी को लेकर उन्होंने कहा कि मेरा तीन दशक लंबा राजनीतिक अनुभव है। चुनाव के समय तरह तरह के हथकंडे अपनाए जाते हैं। मेरी पार्टी और मेरा नेतृत्व मेरा मुकाम तय करेगा। मैं अपना रास्ता खुद तय करना जानती हूं। अपने पिता की तरह से कांग्रेस के तिरंगे में दुनिया से विदा होकर जाऊंगी। मैं कांग्रेस छोड़ने के बारे में कभी नहीं सोच सकती। चुनाव प्रचार से दूरी के सवाल पर उन्होंने कहा कि कार्यक्रम तय किए जा रहे हैं।

आतिशी ने केजरीवाल के लिए सीएम की कुर्सी खाली छोड़ी

कहा-ये केजरीवाल का इंतजार करेगी, भरत ने खड़ाऊं रखकर सिंहासन संभाला था, मैं दिल्ली संभालूंगी

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार (23 सितंबर) को पदभार संभाल लिया। वह आज सुबह करीब 12 बजे सीएम ऑफिस गईं और सभी औपचारिकताएं पूरी कीं। इस दौरान आतिशी ने सीएम ऑफिस में एक खाली कुर्सी छोड़ी दी और खुद दूसरी कुर्सी में बैठीं।

आतिशी ने कहा-उन्होंने ये खाली कुर्सी अरविंद केजरीवाल के लिए छोड़ी है। मुझे पूरा भरोसा है फरवरी में चुनाव बाद दिल्ली के लोग केजरीवाल को फिर से इसी कुर्सी पर बिठाएंगे। तब तक ये कुर्सी इसी कमरे में रहेगी और केजरीवाल जी का इंतजार करेगी। दिल्ली शराब नीति केस में 13 सितंबर को जमानत पर बाहर आने के बाद केजरीवाल ने 17 सितंबर को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। 21 सितंबर को आतिशी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बन गईं।

भरत की तरह 4 महीने शासन चलाऊंगी

आतिशी ने कहा-आज मैंने दिल्ली के सीएम का कार्यभार संभाला है। आज मेरे मन में वही व्यथा है जब जब भगवान श्री राम 14 साल के लिए अयोध्या से अयोध्या का शासन संभाला। जिस तरह भरत जी ने 14 साल तक भगवान श्री राम की खड़ाऊ रखकर अयोध्या का शासन संभाला। उसी तरह से आने वाले 4 महीने के लिए मैं दिल्ली सरकार चलाऊंगी।

केजरीवाल के अंदर राम की तरह मर्यादा

भगवान श्री राम ने अपने पिताजी द्वारा दिए गए एक वचन को निभाने के लिए 14 साल का वनवास स्वीकार किया। इसीलिए हम भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहते हैं। उनकी जिंदगी हम सबके लिए मर्यादा और नैतिकता की एक मिसाल है। बिल्कुल उसी तरह अरविंद केजरीवाल ने इस देश की राजनीति में मर्यादा और नैतिकता की एक मिसाल कायम की है।

आतिशी दिल्ली की सबसे युवा सीएम, कैबिनेट में 6 चेहरे

आतिशी ने 21 सितंबर को दिल्ली की 9वीं मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राजनिवास में उपराज्यपाल (एलजी) विनय सक्सेना ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ के बाद आतिशी ने अरविंद केजरीवाल के पैर छुए। वे दिल्ली की सबसे युवा (43 साल) सीएम हैं। इससे पहले केजरीवाल 45 साल की उम्र में सीएम बने थे। आतिशी बतौर महिला सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित के बाद दिल्ली की तीसरी महिला सीएम हैं।

फ्रिज में 30 टुकड़ों में मिले युवती के शव मामले का महिला आयोग ने लिया संज्ञान

बंगलूरू, 23 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बंगलूरू में एक महिला की हत्या के बाद शव के 30 से ज्यादा टुकड़े करने के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने संज्ञान लिया।

आयोग ने राज्य पुलिस को इसमें शामिल सभी लोगों की गिरफ्तारी में तेजी लाने का आदेश दिया। दरअसल, मल्लेश्वरम इलाके में रहने वाली महिला की हत्या के बाद उसके शव को 30 टुकड़े कर दिए गए थे। इन टुकड़ों को फ्रिज में छिपाकर रखा गया था।

महिला आयोग ने कहा, बंगलूरू में एक महिला की हत्या के बाद उसके शव के 30 टुकड़े किए गए। आयोग पुलिस को इस मामले में शामिल लोगों की गिरफ्तारी में तेजी लाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही इस मामले की समयबद्ध जांच सुनिश्चित करें।

आरोपियों की धरपकड़ तेज

तीन दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मिलने की उम्मीद है। इस मामले में पुलिस कमिश्नर बी. दयानंद ने बताया कि सभी पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, मुख्य आरोपी को पहचान लिया गया है और उसे गिरफ्तार करने की कोशिश जारी है। वह एक बाहर वाला है। हम अब ज्यादा जानकारी नहीं दे सकते हैं, क्योंकि इससे आरोपी को मदद मिल सकती है।

क्या है पूरा मामला

मल्लेश्वरम इलाके में रहने वाली महिला एक मॉल में काम करती थी। महिला अपने पति से अलग रह रही थी। उसका पति शहर से दूर एक आश्रम में काम करता है। महिला का घर कई दिनों से बंद है और उसे किसी ने देखा नहीं है। इस पर पुलिस ने महिला के घर पहुंच कर जांच की तो उसकी हत्या की पुष्टि हुई। पुलिस ने जब महिला के घर में फ्रिज खोलकर देखा तो शव के टुकड़ों को देखकर होश उड़ गए। उन्होंने शव के 30 से अधिक टुकड़े बरामद किए। पुलिस के मुताबिक 29 वर्षीय महिला की हत्या कुछ दिन पहले की गई होगी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमने मृतक महिला की पहचान कर ली है, लेकिन अभी इसका खुलासा नहीं कर रहे हैं।

चंडीगढ़ में भाजपा नेता पर हमला

उत्तराखंड सेल के प्रधान शशांक भट्ट ने बेटी की स्कूल बस में चढ़कर बचाई जान

चंडीगढ़, 23 सितंबर (एजेंसियां)। मनीमाजरा की इंदिरा कालोनी में कुछ अज्ञात लोगों ने डंडों, हॉकी और रिवाल्वर आदि हथियारों के साथ भाजपा नेता शशांक भट्ट पर हमला कर दिया और उनकी कार के शीशे तोड़ दिए। घटना सोमवार सुबह 8 बजे की है। उत्तराखंड सेल के भाजपा अध्यक्ष शशांक भट्ट प्रतिदिन की तरह सोमवार को अपनी बेटी को स्कूल बस में बिठाने आए थे। जैसे ही शशांक भट्ट सरकारी हाई स्कूल पाकेट नम्बर 8 के सामने पहुंचे तो आठ अज्ञात लोगों, जिन्होंने हेल्मेट और कपड़े से मुंह बांधा हुआ था, ने शशांक भट्ट की कार पर डंडे और हॉकी से हमला कर दिया। शशांक भट्ट ने भाग कर अपनी जान बचाई। वह भागकर अपनी बेटी के स्कूल सीक्रेट हार्ट की बस में चढ़ गए। इसके बाद अपने बच्चों को छोड़ने आए लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया तो हमलावर भाग गए। शशांक भट्ट ने कहा कि कुछ दिन पहले उन्होंने कालोनी में बिक रहे नशे के खिलाफ आवाज उठाई थी, लगता है उन्हीं लोगों के गुर्गे होंगे। शशांक भट्ट का कहना है कि वे हमेशा गलत के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे। वहीं भाजपा के मंडल 4 के प्रधान अमित बिडला ने इस हमले की निंदा की है। अमित बिड़ला का कहना है कि सब आंख बंद करके नहीं बैठे हैं।

आर्मी अफसर की मंगेतर ओडिशा सीएम से मिलीं

मुख्यमंत्री ने यौन उत्पीड़न मामले के न्यायिक जांच के आदेश दिए, 2 महीने में रिपोर्ट मांगी

भुवनेश्वर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा सीएम मोहन चरण माझी ने भुवनेश्वर के भरतपुर थाने में आर्मी अफसर की मंगेतर से यौन उत्पीड़न मामले की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। हाई कोर्ट के जस्टिस चित्तरंजन दास न्यायिक जांच की अध्यक्षता करेंगे। सरकार ने 60 दिनों के भीतर उनसे जांच रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने 23 सितंबर की देर रात 1:21 बजे X पर इसकी जानकारी दी। बयान के अनुसार, सरकार ने हाई कोर्ट से पुलिस की क्राइम ब्रांच की तरफ से हो रही जांच की निगरानी करने की भी अपील की है। पीड़ित महिला से ओडिशा सीएम ने सोमवार सुबह मुलाकात भी की।

दरअसल, 15 सितंबर की रात 1 बजे आर्मी अफसर और उनकी मंगेतर कैफे बंद कर लौट रहे थे। इस दौरान रास्ते में कुछ युवकों ने उनके साथ मारपीट और बदसलूकी की। कपल शिकायत लेकर भरतपुर थाने पहुंचे। वहां पुलिसकर्मियों ने आर्मी अफसर को लॉकअप में बंद किया और मंगेतर का यौन उत्पीड़न किया। महिला पूर्व ब्रिगेडियर की बेटी है। पुलिस ने उसे बदसलूकी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। महिला ने 19 सितंबर को हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद मामले का खुलासा किया था। इसके बाद 5 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया। उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

आर्मी अफसर और उनकी मंगेतर के पुलिस पर 5 गंभीर आरोप

आर्मी अफसर की मंगेतर के मुताबिक, उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की तो सिविल ड्रेस में मौजूद एक महिला पुलिसकर्मी उनसे गाली-गलौज करने लगी। थोड़ी देर बाद एक पेट्रोलिंग गाड़ी से कुछ और पुलिसकर्मी थाने पहुंचे। उन्होंने आर्मी ऑफिसर को लॉकअप में बंद कर दिया। पीड़ित ने कहा कि वे आर्मी ऑफिसर को हिरासत में नहीं रख सकते, यह गैरकानूनी है, तो दो महिला पुलिसकर्मियों ने उनके बाल पकड़ लिए जोर-जोर से मारने लगीं। एक महिला पुलिसकर्मी ने उनकी गर्दन पकड़ने की कोशिश की।

महिला पुलिसकर्मियों ने पीड़ित की जैकेट से उसके हाथ बांध दिए। एक लेडी कॉन्स्टेबल के स्कार्फ से पैर बांध दिए। थोड़ी देर बाद एक मेल ऑफिसर आया। उसने महिला अंडरगारमेंट उतारे और छाती पर लातें मारने लगा। फिर इंस्पेक्टर-इंचार्ज आया। उसने पीड़ित की पैंट नीचे कर दी। फिर अपनी पैंट नीचे की और प्राइवेट पार्ट दिखाकर अश्लील बातें की। आर्मी ऑफिसर ने बताया कि चार पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ा और घसीटते हुए एक सेल में ले गए। वहां उनकी पैंट उतारी। सारा सामान ले लिया। सुबह 3 बजे तक अवैध रूप से सेल के अंदर बंद रखा। इस बीच लॉबी से 30 मिनट तक उनकी मंगेतर के चीखने की आवाज आती रही। फिर पुलिस ने मंगेतर को बदतमीजी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

पूर्व सीएम पटनायक ने न्यायिक जांच की मांग की थी

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने 20 सितंबर को मामले की अदालत की निगरानी में एसआईटी जांच और न्यायिक जांच की मांग की थी। नवीन पटनायक ने X पर लिखा, 'भरतपुर पुलिस स्टेशन में आर्मी मेजर और एक महिला के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया वह चौंकाने वाला और समझ से परे है। पुलिस ने उनके साथ जिस तरह का व्यवहार किया है, उसने देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है।'

सुविचार
अपने रुपए उन चीज़ों पर ख़र्च करें जो रुपए से मिल सकती हैं। अपना समय उन चीज़ों पर ख़र्च करें जो रुपए से नहीं मिल सकती हैं।

सरकार की योजना राज्य में फैमिली डिजिटल कार्ड जारी करने का है : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार की योजना राज्य में फैमिली डिजिटल कार्ड जारी करने की है। स्वास्थ्य मंत्री, आपूर्ति मंत्री आदि के साथ बैठक में सीएम ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एक शहरी और एक ग्रामीण क्षेत्र का चयन करने और पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने का सुझाव दिया। पायलट प्रोजेक्ट के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। राशन, स्वास्थ्य प्रोफाइल समेत सभी कल्याणकारी योजनाओं के लिए एक कार्ड पर सरकार वन स्टेट...वन डिजिटल कार्ड सिस्टम को आगे बढ़ाने की योजना बना रही है। परिवार डिजिटल कार्ड के साथ कहीं भी कल्याणकारी योजनाएं प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि परिवार डिजिटल कार्ड के साथ परिवार के सभी सदस्यों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं ले सकेगा। सीएम के पास सभी की हेल्थ प्रोफाइल होनी चाहिए। मुख्यमंत्री को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाना चाहिए कि सभी पात्र लोगों को परिवार डिजिटल कार्ड मिलें। सीएम ने सुझाव दिया कि पारिवारिक डिजिटल कार्ड की निगरानी के लिए जिलेवार व्यवस्था होनी चाहिए। अधिकारियों को राजस्थान, हरियाणा और कर्नाटक जैसे अन्य राज्यों में लागू नीतियों का अध्ययन करने की सलाह दी जाती है।

गुडूर ने सीएम से की अपील, डेयरी किसानों को तुरंत बचाएं

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्य के वरिष्ठ नेता गुडूर नारायण रेड्डी ने सोमवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से राज्य के दूध उत्पादकों के लिए तत्काल कुछ अच्छा करने का आग्रह किया। मीडिया को दिए गए बयान में उन्होंने कहा कि दूध उत्पादक कई तरह की परेशानियों में हैं, क्योंकि पिछले तीन महीनों से सरकारी स्वामित्व वाली डेयरी कंपनियों द्वारा उन्हें खरीदे गए दूध की कीमत का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि डेयरी गतिविधि में लगे किसान अपने मवेशियों को बूचड़खानों में बेचने के लिए मजबूर हैं, क्योंकि वे उन्हें खिलाने में असमर्थ हैं। भैंस और गायें कमजोर हो गई हैं, क्योंकि किसान चारा खरीदने में असमर्थ हैं। नारायण रेड्डी ने कहा कि पहले सरकारी स्वामित्व वाली डेयरी विकास कंपनी विजया डेयरी किसानों को हर पखवाड़े की लागत का भुगतान करती थी। हालांकि, पिछले तीन महीनों से उन्हें बिल नहीं मिल रहे हैं, जिसका कारण कंपनी ही जानती है। उन्होंने कहा कि अधिकांश किसान मुश्किलों में फंसे हुए हैं, क्योंकि कर्जमाफी योजना उन तक नहीं पहुंची है। साथ ही सरकार उन्हें ऋतु भरोसा राशि का भुगतान नहीं कर रही है। इससे वे अपनी गतिविधियां जारी रखने के लिए वित्तीय रूप से सक्षम नहीं रह गए हैं। उन्होंने कहा, किसानों ने लागत के भुगतान के लिए तीन महीने तक इंतजार किया है। अब वे पैसे मिलने की सारी उम्मीदें खो रहे हैं। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि गायों और भैंसों को बूचड़खानों में बेचने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि चूंकि मुख्यमंत्री पशुपालन विभाग देख रहे हैं, इसलिए उन्हें स्थिति पर ध्यान देना चाहिए और संबंधित अधिकारियों को भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश देने चाहिए। गुडूर ने कहा कि यह राजनीति करने का समय नहीं है और लोगों से किए गए वादों को पूरा करने का समय है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अब तक सरकार को काफी कुछ दिया है और सरकार पर दबाव नहीं बनाया है, जबकि उसने अपने सभी वादे पूरे नहीं किए हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी द्वारा चुनाव से पहले घोषित छह गारंटियों में से केवल तीन ही पूरी की गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के लिए गंभीरता से काम करने और लोगों के साथ न्याय करने का यह सही समय है।

कांग्रेस सरकार निर्माण में नहीं, विनाश में माहिर : हरीश

खम्मम जिले में जल संकट को दूर करने में विफल किसानों को दे 25,000 रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने खम्मम जिले में जल संकट को दूर करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला किया, जिसके कारण फसलें सूख गई हैं। संकट के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि वह हाल ही में आई बाढ़ के कारण नष्ट हुई फसलों के समान किसानों को 25,000 रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा दे।

सोमवार को तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कृष्णा नदी के पूरे प्रवाह के बावजूद खम्मम जिले में फसलों के सूखने पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पलैर जलाशय नहर 1 सितंबर को टूट गई थी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने पिछले 22 दिनों से इस पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण पानी की बर्बादी हुई और बड़े पैमाने पर फसल का नुकसान हुआ।

उन्होंने कहा कि नागार्जुन सागर परियोजना पूरी तरह से तैयार है, लेकिन इसके अयाकट के नीचे की फसलें मुरझा रही हैं। कांग्रेस सरकार की लापरवाही किसानों की आजीविका को नष्ट कर रही है। उन्होंने खम्मम जिले से तीन मंत्री होने के बावजूद कार्रवाई करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की और पूछा कि क्या यह उस जिले के लिए इनाम है जिसने कांग्रेस को 9 विधायक दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार हाइड्रा के नाम पर विनाश करने में माहिर है, लेकिन लाखों लोगों से जुड़ी सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण और मरम्मत में नहीं।

केटीआर, हरीश राव बेबुनियाद आरोप लगाकर नाटक कर रहे हैं : एलेय्या

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सचेतक बीरला एलेय्या ने राज्य सरकार पर जहर उगलने और बेबुनियाद आरोप लगाकर नाटक करने के लिए बीआरएस नेताओं केटी रामा राव और हरीश राव पर तीखा हमला किया है।

सोमवार को यहां कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए सरकारी सचेतक ने कहा कि दोनों बीआरएस नेता-केटी रामा राव और हरीश राव ने अभी तक अपना व्यवहार नहीं बदला है, जबकि लोगों ने विधानसभा और लोकसभा चुनावों में उनकी पार्टी को करारा सबक सिखाया है। उन्होंने सवाल किया, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में जनता के शासन की बात बर्दाश्त न कर पाने के कारण बीआरएस नेता दुर्भावनापूर्ण अभियान चला रहे हैं। केटीआर को भ्रम है कि वह अभी भी मंत्री हैं। गांधी अस्पताल की देखरेख के लिए तीन बीआरएस सदस्यों की समिति नियुक्त करने की उनकी क्या योग्यता थी। केटीआर गरीबों की सेवा करने वाले गांधी अस्पताल के खिलाफ साजिश कर रहे हैं। अलेरू विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बीरला एलेय्या ने आरोप लगाया कि पिछले एक दशक में पिछली बीआरएस सरकार ने राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को पंगु बना दिया था और उनके शासन में सरकारी अस्पतालों में मरीजों की चूहों के काटने से मौत भी हो गई थी। उन्होंने आरोप लगाया, केटीआर गांधी अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों का मनोबल गिराने की कोशिश कर रहे हैं।

वह तेलंगाना में शांति और सुरक्षा को भंग करने के उद्देश्य से समितियां बनाने के नाम पर अशांति फैला रहे हैं। बीरला एलेय्या ने दलित नेता राजैया के साथ हुए पिछले व्यवहार को याद करते हुए कहा, जब राजैया उपमुख्यमंत्री थे, तो पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और पूर्व मंत्री केटीआर और हरीश राव उन्हें बर्दाश्त नहीं कर पाए और बिना किसी कारण के उन्हें पद से हटा दिया था। इसके अलावा, बीआरएस पार्टी ने उन्हें पिछले विधानसभा चुनावों में टिकट भी नहीं दिया।

अब, केटीआर केवल राजनीतिक लाभ के लिए राजैया का उपयोग कर रहे हैं और दलित नेता के प्रति उनके मन में कोई प्यार और स्नेह नहीं है। फार्महाउस और महल बनाने वाले केसीआर पिछले दस वर्षों के दौरान उस्मानिया अस्पताल के लिए एक नई इमारत बनाने में विफल रहे। बीआरएस सरकार ने हरीश राव के लाभ के लिए मदर और विजया डेयरियों को कमजोर कर दिया था क्योंकि हरीश राव की पत्नी ने एक डेयरी स्थापित की और बिना निविदाओं के सरकारी अस्पतालों और छात्रावासों को दूध की आपूर्ति की, सभी मानदंडों का उल्लंघन किया और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहीं, कांग्रेस विधायक ने आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दूध आपूर्ति के इन आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। अगर हरीश राव विजया और मदर डेयरी के पतन के लिए जिम्मेदार साबित होते हैं, तो उन्हें सजा का सामना करना पड़ेगा।

गोमाराम में विधायक सुनीता के घर पर हमला : चार कांग्रेसी के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के शिवमपेट मंडल के गोमाराम में बीआरएस पार्टी की विधायक सुनीता लक्ष्मा रेड्डी के घर पर रविवार रात हमला हुआ।

इसके बाद, बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने विधायक सुनीता लक्ष्मा रेड्डी से बात की और कल रात गोमाराम में उनके घर पर हुए हमले के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर केटीआर ने विधायक को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह के हमलों से सुनीता लक्ष्मा रेड्डी का मनोबल नहीं टूट सकता। केटीआर ने मांग की कि राज्य सरकार उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे।पूर्व मंत्री हरीश राव ने भी इस दुस्साहसिक घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने मेदक के एसपी उदय कुमार रेड्डी को फोन किया और कहा कि विधायक सुनीता लक्ष्मा रेड्डी के आवास पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पुलिस के सामने हमला होने के बावजूद वे मूकदर्शक बनी रहीं। हरीश राव ने एसपी से पूछा कि हमले के स्पष्ट दृश्य होने के बावजूद जांच में देरी क्यों की गई।

इस बीच, पुलिस ने कहा कि विधायक सुनीता लक्ष्मा रेड्डी के घर पर हमले के सिलसिले में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मणिदीपक की शिकायत पर कांग्रेस कार्यकर्ता रमेश, नरसिम्हा, भास्कर और सुधाकर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

दुब्बका विधायक ने किया स्टील बैंक का उद्घाटन

सिद्दीपेट, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दुब्बका विधायक कोठा प्रभाकर रेड्डी ने सोमवार को दुब्बका कस्बे में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा स्थापित स्टील बैंक का उद्घाटन किया। उन्होंने रोजमर्रा की जिंदगी और समारोहों के दौरान प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचने के महत्व को रेखांकित किया। रेड्डी ने ऐसी अद्भुत पहल करने के लिए महिलाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि सिद्दीपेट ने जिले के हर कोने में खेल स्थापित करके राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की है। इससे पहले, दुब्बाक विधायक ने जिला परिषद हाई स्कूल मिरुदोड्डी में स्कूल गेम्स फेडरेशन (एसजीएफ) खेलों का उद्घाटन किया।

नवजात को बेचने की कोशिश, 10 गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चंद्रायनगुट्टा पुलिस ने सोमवार को एक नवजात को बेचने की कोशिश कर रहे 10 सदस्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में शेख इस्माइल, सुल्ताना बेगम, मेहदी अली, फातिमा रहमत, सैयद इम्तियाज, नजमा बेगम, फिरोज खान, सईदा शेख, नफीज बेगम और सईदा बेगम शामिल हैं। पुलिस के अनुसार मुख्य संदिग्ध मेहदी अली ने शेख इस्माइल और उसकी पत्नी सुल्ताना बेगम नामक दंपति को अपने नवजात बच्चे को एक निःसंतान दंपति को बेचने के लिए प्रोत्साहित किया। दंपति ने बच्चे को 2.5 लाख रुपये में बेचने पर सहमति जताई।

सुरक्षा और यातायात को लेकर अधिकारियों ने की बैठक

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के निर्देश पर, शहर के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने एमएयूडी के प्रधान सचिव दाना किशोर के साथ जीएचएमसी, हाइड्रा, एचएमडीए, राचकोंडा और साइबराबाद पुलिस अधिकारियों आदि के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की, ताकि बेहतर यातायात प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए लगातार, अचानक और भारी बारिश के दौरान सड़कों और महत्वपूर्ण जंक्शनों पर समन्वय बढ़ाने और त्वरित प्रतिक्रिया तैनात की जा सके। बैठक में सभी हितधारकों द्वारा सक्रिय, ठोस प्रतिक्रिया पर जोर दिया गया और महत्वपूर्ण जंक्शनों पर आवश्यक तत्काल उपायों पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें उचित

डायवर्जन, मौसम पूर्वानुमान अधिसूचनाओं और यातायात सलाह को अधिक तेजी से प्रसारित करना, साइनेज, जलभराव को रोकने और प्रवाह में सुधार करने के लिए आवश्यक इंजीनियरिंग परिवर्तन आदि शामिल हैं। सभी प्रतिभागियों ने अपने अवलोकन, अपने अधिकार क्षेत्र और विभागों में लागू किए जा रहे उपायों को साझा किया और यातायात को कम करने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक योजनाओं को भी स्पष्ट किया। बैठक में एक संयुक्त कार्यशाला आयोजित करने, त्रि-पुलिस आयुक्तालयों, जीएचएमसी और अन्य विभागों के यातायात आयुक्तों की एक उच्च स्तरीय समिति बनाने, आईटी कंपनियों के साथ संपर्क करने, प्रमुख जल निकायों में जल स्तर की निगरानी और रखरखाव, प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने, सभी विभागों के लिए सामान्य संचार मंच और अन्य पहलुओं पर चर्चा की गई।

अमृत निविदाओं की सीवीसी की हो जांच

केंद्र को पत्र लिखकर जांच कराएं सीएम : बंडी संजय

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने राज्य सरकार से अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) निविदाओं में कथित भ्रष्टाचार की केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) से जांच कराने की मांग की है। संजय ने कहा कि यदि रेवंत रेड्डी सरकार का मानना है कि अमृत निविदाओं में कोई अनियमितता नहीं हुई है तो उसे तुरंत केंद्र को पत्र लिखकर सीवीसी जांच की मांग करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि जल्द से जल्द सीवीसी जांच का आदेश दिया जाए।

एससीआर जीएम ने गैर-कर्मचारियों को सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एससीआर महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को सिकंदराबाद के रेल निलयम में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान नौ कर्मचारियों को महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार उन कर्मचारियों को दिया जाता है, जिन्होंने सतर्कता और कर्तव्य के प्रति समर्पण दिखाया है और असुरक्षित स्थितियों को रोकने के लिए काम किया है। इस बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने सिकंदराबाद डिवीजन-दो, विजयवाड़ा डिवीजन-तीन, गुंटकल डिवीजन-तीन और हैदराबाद डिवीजन-एक से संबंधित कर्मचारियों को सतर्कता दिखाने और असुरक्षित स्थितियों को रोकने के लिए समय पर कार्रवाई करने के लिए महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। कर्मचारी लोको पायलट, स्टेशन मास्टर और तकनीशियन आदि विभिन्न श्रेणियों से संबंधित हैं। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा के साथ निभाने के लिए उनकी सराहना की। बाद में महाप्रबंधक ने जोन में चल रहे ट्रैक नवीनीकरण कार्यों की स्थिति पर डीआरएम के साथ चर्चा की। अरुण कुमार जैन ने यात्री सुविधा कार्यों जैसे फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाना, प्लेटफॉर्म को कवर करना, प्रतीक्षालय और पेयजल सुविधाओं का प्रावधान आदि की समीक्षा की और अधिकारियों को लक्ष्य समय से पहले काम पूरा करने के लिए सभी प्रयास करने के निर्देश दिए।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-टेंडर नोटिस नं. बी-इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-11-24-25 दि.20.09.2029

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु आईआरइपीएस में निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.-बी/इ.29-टीआरडी-टीएनडीआर-11-2024-25 दि.20.09.2024 कार्य विवरण: 448 दिनों की अवधि के लिए विजयवाडा डिवीजन के निम्न 17(सत्रह) ट्रैक्शन सब स्टेशनों के संचालनों से संबंधित जैसे, गुडुरू(जीडीआर), पडगुपाडू(पीजीयु),कावली(केवीजेड), ओंगोल(ओजीएल),बापटला(बीपीपी), तेनाली(टीइएल), कृष्णा कैनल(केसीसी),वाटलुरू(वीएटी), ताडेपल्लीगुडेम(टीडीडी), राजमुन्द्री(आरजेवाय), सामलकोट(एसएलओ), तुनी(टीयुआई),आनकापल्ली(एकेपी), गुडीवाडा(जीडीवी), पेदना(पीएवी), तनुकु(टीएनकेयु) व भीमावरम(बीवीआरटी) का आउटसोर्सिंग कार्य। अनुमानित मूल्य:रु. 1,81,24,350.72, पूरा करने की अवधि: 448 दिन, बोली सुरक्षा (इएमडी) राशि: रु. 2,40,600/- बंद करने की तिथि: 04.10.2024 के 15.00 बजे, क्रम सं.1, निविदा प्रपत्र मूल्य: रु. शून्य

विस्तृत नियम व शर्तों हेतु हमारा वेबसाइट:www.ireps.gov.in देखें।
वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/विजयवाडा
PUB/0939/24

ई-टेंडर नोटिस

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य मेकानिकल अभियंता/आरवायपीएस, दक्षिण मध्य रेलवे, वैगन वर्कशाप, गुन्टुपल्ली-521241 द्वारा ई-निविदा आमंत्रित हैं।

निविदा सं. एम220-टीएडीके-09 दि.21-09-24 कार्य विवरण:24 महिनों की अवधि के लिए, मैनपावर आउटसोर्सिन्ग एजेंसी के माध्यम से टीएडीके के बदले परिचारिकाएं या एटेन्डेन्ट्स को किराए पर लेना। मात्रा: निविदा दस्तावेज में विवरितानुसार, पूरा करने की अवधि: 24 महिने, निविदा मूल्य: रु. 21,50,716.10(रु.इक्कीस लाख पचास हजार सात सौ सोलह व दस पैसे मात्र), जमा की जानेवाली पूर्व धरोहर राशि: रु. 43,000/-(तिरयालीस हजार रुपये मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य: रु. 3,540/-(रु. तीन हजार पांचसौ चालीस मात्र), प्रस्ताव की वैधता: खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकार: आईआरजीसीसी- सर्विसेज-2018 द्वारा शासित निविदा सेवा, निविदा प्रणाली: खुली निविदा, बोली बंद होने की तिथि व समय: दि.14.10.2024 के 15.00 बजे निविदा दस्तावेज व शुध्दिपत्र: वेबसाइट: http://www.ireps.gov.in देखें। पत्राचार के लिए डाक पता: चीफ वर्कशाप मैनेजर, वैगन वर्कशाप, गुन्टुपल्ली-521241

उप मुख्य मेकानिकल अभियंता/वैगन वर्कशाप/गुन्टुपल्ली
PUB/0940/24

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/नांदेड डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, नांदेड, जीएस युनिट द्वारा प्रशासन के तहत निम्न कार्यों हेतु ई-टेंडरिंग के माध्यम से दि.14.10.2024 के 15.00 बजे तक, खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं. एन-एसजी-36-2024-25-जीएस-जीडब्ल्यू-02 दि.20.09.2024, कार्य विवरण: नांदेड डिवीजन के बदनापूर-करमाड स्टेशनों के बीच गेवराई या जीइवीआरएआई पर स्टैन्डर्ड लेआउट(दो लूप लाइनें) के नई क्रासिन्ग स्टेशन सहित तत्संबंधित सिग्नलिंग व दूरसंचार व्यवस्था। अनुमानित मूल्य: रु. 5,61,09,196/-, बोली सुरक्षा राशि: रु. 4,30,600/- पूरा करने की अवधि:12 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य(रु.) शून्य,

उपरोक्त निविदा दि. 14.10.2024 के 15.00 बजे बंद होगी।
वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/नांदेड
A1208
PUB/0941/24

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग के लिए कृपया हमारे वेबसाइट:https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

CLASSIFIEDS
CHANGE OF NAME

I, S.HEMLATA W/o. S.RAVEN MURTY, R/o Permanent Address: Golabandha (V), Ganjam (Dist) Odisha-761052, Declare That My Actual and Correct Name is SUDDALA HEMLATA as Mentioned in My Aadhar Card. That I am Also Known As S. HEMLATA, That S.HEMLATA and SUDDALA HEMLATA is Same and one person i.e My self Vide Affidavit No U 528503 Dated: 13-August-2024.

I, S.SHRUTI D/o S.RAVEN MURTY, Permanent Address: Golabandha (V), Ganjam (Dist) Odisha-761052, Declare That My Actual and Correct Name is SUDDALA SHRUTI as Mentioned in My Aadhar Card. That I am Also Known As S.SHRUTI That S. SHRUTI and SUDDALA SHRUTI is Same and one person i.e My self Vide Affidavit No. U 528505 Dated: 13-August-2024.

I, S.RAVEN MURTY F/o. S.ADITYA, Permanent Address: Golabandha (V), Ganjam (Dist), Odisha-761052, Declare That My Son Actual And Correct Name is SUDDALA ADITYA as Mentioned in My Son Aadhaar Card, That My son Also Known As S.ADITYA That S. ADITYA and SUDDALA ADITYA is Same And One Person i.e My Son Vide Affidavit No. U 528504 Dated: 13-August-2024

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

माफिया गिड़गिड़ा रहा, हुजूर जान बख्श दो : योगी

मिर्जापुर में कहा-हम बंटे थे, इसलिए कटे थे-बंटिए मत

मिर्जापुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। मिर्जापुर में सीएम योगी ने कहा- बंटे थे, इसलिए कटे थे। बंटिए मत, एकजुट होकर विकास और सुरक्षा के इस माहौल में आगे बढ़िए। 2017 से पहले माफिया समानांतर सरकार चलाते थे। जब इनका खलीफा (मुखिया) निकलता था, तो जनता डर जाती थी। प्रशासन उनको सैल्यूट करने के लिए मजबूर था। सीएम ने कहा-आज माफिया गिड़गिड़ा रहे हैं। कह रहे हैं कि हुजूर एक बार बस जान बख्श दो। किसी को छेड़ेंगे नहीं। किसी की संपत्ति पर कब्जा नहीं करेंगे। अब रहम की भीख मांग रहे हैं। योगी ने मंझवा में 765 करोड़ की 127 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

पहले मां विंध्यवासिनी के दर्शन करने आने में डर लगता था

हम लोग अब बदलते हुए यूपी को देख रहे हैं। हम लोग बदलते हुए मिर्जापुर को देख रहे हैं। यहां अब श्रद्धालु आते हैं। यहां पहले मां विंध्यवासिनी के क्या हाल थे? डर लगता था, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब आपको एक दिव्य मंदिर के दर्शन होंगे। अब मिर्जापुर के लोग कह सकते हैं कि हमारे पास भी मेडिकल कॉलेज है। विश्वविद्यालय भी यहां पर बनने जा रहा है।

जब बेटी पढ़ेगी, तभी आगे भी बढ़ेगी

हर घर नल की योजना शुरू की गई। जिस दिन ये पूरी तरह जमीनी स्तर पर काम करेगी, सबको शुद्ध पेयजल मिलेगा। बीमारियां दूर होंगी। अब लोगों को कहीं और नहीं जाना पड़ेगा। मिर्जापुर में अब नर्सिंग के कॉलेज भी खुल रहे हैं। जब बेटियां पढ़ेंगी तभी आगे भी बढ़ेंगी। हमारे मंत्री कुछ दिन पहले आए थे। यहां रोजगार मेला लगा था। नौकरियां दी गईं थी। स्मार्टफोन दिए गए थे। हम लोग जाति के आधार पर काम नहीं करते हैं। आज हर जाति को फायदा मिल रहा है। आज यहां युवाओं को टैबलेट बांटे गए, क्या ये काम जाति देखकर किया गया? 2017 से पहले योजनाओं का लाभ देने में भेदभाव होता था।

समाज को आपस में लड़ाने वाले माफिया के आगे नाक रगड़ते थे

जो जाति का खेल करते हैं, समाज को आपस में लड़ाने का काम करते हैं। ये वही लोग हैं जो पहले माफिया के आगे गिड़गिड़ाते थे, नाक रगड़ते थे। दंगाइयों के सामने नाक रगड़ते थे। आज प्रदेश विकास के साथ आगे बढ़ रहा है तो इनको ये विकास कैसे अच्छा लग सकता है? ये विकास में बैरियर बन रहे हैं। ये वर्तमान के साथ आपका भविष्य भी खराब करना चाहते हैं। हमें ऐसी व्यवस्था बनानी है कि माफिया फिर से हावी न हो पाए। उसको फिर से सिर उठाने का मौका न मिल पाए।

देश सुरक्षित रहेगा, तभी हम लोग सुरक्षित रहेंगे

आज हमारे देश की सीमा सुरक्षित है। पीएम आज किसी भी देश में जाते हैं, पूरा देश उनका स्वागत करता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उनका समर्पण देश के लिए है। हर काम देश के नाम होता है। विकास के साथ आगे बढ़ने का काम हो रहा है।

एनडीए की डबल इंजन सरकार में सजेगा संवरेगा पुनौरा धाम : चिराग पासवान

पटना, 23 सितंबर (एजेंसियां)। लोजपा (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से रिश्ते सुधरते नजर आ रहे हैं। चिराग पासवान ने सोमवार को कहा कि एनडीए की डबल इंजन की सरकार में मां सीता की जन्मस्थली पुनौरा धाम सजेगा और संवरेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पीएम नरेंद्र मोदी को पुनौरा धाम को रेल मार्ग और सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए पत्र लिखने पर आभार भी जताया।

लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीतामढ़ी स्थित माता सीता की जन्मस्थली पुनौरा धाम को प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या धाम से सीधे सड़क एवं रेल मार्ग से जोड़ने के लिए पत्र के माध्यम से आग्रह किया है, जो स्वागत योग्य पहल है। उन्होंने आगे कहा, इससे माता सीता के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को सम्मान मिलेगा। बिहार में इससे ना सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राजस्व में भी वृद्धि होगी और अपना प्रदेश विश्व पटल पर स्थापित होगा। पुनौरा धाम का विकास और अयोध्या से लेकर सीतामढ़ी तक कॉरिडोर का निर्माण मेरी पार्टी के संकल्प पत्र 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' का अहम हिस्सा रहा है। ऐसे में इस दूरदर्शी सोच के लिए मैं समस्त बिहारियों की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार प्रकट करता हूं। उल्लेखनीय है कि रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर पुनौरा धाम को सड़क और रेल मार्ग से जोड़ने का आग्रह किया था।

'किसी का भी फर्जी एनकाउंटर नाइंसाफी है'

अनुज प्रताप सिंह के एनकाउंटर पर अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया

अमेठी, 23 सितंबर (एजेंसियां)। सुल्तानपुर लूट कांड मामले में यूपी एसटीएफ ने एक और आरोपी अनुज प्रताप सिंह को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। अनुज सिंह के एनकाउंटर पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि सबसे कमजोर लोग एनकाउंटर को अपनी शक्ति मानते हैं। किसी का भी फर्जी एनकाउंटर नाइंसाफी है। हिंसा और रक्त से उत्तर प्रदेश की छवि को घूमिल करना यूपी के भविष्य के खिलाफ एक बड़ा षड्यंत्र है। आज के सत्ताधारी जानते हैं कि वो भविष्य में फिर कभी वापस नहीं चुने जाएंगे।

इसीलिए वो जाते-जाते उत्तर प्रदेश में ऐसे हालत पैदा कर देना चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश में कोई प्रवेश-निवेश ही न करे। यूपी की जागरूक जनता ने जिस तरह लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हराया है, भाजपाई उसी का बदला ले रहे हैं। जिनका खुद का कोई भविष्य नहीं होता, वही भविष्य बिगाड़ते हैं।

कहां पर हुआ एनकाउंटर

उत्तर प्रदेश पुलिस ने सोमवार को कहा कि उसने सुल्तानपुर के लूट कांड मामले के दूसरे आरोपी को उन्नाव जिले में तड़के एनकाउंटर में मार गिराया है। एडीजी अमिताभ यश ने बताया कि लखनऊ से आई एसटीएफ टीम की सुबह उन्नाव के अचलगंज थाना क्षेत्र में डकैती में शामिल कुछ आरोपियों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक बदमाश घायल हो गया, जबकि दूसरा भागने में कामयाब हो गया।

सुल्तानपुर लूट कांड में कितने आरोपियों के नाम सामने आए

अमिताभ यश यह भी बताया कि अमेठी जिले के जनापुर गांव के रहने वाले अनुज प्रताप सिंह को शुरुआती इलाज के लिए एंबुलेंस से सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया और बाद में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अधिकारी ने आगे कहा कि जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने अनुज प्रताप सिंह को मृत घोषित कर दिया। फॉरेंसिक टीम और अचलगंज पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। सुल्तानपुर के एसपी सोमेन बर्मा ने बताया कि डकैती मामले की जांच के दौरान 14 आरोपियों के नाम सामने आए थे। इनमें से 11 के खिलाफ कार्रवाई की है।

जूस बनाते समय उसमें थूका, वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

शामली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के शामली में जूस विक्रेता आसिफ का जूस बनाते समय थूकने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। सोमवार को सोशल मीडिया पर जूस बनाते समय उसमें थूकने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

यह वीडियो पुलिस की जानकारी में आया तो मामले की जांच की गई। यह वीडियो शामली के वीवी इंटर कॉलेज मार्ग नाले के पुल के निकट का पाया गया। पुलिस के मुताबिक जूस विक्रेता का नाम आसिफ है। आरोपी को हिरासत मे ले लिया है। उसके विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

मैं सीबीआई अफसर बोल रहा हूं...तुम पर एफआईआर होगी

मनी लॉड्रिंग का डर दिखाकर बुजुर्ग से ठगे 1.75 करोड़

मेरठ, 23 सितंबर (एजेंसियां)। मेरठ में बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट करके 1.75 करोड़ रुपए ट्रांसफर कराए। सीबीआई अफसर बनकर कॉल की। कहा कि मैं सीबीआई अफसर बोल रहा हूं। आपके अकाउंट में मनी लॉड्रिंग के 6.80 करोड़ रुपए आए हैं। उसे जल्दी से ट्रांसफर करो, नहीं तो तुम्हारे खिलाफ एफआईआर कर दूंगा।

इसके बाद 4 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर ठगी की। पीड़ित ने साइबर थाने में मामले की शिकायत की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। वहीं, मेरठ से महाराष्ट्र के लिए पुलिस टीम को जांच के लिए भेजा गया है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी बुजुर्ग सूरज प्रकाश ने बताया कि साइबर अपराधियों ने डिजिटल अरेस्ट कर 1.73 करोड़ की ठगी कर ली। उनसे चार खातों में यह रकम ट्रांसफर कराई गई। 17 सितंबर को कॉल आई थी। कॉलर ने खुद को टेलिकॉम विभाग से बताते हुए कहा कि आपके सभी रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बंद किए जा रहे हैं। आपके आधार कार्ड का इस्तेमाल करके कैनरा बैंक में एक खाता खोला गया है। इसमें 6.80 करोड रुपए मनी लॉन्ड्रिंग के आए हैं। इसके बाद उनके वॉट्सऐप नंबर पर कॉल आई। कॉलर ने उनके खिलाफ महाराष्ट्र में रिपोर्ट दर्ज होने की जानकारी दी। उन्हें जेल भेजने की धमकी देकर डराया। उन्हें घर से बाहर जाने और किसी से मिलने से रोका गया। 18 सितंबर को उनके एक बैंक खाते में एक बार 3.80 लाख और दूसरी बार 5 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए। 20 सितंबर को एक बैंक खाते में 90 लाख रुपए, 21 सितंबर को एक बैंक खाते में 45 लाख रुपए और दूसरे बैंक खाते में 30 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए।

एक ही परिवार के चार लोगों का अपहरण

महिला की गला कसकर हत्या, चलती कार से कूदकर पति ने बचाई जान

हमीरपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। चित्रकूट दर्शन के बहाने ले जाकर एक परिवार के लोगों को जान से मारने का प्रयास किया गया। जिसमें गला कसने पर पति चलती कार से कूद गया। आरोपियों ने पत्नी की गलाकर कसकर हत्या कर दी।

बेटे को रास्ते में उतार दिया और बेटी को जनपद जालौन में छोड़ दिया। पुलिस ने पहले सूरज की तहरीर पर अपहरण का मामला दर्ज किया था। अब मामला हत्या में तरमीम करने की बात कह रही है। पुलिस आरोपी चालक को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। कार बरामद कर ली गई है। आरोपियों की तलाश के लिए चार टीमें लगाई गई हैं। जनपद कानपुर के थाना चौबेपुर के मदारी पुर गांव निवासी सूरज यादव परिवार सहित शहर के गुजैनी बर्रा में किराये पर रहते हैं। वह किसी जूता फैक्टरी में काम करता था। जहां पर परिवार रहता है उसी मकान में त्रिभुवन

उर्फ चाचा नाम का व्यक्ति भी किराये पर रहता है। त्रिभुवन ने सूरज यादव से चित्रकूट जाने की बात कही। जिस पर सूरज अपनी पत्नी अमन (35), बेटा रामजी (10) और बेटी परी (2) के साथ तैयार हो गया। चित्रकूट जाने के लिए संजीव नामक व्यक्ति की अर्टिका कार बुक की गई। चित्रकूट जाने के लिए त्रिभुवन ने अपने साथी वीर सिंह और रामप्रसाद को भी बुला लिया। 21 सितंबर को वह वहां से निकल पड़े। जनपद जालौन के जोल्हूपुर से त्रिभुवन ने एक व्यक्ति को और बैठा लिया। हमीरपुर जनपद के जरिया थाना क्षेत्र में पहुंचने पर कार में बैठे लोगों ने परिवार को मारने के लिए गला कसने लगे। तभी सूरज ने चलती कार में खिड़की में पैर मारकर कूद गया। जान बचाकर वह वहीं छुप गया। आरोपियों ने खोजबीन की लेकिन वह नहीं मिला। इसके बाद पत्नी अमन का गला कसकर गोहांड के पास फेंक दिया। आगे बेटे को छोड़ दिया। जनपद जालौन में बेटी को छोड़कर भाग खड़े हुए। सूरज ने पुलिस को परिवार के अपहरण करने की जानकारी दी। पुलिस चार लोगों पर अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया। इसके बाद तलाश शुरू कर दी। 22 सितंबर को हमीरपुर पुलिस को जानकारी मिली की एक बच्ची मिली है। जिसकी फोटो दिखाकर परिजनों से पहचान कराई तो उनकी बेटी निकली। 23 सितंबर की सुबह महिला का शव मिल गया है। एसपी डॉ. दीक्षा शर्मा ने बताया कि वादी सूरज की तहरीर पर चार लोगों पर अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया था। अब महिला का शव मिलने पर हत्या की धारा तरमीम की जाएगी। आरोपी चालक संजीव को गिरफ्तार कर लिया गया है। कार भी बरामद हो गई है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गईं हैं। अभी तक हत्या का कारण पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सका है।

बरेली में थाने के सामने किशोर की पीट-पीटकर हत्या

बरेली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में 4 भाइयों ने एक 14 साल के लड़के की पीट-पीटकर हत्या कर दी। आरोपियों में तीन नाबालिग हैं। सभी चारों आरोपी मौके से फरार है। क्राइम स्पॉट पर पहुंची पुलिस ने किशोर के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है।

पूरा मामला शीशगढ़ का है। यहां रविवार की रात 8 बजे थाने के सामने घटना को अंजाम दिया गया। किशोर की पहचान अर्शिल पुत्र वकील अहमद के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शी रईस के मुताबिक- चार युवकों ने अर्शिल को गली में घेर लिया। इसके बाद उसका सिर दीवार पर पटका, फिर लोहे की रॉड से उसे पीटने लगे। रईस ने कहा-इस दौरान सब तमाशबीन बने देखते रहे। किसी ने भी अर्शिल को नहीं बचाया। पूरी घटना थाने के सामने हुई है। बच्चे के सिर से खून निकलने लगा। फिर वो जमीन पर गिर पड़ा।

बृजभूषण ने कहा-पूरे यूपी में बिक रहा मिलावटी देशी घी

गोंडा, 23 सितंबर (एजेंसियां)। तिरूपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट को लेकर के चल रहा घमासान रुकने का नाम नहीं ले रहा है। अब कैसरगंज से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने भी अयोध्या में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए एक बड़ा बयान दिया है। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मैं तो 2 साल से कह रहा हूं कोई मान ही नहीं रहा है। तिरुपति मंदिर का लड्डू ही क्यों और यहां जांच करवा लीजिए। यहां उत्तर प्रदेश में जितने घी बिक रहे हैं, सबमें मिलावट है। एक श्रीमान जी का मैंने नाम लिया था। बाबा जी का उन्होंने तो हमारे ऊपर मुकदमा ठोक दिया। मैं धन्यवाद देता हूं वहां के (आंध्र प्रदेश) मुख्यमंत्री को उनका इतना बड़ा कलेजा था, उन्होंने जांच कराया। यहां भी कलेजा होना चाहिए जांच करना चाहिए और करवाना चाहिए।

सरकार से जांच करवाने की मांग की

बृजभूषण ने कहा- यूपी में,पूजा घी बिक रहा है, तिल का तेल बिक रहा है, जरा एक बार जांच करवाओ। वहीं सरकार से जांच करवाने की मांग को लेकर किए गए सवाल पर बृजभूषण ने कहा- हम अपनी सरकार से मांग कर रहे हैं, यानी कि अयोध्या में बजरंगबली से मांग कर रहे हैं।

पिछले साल बृजभूषण शरण सिंह ने बाबा रामदेव पर लगाया था आरोप

दरअसल, पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बीते साल मिलावट को लेकर की एक बड़ा बयान देते हुए बाबा रामदेव पर बड़ा आरोप लगाया था। बाबा रामदेव को मिलावटों का सरदार बता दिया था। कहा था कि बाबा रामदेव लगातार मिलावटी सामान बाजारों में बेच रहे हैं।

बृजभूषण शरण सिंह ने बाबा रामदेव के घी को नकली घी बताया था। मंजन को भी नकली मंजन बताया था, जिसके बाद बृजभूषण शरण सिंह के ऊपर पहलवानों ने गंभीर आरोप लगाए थे। बाबा रामदेव की तरफ से बृजभूषणशरण सिंह के खिलाफ मानहानि का मुकदमा किए जाने को लेकर के ट्वीट भी किया गया था। बृजभूषण शरण सिंह बिना नाम लिए अक्सर बाबा रामदेव पर निशाना साधते रहते हैं।

इंदौर में लूट और चोरी के 294 मोबाइल जब्त

इंदौर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर क्राइम ब्रांच ने चोरी के मोबाइल सस्ते दामों पर बेचने वाले एक आरोपी को पकड़ा है। आरोपी के एक साथी को पूर्व में रावजी बाजार पुलिस ने पकड़ा था। उससे चोरी के करीब 634 मोबाइल मिले थे। आरोपी से अभी और मोबाइल मिलने की संभावना है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम ने संदीप पुत्र रामचंद्र कश्यप, निवासी प्रभु नगर को गिरफ्तार कर उसके पास से 294 चोरी के मोबाइल जब्त किए है। जिसकी बाजार की कीमत करीब 35 लाख रुपए बताई जा रही है।

संदीप से मोबाइल को लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि वह बेरोजगार है। जितेंद्र वासवानी ने उसे मोबाइल की डिलीवरी का कार्य करने के लिए अच्छी सैलरी देने का वादा कर नौकरी पर रखा। संदीप इंदौर से नेपाल तक मोबाइल डिलीवरी का काम करता है।

5 स्टेंडअप कॉमेडियन को मानहानि का नोटिस

गाजियाबाद, 23 सितंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद के एक दिव्यांग डॉक्टर ने कॉमेडी एंड म्यूजिक कैफे मुंबई सहित 5 कॉमेडियन को मानहानि का नोटिस भिजवाया है। आरोप है कि इंडिया गॉट लेटेंट नाम के एक टीवी सीरियल के एक एपिसोड में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए गूंगा, लंगड़ा, बहरा जैसे शब्दों का प्रयोग किया गया। उनकी नकल करके हंसी उड़ाई। मांग की गई है कि यूट्यूब सहित सभी प्लेटफॉर्म से विवादित एपिसोड हटाया जाए और कॉमेडियन सार्वजनिक रूप से माफी मांगकर खेद व्यक्त करें।

विवादित एपिसोड हटाएं, सार्वजनिक माफी मांगें

गाजियाबाद के वसुंधरा सेक्टर-5 में रहने वाले डॉक्टर सतेंद्र सिंह 'डॉक्टर विद डिसेबिलिटीज' के संस्थापक हैं। उन्होंने बताया- अधिवक्ता कारुवाकी मोहंती के जरिए यूट्यूब, 'द हैबिटेट' कॉमेडी एंड म्यूजिक कैफे मुंबई, स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना, कॉमेडियन निशांत तंवर (जोक सिंह), सोनाली ठक्कर, विपुल गुप्ता और संतोष पात्रा को मानहानि नोटिस भेजा गया है। कहा गया है कि इंडिया गॉट लेटेंट के एक एपिसोड में विकलांगता भेदभाव प्रदर्शित की गई है, जो नकारात्मक आत्म छवि और भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है।

शंकराचार्य बोले-देश में न राष्ट्रपति हिंदू हैं न प्रधानमंत्री

लखनऊ में कहा-अभी योगी का कुर्सी प्रेम नंबर वन पर है

लखनऊ, 23 सितंबर (एजेंसियां)। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती सोमवार को लखनऊ पहुंचे। उन्होंने कहा- हिंदुओं का वोट लेकर हिंदुओं के साथ धोखा हो रहा है। देश में न राष्ट्रपति हिंदू हैं न प्रधानमंत्री हिंदू हैं। अगर ये हिंदू होते तो एक भी गाय की हत्या नहीं होती। शंकराचार्य ने कहा- गौ हत्या बंद करने के लिए सरकार को कानून बनाना होगा। इसके लिए ही मैं मठ छोड़कर निकला हूं। यह देखकर आश्चर्य होता है कि यूपी के मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ हैं। इसके बाद भी यूपी सबसे ज्यादा गौ मांस का निर्यात कर रहा है। मेरी यात्रा का विरोध सबसे पहले बीजेपी ने ही किया, इससे आश्चर्य हुआ। उन्होंने कहा- मैं सभी प्रदेशों की यात्रा करूंगा गौ-ध्वज फहराऊंगा। सरकार को हर हाल में गौ रक्षा का कानून बनाना होगा। मैंने रामलला के सामने भी यही संकल्प लिया है, कि जब तक कानून नहीं बन जाता, तब तक दर्शन नहीं करूंगा।

गौ-ध्वज स्थापना भारत यात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती 'गौ-ध्वज स्थापना भारत यात्रा' विषय पर कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- जब इस समय एक देश, एक कानून। एक देश, एक चुनाव की बात हो रही है, तो गौ माता को लेकर हर प्रदेश में अलग-अलग कानून क्यों बनाए गए? हमारी इस यात्रा का सबसे पहला विरोध भारतीय जनता पार्टी की तरफ से हुआ। नगालैंड में हमें रोक दिया गया, लेकिन हम नगालैंड जाएंगे। यह बीजेपी का दोहरा चरित्र है, जिससे मैं आश्चर्यचकित हूं। शंकराचार्य किसी पार्टी के नहीं होते। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक नहीं कह सकते, कि गाय खाना हमारा अधिकार है। अगर ऐसा कहते हैं, तो वे अपने शरिया वाले देश में चले जाएं।अगर ये हिंदू होते तो एक भी गाय की हत्या नहीं होती। भारत की पहचान मंदिर है, यहां की संकृति में सबसे बड़ा सम्मान गाय का है। हमारे यहां पहली रोटी गाय के लिए निकाली जाती है। हमारे यहां पहला स्थान गाय को दिया जाता है। भारतीय संस्कृति को नष्ट करने के लिए गायों की जान ली जा रही। एक के बाद एक नेता आए और गौ माता के नाम पर वोट लेते रहे।

देश की जनता ने कई बार गौ माता के नाम पर वोट देकर बहुमत की सरकार बनवाई लेकिन किसी ने गौ माता के लिए कुछ नहीं किया। देश को गौ मांस निर्यात करने की सूची में विश्व में दूसरे स्थान पर खड़ा कर दिया। प्रसाद में आज गौ अंश मिला दिया गया, क्या ये 1857 की क्रांति जैसा समय नहीं है। शंकराचार्य ने कहा- अभी सीएम योगी का कुर्सी का प्रेम नंबर वन पर है, सनातनी प्रेम नंबर दो पर है। इस समय योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री हैं।

पूरे देश में यात्रा करेंगे, गौ-ध्वज फहराएंगे

शंकराचार्य ने कहा कि तिरुपति में करोड़ों लोगों को गाय की चर्बी वाला प्रसाद खिलाया गया। जो लोग हिंदुओं का वोट ले रहे हैं, उन्हीं के साथ धोखा किया जा रहा है। हमारा ही वोट लेकर गाय को काट रहे हैं, हमें बर्दाश्त नहीं है। ऐसी स्थिति आगे न हो, इसलिए हमें मठ छोड़कर निकलना पड़ा।

भेड़िए की दहशत : दादी की गोद से दो माह के बच्चे को उठा ले गया

चंदौसी, 23 सितंबर (एजेंसियां)। कुढफतेहगढ क्षेत्र के गांव दियोरा खास की मिलक में सोमवार को तड़के तीन बजे जंगली जानवर दादी की गोद से दो माह के बच्चे को छीन ले गया। गनीमत रही कि शोर मचाने पर दीवार फांदते हुए कंबल में लिपटा बच्चा वहीं गिर गया। जानवर कंबल लेकर भाग गया।

वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की लेकिन भेड़िया होने का कोई साक्ष्य हाथ नहीं लगा। ग्रामीणों में भेड़िये की दहशत व्याप्त है। गांव दियोरा खास की मिलक निवासी रामवीर पुत्र रामचंद्र खेती किसानी करता है। रविवार की रात पुत्रवधु विनीता अपने दो माह के बेटे प्रियांशु के साथ आंगन में चारपाई पर सो रही थी। वहीं दादी कुसुमा भी सो रही थी। परिवार के अन्य सदस्य कमरे में सो रहे थे। सोमवार को तड़के तीन बजे करीब बच्चे के रोने पर दादी कुसुमा ने उसे गोद में उठा लिया।

पार्ट टाइम जॉब का ऑफर देकर बिछाया जाल शातिरों ने महिला से ठगे 7.27 लाख रुपये

बरेली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में साइबर ठगों ने टेलीग्राम आईडी से पार्ट टाइम नौकरी का झांसा देकर महिला के साथ लाखों रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित महिला ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पवन विहार कॉलोनी निवासी अंजलि के व्हाट्सएप पर प्रिया नाम बताकर एक युवती का मैसेज आया था।

प्रिया ने उन्हें पार्ट टाइम नौकरी देने का झांसा देकर टेलीग्राम आईडी का लिंक भेजा। लिंक के माध्यम से अंजलि को एक वेबसाइट से जोड़ा गया। इसके बाद अंजलि को शुरुआत में 150 से 300 रुपये तक का फायदा हुआ। मोटे मुनाफे का झांसा देकर अंजलि से कई बार में सात लाख 27 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। अंजलि ने ठगी का अहसास होने पर रुपये लौटाने को कहा तो ठगों ने साफ मना कर दिया। साइबर क्राइम थाने में अंजलि ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जिगर के टुकड़े का पता दे दो : बेटे की तलाश में भटक रहा पिता

केदारनाथ आपदा में लापता हो गया होनहार इंजीनियर

देहरादून, 23 सितंबर (एजेंसियां)। गत जुलाई में आई केदारनाथ आपदा में देश का एक होनहार इंजीनियर भी लापता हो गया। आईआईटी रुड़की के दीक्षांत समारोह के बाद दोस्त के साथ सीधे केदारधाम की यात्रा पर निकला राजस्थान निवासी इंजीनियर तपकुंड में आए पानी के सैलाब में ओझल हो गया। इसके बाद से लगातार उसके पिता इंजीनियर बेटे की तलाश में पहाड़ों पर भटक रहे हैं।

वह खुद दीवारों पर पोस्टर चिपका रहे हैं कि आखिर कोई तो जिगर के टुकड़े का पता बता दे। पिता अब तक स्थानीय पुलिस से लेकर मुख्यमंत्री तक से गुहार लगा चुके हैं। राजस्थान के अजमेर ब्यावर शहर निवासी अमरचंद सामरिया एलआईसी एजेंट हैं। उनका होनहार पुत्र रुपिन सामरिया का चार साल पहले आईआईटी रुड़की के लिए चयन हुआ। कोर्स पूरा करने के बाद रुपिन अपने गांव गए थे। गत 27 जुलाई को आईआईटी में दीक्षांत समारोह था तो रुपिन माता-पिता और दोस्त धनेंद्र सिंह के साथ रुड़की आ गए। यहां दीक्षांत समारोह में भाग लिया और डिग्री लेकर अपने बैग में रख ली। माता-पिता घर लौट गए और रुपिन अपने दोस्त धनेंद्र के साथ केदारनाथ यात्रा पर निकल गए। अगले दिन 28 जुलाई को ऋषिकेश से टैक्सी लेकर देवप्रयाग पहुंचे। यहां रात गुजारी और अगले दिन टैक्सी से गौरीकुंड पहुंच गए। गौरीकुंड से चले और रात में लिंचोली में सोए। अगले दिन यानी 30 जुलाई को केदारनाथ धाम के दर्शन किए। इसके बाद 31 जुलाई को धाम में आरती देखी और फिर रुड़की के लिए चल दिए। जंगल चट्टी में भारी बरसात का सामना करते हुए जैसे-तैसे दोनों दोस्त चल रहे थे। इसी बीच रुपिन का फोन कहीं गिर गया। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ा और रास्ता नापना शुरू कर दिया। बारिश और झंझावात से लड़ते हुए दोनों दोस्त रात में गौरीकुंड तक पहुंच गए।

घर पर दोस्त के मोबाइल से कॉल कर कुशलक्षेम बताई। सुबह सोनप्रयाग पहुंचे तो पानी का सैलाब आ गया। इस सैलाब ने धनेंद्र को दूर तक बहा दिया। धनेंद्र दूर से ही देख रहा था कि रुपिन ने जैसे-तैसे ट्रैकिंग बैग की पट्टी पकड़कर खुद को संभाला है। इसके बाद धनेंद्र बेहोश हो गया। आंख खुली तो रुपिन नहीं था। ऊपर जाकर पुलिस को सूचना दी, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इसके बाद से रुपिन के पिता अमरचंद सामरिया लगातार अपने बेटे की तलाश में जुटे हैं। वह पहाड़ों पर जगह-जगह बेटे के फोटो वाले पोस्टर चिपका रहे हैं।

गुजरात में फिर कांपी धरती-कच्छ में महसूस किए गए भूकंप के झटके

अहमदाबाद, 23 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात में एक बार फिर धरती कांपी। कच्छ में 3.3 की तीव्रता से भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने इसकी जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि किसी के भी हताहत होने की जानकारी नहीं है। भूकंप के झटके सुबह के 10.5 बजे महसूस किए गए। इस महीने राज्य के सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में तीन से अधिक तीव्रता का यह चौथा झटका है।

बता दें कि गुजरात में अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। पिछले दो सौ वर्षों में यहां नौ जबरदस्त झटके महसूस किए गए। साल 2001 में कच्छ में सबसे खतरनाक झटका महसूस किया गया था। यह पिछली दो शताब्दियों में भारत में तीसरा सबसे बड़ा और दूसरा सबसे विनाशकारी भूकंप था 6.9 की तीव्रता से धरती के कांपने के कारण हजारों लोगों की जान चली गई थी। इस हादसे में कम से कम 13,800 लोगों की मौत और 1.67 लाख लोग घायल हुए थे।

केजरीवाल के आरएसएस से किए सवाल पर मुख्तार नकवी का पलटवार

कहा-काम में जीरो और विरोध में हीरो

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री और भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को आईएएनएस से कई मुद्दों पर बात की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को काम में जोरी और विरोध में हीरो बताया।

बता दें कि दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने 22 सितंबर को जंतर-मंतर पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से पांच सवाल पूछे थे। इसे लेकर बीजेपी नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि जो लोग अब तक काम में जीरो रहे हैं, वे अब धरने में हीरो बनने में लगे हैं। जो कुछ भी करने में विफल रहे हैं, वे अब विरोध प्रदर्शनों का खेल खेलने लगे हैं, विरोध प्रदर्शनों के खेल में अपनी विफलताओं का हिसाब कौन दे? वे दूसरों से सवाल पूछने में व्यस्त हैं। वे जानते हैं कि वे दिल्ली के लोगों द्वारा दिए गए जनादेश को पूरा करने में पूरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने लोगों को पूरी तरह से धोखा दिया है और अपने विश्वासघात को छिपाने के लिए दूसरों से सवाल पूछे जा रहे हैं। दूसरों से जवाब मांगे जा रहे हैं। काम में जीरो और विरोध प्रदर्शनों में हीरो बनने लगे हैं। पीएम मोदी के अमेरिका दौरे को लेकर बीजेपी नेता ने कहा, इस दौरान अगर आप देखेंगे तो पीएम मोदी ने कुछ ऐसा किया है जिस पर सभी देशवासी गर्व महसूस कर रहे हैं। एक महत्वपूर्ण बात जो मुझे लगती है वो ये है कि उन्होंने नमस्ते की भारतीय परंपरा को अंतरराष्ट्रीय मिजाज में बदल दिया है। इसके साथ ही हिंदी और हिंदुस्तान की लोकप्रियता और प्रभाव दिन दोगुनी और रात चौगुनी बढ़ी है। उससे भी बड़ी बात ये है कि आज दुनिया में जिस तरह की आर्थिक मंदी और अभाव चल रहा है, उसे परास्त करते हुए आर्थिक ताने-बाने को मजबूत और सुरक्षित रखा है। उसे सशक्त और सुरक्षित रखा है। ये अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है और इससे हर भारतीय को गर्व होता है।

भगोड़े जाकिर नायक के प्रण पर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि उन्हें भी पता है कि 'ना कभी 9 मन तेल होगा ना नायक नाचेगा'। अब नाइक ही वो शख्स है जो देश में फूट और टकराव पैदा करने की साजिश का मास्टरमाइंड है और उसे भी पता है कि इस देश में ऐसे लोगों के लिए जगह है लेकिन वो जेल में है। हाल ही में नाइक ने कहा था कि वो भारत तभी आएगा जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हटाया जाएगा।

आरोपी केशव मूर्ति को मिली जमानत

सबूतों को नष्ट करने और छेड़छाड़ का लगा है आरोप

बंगलूरू, 23 सितंबर (एजेंसियां)। बंगलूरू के चर्चित रेणुकास्वामी हत्याकांड में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने एक आरोपी केशव मूर्ति को जमानत दे दी है। केशव पर सबूतों को नष्ट करने का आरोप लगा था।

वहीं मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अभिनेता दर्शन थुगदीपा की जमानत याचिका पर सुनवाई 27 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी। साथ ही अन्य आरोपी पवित्रा गौड़ा की जमानत अर्जी पर अब 25 सितंबर को सुनवाई होगी।

33 वर्षीय रेणुकास्वामी अभिनेता दर्शन के बहुत बड़े फैन थे। उसने दर्शन की दोस्त पवित्रा गौड़ा को अश्लील मैसेज भेजे थे। इसे देखकर दर्शन को गुस्सा आया और यही गुस्सा रेणुकास्वामी की हत्या का कारण बना। उसका शव सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के पास एक नाले में मिला था। आठ जून को फैन क्लब का हिस्सा रहे आरोपियों में से एक राघवेंद्र ने रेणुकास्वामी को यह कहकर बुलाया कि अभिनेता उससे मिलना चाहते हैं और वहां आने पर उसकी हत्या कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, चित्रदुर्ग के मूल निवासी रेणुकास्वामी की मौत गंभीर चोट लगने और खून बहने की वजह से हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, रेणुकास्वामी चित्रदुर्ग का रहने वाला था। कई चोटों के कारण उसकी मौत हुई। पुलिस सूत्रों ने कहा कि रेणुकास्वामी की हत्या के मामले में पवित्रा भी एक आरोपी हैं। उन्होंने दावा किया जांच में यह साबित हो गया है कि उन्होंने रेणुकास्वामी की हत्या के लिए उकसाया और साजिश रची तथा अपराध में शामिल हुई। 11 जून को दर्शन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, तब से ही वह जेल में बंद हैं। वहीं, पवित्रा भी जेल में बंद हैं। दर्शन फिलहाल बेल्लारी जेल में बंद है। उन्हें अदालत की अनुमति लेकर परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार से यहां भेजा गया था।

50 से ज्यादा शादियां करने वाला निकला 3 बच्चों का बाप

तलाकशुदा महिलाओं को बनाता था शिकार, पुलिस ने ऐसे किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक अंतर्राज्यीय वांछित अपराधी मुकीम अय्यूब खान को गिरफ्तार किया है. अय्यूब वडोदरा, गुजरात का स्थायी निवासी है. उसकी उम्र 38 वर्ष है. अय्यूब ने कथित तौर पर मैट्रिमोनियल वेबसाइटों के माध्यम से शादी के बहाने 50 से अधिक महिलाओं को ठगा है. वह खुद को वरिष्ठ सरकारी अधिकारी बताकर लड़कियों को झांसे में लेता था. वह कई राज्यों में ऐसी घटनाओं में शामिल रहा है और विभिन्न राज्यों की पुलिस उसे तलाश कर रही थी.

तीन बच्चों का बाप है अय्यूब

अय्यूब की शादी 2014 में हुई थी और उसके तीन बच्चे भी हैं. इसके बावजूद वो पिछले चार साल से घूम-घूम कर अलग-अलग राज्यों में शादी के नाम पर औरतों और लड़कियों का शिकार कर रहा था. अय्यूब का पहला शिकार गुजरात के वडोदरा की रहने वाली एक तलाक शुदा महिला थी. अय्यूब ने इस कामकाजी महिला को शादी डॉट कॉम पर प्रोफाइल बना कर अपने जाल में फंसाया था. अपने प्रोफाइल में उसने खुद को एक सरकारी अफसर दिखाया था. साथ ही प्रोफाइल में यह भी लिखा था कि उसकी पत्नी की मौत हो चुकी है. बातचीत के दौरान बड़ा दिल दिखाते हुए उसने महिला और उसके घरवालों को बताया कि उसे किसी चीज की कमी नहीं है. बस अपनी बेटी के लिये वो एक मां चाहता है. ऐसे में महिला के घरवाले अय्यूब की बातों में आ गए और उन्होंने अपनी बेटी की शादी उससे कर दी.

इसके बाद यानि कि 2020 से अय्यूब एक और फर्जी प्रोफाइल बना कर देशभर की लड़कियों और औरतों को फंसाना शुरू कर दिया. मैट्रिमोनियल वेबसाइट से लड़कियों को फंसाकर पहले वह बड़ी-बड़ी बातें करता था, फिर इमोशनली ब्लैकमेल करने के लिए महिलाओं और लड़कियों को अपनी पत्नी और मरी हुई बेटी की फोटो दिखाता. जिससे महिलाएं और लड़कियां उसपर भरोसा कर लेती और वह उनसे विवाह करके रुपये ऐंठ लेता और फिर फरार हो जाता. अय्यूब हाई प्रोफाइल लड़कियों और तलाकशुदा महिलाओं को ही अपना निशाना बनाता था.

पुलिस ने ऐसे किया गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस के पास जब उसकी शिकायतें पहुंची तो क्राइम ब्रांच और एंटी एक्सटॉर्शन एंड किडनैपिंग सेल को उसे पकड़ने की जिम्मेदारी दी गई. लेकिन अय्यूब तक पहुंचना आसान नहीं था. क्योंकि वह लगातार अपना मोबाइल नंबर और लोकेशन बदलता रहता था. पुलिस जब तक उसे ट्रेस कर एक जगह पर पहुंचती, तब तक वो दूसरी जगह पहुंच चुका होता था.

अमरावती में भीषण सड़क हादसा

गहरी खाई में गिरी बस, 4 की मौत

अमरावती, 23 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के सेमाडोह के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बस खाई में गिर गई। जिससे 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 40 से ज्यादा घायल हो गए, कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बस अमरावती से खंडवा जा रही थी। इसी दौरान बस एक घुमावदार सड़क पर नियंत्रण खोने के बाद 60 से 70 फीट गहरी खाई में गिर गई। घटना की सूचना मिलने पर एनडीआरएफ के अलावा स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। लोगों को बस से बाहर निकाला जा रहा है। बस में करीब 50 से 55 यात्री सवार थे। अमरावती जिला प्रशासन की ओर से बताया गया है कि अमरावती के मेलघाट में बस के चालक द्वारा नियंत्रण खो देने के कारण बस पुल से नीचे गिरी। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई। लगभग 30 लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज सेमाडोह के नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। बचाव कार्य प्रगति पर है। प्रशासन को आशंका है कि मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। वहीं, जिला प्रशासन की टीम इस मामले पर अपनी नजर बनाए हुए है। हाल के दिनों में इस इलाके में हुई ये तीसरी बड़ी घटना है। इसी साल मार्च और फिर जुलाई में बस हादसों का शिकार हुई थी। जुलाई महीने में अमरावती के पास मेलघाट के हाई पॉइंट के पास ही एक निजी ट्रैवल्स की बस हादसे का शिकार हुई थी। तब बस सतपुड़ा रेंज के मेलघाट में खटकली के नजदीक खाई में गिरी थी।

रेल ट्रैक पर डिनोनेटर मिलने पर बोले सांसद संजय राउत

चुनाव जीतने के लिए कुछ भी हो सकता है

मुंबई, 23 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने बढ़ते ट्रेन हादसों और रेलवे ट्रैक पर हो रही गड़बड़ियों के लिए भाजपा को ही जिम्मेदार ठहराया। उनका आरोप है कि चुनाव जीतने के लिए भाजपा शासित राज्य में कुछ भी हो सकता है। संजय राउत से मीडिया ने सवाल किया था कि, देश में ट्रेन हादसे के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। मध्यप्रदेश में जवानों को ले जा रही ट्रेन को निशाना बनाया गया। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कटाक्ष भरा सवाल किया- यह हादसा है या फिर कुछ और है?

उन्होंने आगे कहा, पुलवामा हादसा तो आपको याद ही होगा। भाजपा शासित प्रदेशों में चुनाव जीतने के लिए कुछ भी हो सकता है। इस मामले में गृह मंत्री को जवाब देना चाहिए कि देश में बार-बार इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं? सरकार की ओर से अब तक पुलवामा मामले की जांच नहीं हो पाई है। अगर जवानों की ट्रेन को लेकर कोई हमला या हादसा होता है तो वहां की सरकार, गृह मंत्री, रेल मंत्री जिम्मेदार हैं। दरअसल, 22 सितंबर को ही एक ऐसी खबर सबके सामने आई जिसने सबको परेशान कर दिया। पता चला कि नेपानगर में ट्रेन को डेटोनेटर से उड़ाने की कोशिश की गई थी। घटना 18 सितंबर की है लेकिन इसका खुलासा 22 सितंबर को हुआ था। सुरक्षा एजेंसियां इसकी जांच में जुटी हैं। ड्राइवर की समझदारी से बड़ा हादसा टल गया। ट्रेन के आने से पहले ही कुछ डेटोनेटर में धमाका हुआ। जिससे ड्राइवर सचेत हो गया। ड्राइवर ने तुरंत ट्रेन रोककर स्टेशन मास्टर को सूचना दी। इस मामले की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया।

बता दें कि रविवार को कानपुर में भी ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश नाकाम हुई थी। रेलवे, आरपीएफ के अधिकारियों को रेलवे की पटरी से एक गैस सिलेंडर मिला था। इस तरह की घटनाओं पर रेलवे की ओर से जानकारी दी गई कि लगातार जांच की जा रही है। जांच में ऐसे लोगों को भी पकड़ा जा रहा है जो इस तरह की घटनाओं का अंजाम देने की कोशिश करते हैं।

दुर्गा पूजा समितियों को फंड देने पर कलकत्ता एचसी ने कहा

85 हजार रुपये कम, सरकार 10 लाख तो दे

कोलकाता, 23 सितंबर (एजेंसियां)। दुर्गा पूजा समितियों को पंडाल के लिए फंड देने के पश्चिम बंगाल सरकार के फैसले पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि दुर्गा पूजा समितियों के लिए 85 हजार रुपये कम हैं, सरकार कम से कम 10 लाख रुपये तो दे।

दुर्गा पूजा समितियों को दिए जाने वाले अनुदान पर रोक लगाने की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार को समितियों को किए गए धन के वितरण और उपयोग का सीएजी ऑडिट कराने के लिए हलफनामा दाखिल करने के लिए कहा। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणन ने पश्चिम बंगाल सरकार के महाधिवक्ता किशोर दत्ता से कहा कि राज्य को प्रत्येक आयोजक को 10 लाख रुपये देने पर विचार करना चाहिए, क्योंकि यह पूजा के आयोजन के अनुरूप होगा। 85 हजार रुपये आवश्यक व्यय की तुलना में कुछ भी नहीं है। न्यायाधीश ने कहा कि उन्होंने पिछले दो वर्षों में कई दुर्गा पूजा पंडालों का दौरा किया और महसूस किया कि 85,000 रुपये आयोजन में किए गए खर्च के लिए कुछ भी नहीं है।

अदालत ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार दिव्यांग को महज एक हजार रुपये प्रतिमाह देती है। संविदा कर्मियों, दैनिक वेतन भोगी और प्रतिस्थापन कर्मी धन की समस्या से जूझ रहे हैं। हाईकोर्ट में प्रतिनियुक्त पीडब्ल्यूडी कर्मियों को न्यूनतम वेतन नहीं दिया जा रहा है। वहीं सरकार दुर्गा पूजा आयोजकों को 85 हजार रुपये दे रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में दुर्गा पूजा आयोजकों के लिए अनुदान 85 हजार रुपये किया था। जबकि 2023 में यह 75 हजार रुपये था। खंडपीठ में शामिल न्यायमूर्ति बिवास पटनायक ने राज्य सरकार को पूजा आयोजकों को बिजली शुल्क पर छूट देने से रोकने के आदेश की प्रार्थना भी स्वीकार नहीं की।

दमोह में 45 पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को नोटिस

एसपी ने पूछा कैसे भागा ह्यूमन ट्रैफिकिंग का आरोपी

दमोह, 23 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में एक साथ 45 पुलिस अधिकारियो कर्मचारियो को नोटिस जारी हुए हैं। इन नोटिस में जवाब मांगा गया है कि इतने सारे लोगों की ड्यूटी होने के बाद भी एक आरोपी कैसे भागा? दरअसल, बीते महीने दमोह में एक बाल आश्रम का संचालन करने वाले ईसाई मिशनरी के संचालक डॉ अजय लाल पर ह्यूमन ट्रेफिकिंग के तहत मामला दर्ज हुआ था। जिस रात डॉ लाल पर मुक़दमा दर्ज हुआ उस दिन वह दमोह पुलिस की निगरानी में थे। मतलब सुबह 10 बजे से लगातार पुलिस उनसे पूछतांछ कर रही थी। रात को डॉक्टर लाल अपने बंगले पर आए तो बड़ी संख्या में पुलिस उनके बंगले के परिसर में थी और उन पर निगरानी रखे हुए थी।

रात को डॉक्टर लाल पर जब मुकदमा दर्ज हो गया तो उनकी गिरफ्तारी के लिए कोशिश की गई। लेकिन, डॉक्टर लाल जिस बंगले के भीतर थे, वहाँ से फरार हो गए। इस घटना क्रम ने हड़कम्प मचा दिया। दूसरे दिन डॉक्टर अजय लाल ने जबलपुर हाईकोर्ट में उन पर दर्ज एफआईआर को चुनौती दे दी। कोर्ट ने याचिका स्वीकार की और उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। बता दें कि कुछ दिन पहले डॉ अजय लाल के विदेश भागने की खबर उड़ी और अजय लाल ने खुद और जाने माने एडवोकेट एवं राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा के साथ वीडियो बयान जारी कर ये बताया कि वे भारत में ही हैं विदेश नही भागे हैं। इस मामले में हाईकोर्ट में सरकार की तरफ से भी डॉक्टर अजय लाल के अमेरिका जाने की सूचना दी गई थी। जिसे लेकर डॉ. लाल की तरफ से कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई गई।

कोर्ट ने एसपी दमोह से जवाब मांगा है कि वो बताएं कि आखिर डॉक्टर लाल के विदेश जाने की सूचना का आधार क्या है। ये तमाम बातें चल ही रही हैं कि इस बीच दमोह एसपी ने बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है। डॉ अजय लाल के पुलिस सुरक्षा में भागने के घटनाक्रम में 45 लोगो को नोटिस दिया है। एसपी श्रुत कीर्ती सोमवंशी के मुताबिक उंस रात 45 पुलिस अधिकरियों और स्टाफ की ड्यूटी अलग अलग भूमिकाओं में थी उसके बाद भी डॉ लाल घर से लापता हो गए। तमाम पहलुओं पर एडिशनल एसपी के नेतृत्व में बनाई गई कमेटी जांच कर रही है और इन 45 लोगों से जवाब मांगे गए हैं।

पंजाब सरकार को बड़ी राहत

असिस्टेंट प्रोफेसर और लाइब्रेरियन की भर्ती को दी हरी झंडी

चंडीगढ़, 23 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को बड़ी राहत देते हुए 1158 असिस्टेंट प्रोफेसर और लाइब्रेरियन की भर्ती को हरी झंडी दे दी है। सिंगल बेंच द्वारा इस भर्ती को रद्द किए जाने के आदेश को डबल बेंच ने रद्द कर दिया है। इनमें से 484 जो दो साल पहले ज्वाइन कर चुके थे, उन्हें आज तक पोस्टिंग नहीं मिली थी। यह पंजाब सरकार के कर्मचारी तो माने जा रहे थे लेकिन उन्हें वेतन नहीं मिल रहा था। इनमें से सिर्फ 135 को पोस्टिंग मिली थी और उन्हें ही वेतन मिल रहा था। 2021 की इन भर्तियों का मामला हाईकोर्ट में पेंडिंग था।

जांच में हुई पुलिस चूक के खिलाफ बीजेपी का प्रदर्शन थानों में गंगाजल छिड़क कर लगाई झाड़ू

कोलकाता, 23 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर रेप-मर्डर केस में भाजपा का आंदोलन जारी है। भाजपा की महिला शाखा की कार्यकर्ताओं ने सोमवार को डॉक्टर बलात्कार और हत्या की जांच में कथित खामियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के प्रतीक के दौर पर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल के विभिन्न पुलिस थानों में 'सफाई' की। भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल और लॉकेट चटर्जी सहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि, पुलिसकर्मियों के कथित गलत कार्यों में संलिप्त पाए जाने के बाद पुलिस थानों की 'पवित्रता' खत्म हो गई है। उन्होंने पुलिस थानों के सामने गंगा नदी का पवित्र जल छिड़ककर, झाड़ू लगाई और गाय के गोबर का लेप कर विरोध प्रदर्शन किया। अग्निमित्रा पॉल ने कहा, आज हम पश्चिम बंगाल के अलग-अलग थानों में जा रहे हैं... क्योंकि यहां कि पुलिस और पुलिस स्टेशन का शुद्धिकरण होना चाहिए क्योंकि पुलिस रक्षा करने के लिए होती है लेकिन पुलिस रक्षा नहीं कर रही है... इस पूरे मामले में षडयंत्रकारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं। हमारी मांग है कि ममता बनर्जी और विनीत गोयल को हिरासत में लिया जाए। भाजपा नेता ने कहा कि जब डॉक्टर के शव का जल्दबाजी में अंतिम संस्कार किया गया और एफआईआर तथा पोस्टमार्टम के तथ्यों में गड़बड़ी की गई, तब पुलिस बल कहां था? बता दें कि, आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 9 अगस्त को एक डॉक्टर के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया था बाद में उसकी बेहरमी से हत्या कर दी गई थी।

वहीं लॉकेट चटर्जी ने नॉर्थ कोलकाता के मानिकतला स्थित डीसी नॉर्थ ऑफिस के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पुलिस बैरिकेड्स तोड़ दिए और गंगा जल छिड़का झाड़ू लगाई। बता दें कि, सीबीआई डॉक्टर की मौत की जांच कर रही है। कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और एक पुलिसकर्मी समेत तीन लोगों को केंद्रीय एजेंसी ने इस मामले में गिरफ्तार किया है। भाजपा सहित अन्य विपक्षी दल आरोप लगाते रहे हैं कि सीबीआई द्वारा मामले की जांच किए जाने से पहले पुलिस ने इस मामले की जांच में गंभीर चूकें की हैं। जिससे कई अहम सबूत नष्ट हो गए। वहीं बीजेपी ने पश्चिम बंगाल अलग-अलग जिलों में मशाल जुलूस निकालकर सीएम ममता बनर्जी से इस्तीफा मांगा। उन्होंने राज्य सरकार पर मामले को दबाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 24 सितंबर- 2024

अब दिल्ली में घमासान

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनाव-प्रचार का शोर चरम पर पहुंच गया है। हरियाणा में देखा जाए तो भाजपा और कांग्रेस में ही मुख्य मुकाबला है, लेकिन जीत का दावा तो स्थानीय पार्टियां भी कर रही हैं। लोकल पार्टियों का दावा है कि यदि वे सरकार नहीं बना सके तो हरियाणा में किंग मेकर की भूमिका में रहेंगे। जम्मू-कश्मीर में जहां भाजपा और कांग्रेस का प्रचार धुँआधार चल रहा है वहीं हरियाणा में अब भी दोनों ही दलों के केंद्रीय नेता चुनावी रैली व आमसभा से परहेज करते दिखाई दे रहे हैं। संभावना है कि जल्द ही हरियाणा के रण में पार्टियों के सेनापति सारे अस्त्र- शस्त्र लेकर मैदान संभालेंगे। कश्मीर में जहां गृह मंत्री अमित शाह ताबड़तोड़ रैलियाँ कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस की ओर से पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ज़रूर कश्मीर गए थे, लेकिन पार्टी की ओर से वहाँ प्रचार अभियान धीमा ही नज़र आ हा है। खडगे के चेहरे पर थकान भी अपना रंग दिखा रही थी, नतीजतन सोमवार को हरियाणा के अंबाला में होने वाली उनकी रैली व आमसभा स्थगित कर दी गई है। कश्मीर घाटी में नेशनल कान्फ्रेंस ने प्रचार में पूरी ताकत झोंक रखी है। आखिर उसके लिए यह चुनाव जीवन-मरण का प्रश्न जो बन चुका है। भाजपा और नेशनल कान्फ्रेंस दोनों अच्छी तरह से जानते हैं कि उनके प्रभाव क्षेत्र अलग-अलग है। जम्मू क्षेत्र में भाजपा का ज़बर्दस्त प्रभाव है तो कश्मीर घाटी में नेशनल कान्फ्रेंस का प्रभाव ज़्यादा है। घाटी में पीडीपी और कुछ क्षेत्रीय पार्टियां भी हैं। कुछ निर्दलीय भी हैं, जिनके बारे में प्रचार किया जा रहा है कि वे भाजपा के प्रॉक्सी उम्मीदवार हैं। ऐसे ही उम्मीदवार हरियाणा में भी उतारे गए हैं तो दिखते तो अलग है लेकिन राष्ट्रीय पार्टियों के डमी माने जा रहे हैं। देश की राजधानी दिल्ली में भी आतिशी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप कर आप नेता अरविंद केजरीवाल भी चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। उन्होंने रविवार को दिल्ली से इसका आगाज कर दिया है। वे हरियाणा के शहरों में भी अपनी ताकत झोंकने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। हालाँकि दिल्ली का चुनाव महाराष्ट्र और झारखंड के भी बाद अगले साल फ़रवरी में होना है लेकिन आप पार्टी ने दिल्ली जीतने की मुहिम अभी से शुरू कर दी है। दिल्ली में 22 सितंबर को केजरीवाल जनता के बीच गए और कहा कि दिल्ली चुनाव मेरे लिए एक तरह की अग्निपरीक्षा है। अब फ़ैसला आपको करना है कि मैं ईमानदार हूँ या बेईमान। अगर आप मुझे ईमानदार समझें तो ही वोट देना वरना मत देना। मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बारे में केजरीवाल का कहना है कि भले ही मुझ पर लगाए गए आरोप झूठे हों, लेकिन लांछन लगने के बाद मैं किसी पद पर बने रहने लायक अपने आप को नहीं समझ रहा था, इसलिए इस्तीफा दिया। अब उनसे ये पूछा जाना चाहिए कि इतने दिन तक जेल में रहने के बावजूद किस नैतिकता के तहत मुख्यमंत्री पद को ढोते रहे? अब केजरीवाल कह रहे हैं कि वे जनता की अदालत में न्याय माँगने आए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या चुनावी जीत किसी के ईमानदार होने का प्रमाण हो सकती है? देश में ऐसे कई नेता हैं जो अनेक आरोप लगने का बाद भी चुनाव जीतकर लोकसभा या विधानसभा में पहुँचे हैं और आगे भी पहुंचते रहेंगे। इससे उनके दाग तो नहीं धुल सकेंगे।

क्वाड की बैठक ने उड़ाई जिनपिंग की नींद !

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अमेरिका में चल रहे क्वाड शिखर सम्मेलन की शुरुआत में ही चीन पर निशाना साधा था । प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि क्वाड एक्टिव रहने के लिए बना है और यह किसी के खिलाफ नहीं है। बिना नाम लिए चीन पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि क्वाड के नेता नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और संप्रभुता के सम्मान में खड़े हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि दुनिया में संघर्ष चल रहा है और क्वाड हर संघर्ष का शांतिपूर्ण सम्माधान चाहता है।उन्होंने कहा, 'क्वाड का साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर मिलकर काम करना पूरी मानवता के लिए महत्वपूर्ण है। हम किसी के खिलाफ नहीं है। हम सभी नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान और सभी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'स्वतंत्र, खुला, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत हमारी साझा प्राथमिकता और साझा प्रतिबद्धता है। हमने मिलकर स्वास्थ्य, सुरक्षा, उभरती टेक्नोलॉजी और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में कई सकारात्मक और समावेशी पहल की है।' शायद इसी कारण अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को क्वाड देशों के नेताओं के साथ बात आपसी बातचीत में चीन की आलोचना करते हुए रिकॉर्ड किया गया है। बाइडेन को क्वाड देशों के नेताओं से यह कहते हुए रिकॉर्ड किया गया है, कि चीन उनकी परीक्षा ले रहा है।बाइडेन की ये बात, उभरते चीनी खतरे के प्रति अमेरिकी गंभीरता को दर्शाता है। बाइडेन की यह टिप्पणी शनिवार को क्वाड लीडर्स समिट के दौरान आई है, जिसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने भी हिस्सा लिया है। शिखर सम्मेलन स्थल से पूल रिपोर्टर के बाहर निकलते समय उनकी शुरुआती टिप्पणी हॉट माइक पर कैद हो गई। बाइडेन को यह कहते हुए सुना गया, कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ₹मेरे विचार से, चीन के हितों को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाने के लिए अपने लिए कुछ कूटनीतिक स्पेस खरीदना चाहते हैं।चीन, आर्थिक और टेक्नोलॉजिकल मुद्दों सहित कई मोर्चों पर पूरे क्षेत्र में हम सभी का टेस्ट करते हुए आक्रामक व्यवहार करना जारी रखे हुआ है। साथ ही, उनका मानना है कि तीव्र प्रतिस्पर्धा के लिए गहन कूटनीति की आवश्यकता होती है। वहीं, बाद में एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने इस बाइडेन की इस फुसफुसाहट को संभालने की कोशिश की और कहा, कि मुझे नहीं लगता, कि इस पर विस्तार से बताने के लिए मेरे पास बहुत कुछ है। यह पहले जो कहा गया है, उसके मुताबिक ही है, और मुझे नहीं लगता कि यह बहुत आश्चर्य की बात होगी, कि हमारी अंदरूनी आवाज हमारी बाहरी आवाज से मेल खाती है। मुझे लगता है कि यह आश्चर्य की बात नहीं है, कि चीन एजेंडे में रहा होगा। यह एक इंडो-पैसिफिक सम्मेलन है। यह एक इंडो-पैसिफिक साझेदारी है। चीन इंडो-पैसिफिक में एक प्रमुख देश है। लेकिन मुझे लगता है कि यह कहना भी उचित है कि एजेंडे में कई अन्य विषय भी थे।आपको बता दें, कि चीन दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर दोनों में उग्र क्षेत्रीय विवादों में उलझा हुआ है।चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपनी संप्रभुता का दावा करता है। वियतनाम, मलेशिया, फिलीपींस, ब्रुनेई और ताइवान ने भी इस पर जवाबी दावे किए हैं। चार सदस्यीय क्वाड, जो एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत को बनाए रखने की वकालत करती है। चीन का दावा है कि इस समूह का मकसद उसके उदय को रोकना है।कुछ समय पूर्व चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि जहां तक क्वाड का संबंध है, मुझे लगता है कि भारत इस तंत्र की मंशा को हमसे बेहतर जानता है। क्या इसका इरादा चीन के खिलाफ एक छोटे-से गुट को खड़ा करना नहीं है? कुछ ही दिन पहले ढाका में चीन के राजदूत ली जिमिंग ने बांग्लादेश को अमेरिका के नेतृत्व वाले क्वाड गठबंधन में शामिल होने के खिलाफ आगाह करते हुए कहा था कि बीजिंग विरोधी क्लब में ढाका की भागीदारी के वजह से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को काफी नुक़सान होगा। आपको बता दे कि आखिर क्या है क्वाड? जिसके कारण जिनपिंग की नींद उडी हुई है । क्वाड शब्द क्वाड्रीलेटरल सुरक्षा वार्ता के क्वाड्रीलेटरल (चतुर्भुज) से लिया गया है। इस समूह में भारत के साथ अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। क्वाड जैसे समूह को बनाने की बात पहली बार 2004 की सुनामी के बाद हुई थी जब भारत ने अपने और अन्य प्रभावित पड़ोसी देशों के लिए बचाव और राहत के प्रयास किए और इसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान भी शामिल हो गए थे।लेकिन इस आइडिया का श्रेय जापान के पूर्व प्रधान मंत्री शिंज़ो आबे को दिया जाता है। 2006 और 2007 के बीच आबे क्वाड की नींव रखने में कामयाब हुए और चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता की पहली अनौपचारिक बैठक वरिष्ठ अधिकारीयों के स्तर पर अगस्त 2007 में मनीला में आयोजित की गई। उसी साल क्वाड के चार देशों और सिंगापुर ने मालाबार के नाम से बंगाल की खाड़ी में एक नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लिया था। इस सब पर चीन ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए क्वाड देशों से यह बताने को कहा था कि क्या क्वाड एक बीजिंग विरोधी गठबंधन है? क्वाड को एक झटका और लगा जब कुछ समय बाद ही ऑस्ट्रेलिया इससे अलग हो गया। दस साल बाद 2017 में मनीला में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान 'भारत-ऑस्ट्रेलिया-जापान-अमेरिका' संवाद के साथ क्वाड वापस अस्तित्व में आया।यह बैठक इन देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मनीला पहुँचने से कुछ घंटे पहले हुई। यह वार्ता इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण थी कि उस समय भारत और चीन के बीच डोकलाम में गतिरोध चल रहा था।2017 में गति मिलने के बाद क्वाड के विदेश मंत्री अक्टूबर 2020 में टोक्यो में मिले और कुछ ही महीनों बाद इस साल मार्च में जो बाइडेन के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के कुछ ही हफ़्तों बाद अमेरिका ने क्वाड के वर्चुअल शिखर सम्मलेन की मेज़बानी की। चीन शुरू से ही क्वाड को चार विरोधी देशों का समूह मानता रहा है।

उसे लगता है कि क्वाड के ये चार देश उसकी बढ़ती ताकत के खिलाफ गुटबंदी कर रहे हैं।क्वाड के देशों ने सैन्य क्षेत्र को लेकर कोई सार्वजानिक बयान नहीं दिए हैं पर ये माना जाता है कि दक्षिण चीन सागर और हिन्द महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव पर अंकुश लगाना इन देशों की एक बड़ी प्राथमिकता है।रक्षा विशेषज्ञ सी उदय भास्कर भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्त कमोडोर हैं। वे आजकल दिल्ली स्थित सोसाइटी फॉर पालिसी स्टडीज़ के निदेशक हैं। उनके अनुसार चीन क्वाड के ग्रुप को लेकर काफी चिंतित है। वे कहते है कि पिछले साल चीन इसे नीचा दिखाने की कोशिश कर चुका है। उनके एक मंत्री ने कहा था कि क्वाड समुद्र के पानी पर झाग जैसा है जो हवा से उड़ जायेगा। क्वाड चीन के लिए हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में बहुत बड़ी चुनौती हो सकता है, इसीलिए क्वाड की क्षमता देखते हुए चीन बहुत चिंतित है। उनका यह भी कहना था कि समुद्री क्षेत्र में चीन अपना दबदबा दक्षिण चीन सागर में और पूर्व सागर मे दिखाता रहा है। उनके अनुसार इस दबदबे की वजह से जहाँ दक्षिण चीन सागर में आसियान के देश प्रभावित हुए हैं, वहीं पूर्व सागर में जापान।वे कहतें हैं, ₹दोनों क्षेत्रों में चीन एक चुपके-चुपके अपना दावा बढ़ाता दिख रहा है। दक्षिण चीन सागर में नाइन डैश लाइन और कृत्रिम इंस्टालेशन बना दिए हैं और तरह-तरह के क्षेत्रीय दावे कर दिए हैं। यह सब देखते हुए जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने कहा है कि समुद्री क्षेत्र में एक नियम आधारित व्यवस्था होनी चाहिए। पिछले साल नवंबर में भारतीय नौसेना ने बहुपक्षीय युद्धाभ्यास 'मालाबार' का आयोजन हिंद महासागर में किया।

इस अभ्यास में अमेरिकी नौसेना, जापानी मैरीटाइम सेल्फ़ डिफेंस फ़ोर्स और रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी ने हिस्सा लिया। क्वाड देशों के इस युद्धाभ्यास को चीन के लिए एक संदेश की तरह देखा गया। कमोडोर भास्कर के अनुसार समुद्री क्षेत्र के अलावा चीन के साथ साइबर और स्पेस के क्षेत्रों में भी नियम आधारित व्यवस्था बनाने की कोशिश होनी चाहिए। वे कहते हैं, चीन को नियम आधारित व्यवस्था में लाने के लिए लोकतान्त्रिक देश अपना एक गुट बनाते हुए सिद्धांतों के लिए आगे बढ़ सकते हैं। उनका यह भी मानना था कि अगर यह चार देश मिलकर सहमति बना रहे हैं तो यह चीन के ख़िलाफ़ नहीं है बल्कि एक नियम आधारित व्यवस्था बनाने के लिए है। वे कहते हैं, क्वाड ग़ैर-सैनिक मुद्दों को आगे बढ़ा रहा है जिसमें कोविड महामारी के दौरान एक दूसरे से सहयोग करना और ज़रूरतमंद देशों की मदद करने की बात की गई है।गौरतलब है कि जब भारत पूरे विश्व की तरह कोरोना महामारी की पहली लहर से जूझ रहा था, उसी दौरान चीन की ओर से लद्दाख क्षेत्र के कई सीमा क्षेत्रों में घुसपैठ करने की खबरें आनी शुरु हुईं।

शर्मनाक - तिरुपति मंदिर के लड्डू में चरबी, श्रद्धा से धोखा !

मनोज कुमार अग्रवाल

आंध्र प्रदेश में स्थित लाखों-करोड़ों लोगों के आस्था के केंद्र तिरुपति तिरुमला मंदिर को लेकर बड़ी खबर सामने आई है. प्रसिद्ध मंदिर में मिलने वाले लड्डू में मिलावट की बात सामने आई है. नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड ने लड्डू में चर्बी और बीफ मिले होने की पुष्टि की है. नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासा किया गया है. बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, तिरुपति मंदिर का लड्डू बनाने में मछली का तेल, बीफ और चर्बी का इस्तेमाल किया गया है. इस रिपोर्ट के खुलासे के बाद देश भर में फैले तिरुपति के करोड़ों श्रद्धालुओं में रोष और नाराजगी फैल गई है। अब यह मामला आंध्र की राजनीति में परस्पर कीचड़ उछालने का मुद्दा बन गया है। पक्ष और प्रतिपक्ष एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं वहीं राम मंदिर उद्घाटन समारोह के अवसर पर तिरुपति मंदिर संस्थानम ने तीन टन लड्डू भेंट के लिए भेजे थे अब सवाल उठाया जा रहा है कि राम मंदिर उद्घाटन समारोह में आए ये लड्डू भी कहीं मिलावटी घई से तो नहीं बनाए गए थे।

टीडीपी के प्रवक्ता अनम वेंकटा रमन रेड्डी ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह कथित लैब रिपोर्ट पेश की। इसमें दिए गए घी के नमूने में बीफ टैलो (पशुओं की चर्बी) की मौजूदगी की पुष्टि की गई है। कथित रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन नमूनों में 'लार्ड' (सूअर की चर्बी से संबंधित) और मछली के तेल की भी मौजूदगी है। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रसाद के तौर इन लड्डुओं का वितरण न केवल श्रद्धालुओं के बीच किया गया, बल्कि भगवान को भी प्रसाद के तौर पर यही लड्डू चढ़ाया जाता था जानकारी के अनुसार, नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की रिपोर्ट में तिरुपति मंदिर के लड्डू और अन्नदानम के सैम्पल की जांच में सनसनीखेज खुलासा हुआ है. दूसरी तरफ, तिरुपति मंदिर में प्रसाद के तौर पर दिए जाने लड्डू को लेकर आंध्र प्रदेश में सियासी तूफान उठ खड़ा हुआ है. मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने वाईएस जगन मोहन रेड्डी को घेरते हुए आरोप लगाया कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने तिरुमला में तिरुपति लड्डू प्रसादम तैयार करने के लिए घी की जगह जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किया. यह प्रसाद भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में आने वाले करोड़ों भक्तों को दिया जाता है. सीएम नायडू ने आरोप लगाते हुए कहा था कि तिरुमाला के लड्डू भी घटिया सामग्री से बनाए गए थे. अमरावती में एनडीए विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने यह भी कहा था कि लड्डू तैयार करने के लिए अब शुद्ध घी का इस्तेमाल किया जा रहा है और मंदिर में हर चीज को सैनिटाइज किया गया है. इससे गुणवत्ता में सुधार हुआ है. आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्री नारा लोकेश ने X पर चंद्रबाबू नायडू की टिप्पणी को शेयर करते हुए इस मुद्दे पर जगन मोहन रेड्डी पर निशाना साधा और कहा कि वाईएसआरसीपी सरकार भक्तों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान नहीं कर सकती. नारा लोकेश ने लिखा, 'तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर हमारा सबसे पवित्र मंदिर है. मैं यह जानकर हैरान हूं कि जगन प्रशासन ने तिरुपति प्रसादम में घी की जगह जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किया. जगन और वाईएसआरसीपी सरकार पर शर्म आती है, जो करोड़ों भक्तों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान नहीं कर सके.'सीएम चंद्रबाबू नायडू के इन आरोपों से आंध्र प्रदेश की सियासत में तूफान खड़ा हो गया है. इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने X पर लिखा कि चंद्रबाबू नायडू को एक हाई-लेवल कमेटी बनानी चाहिए और सीबीआई को सच्चाई का पता लगाने देना चाहिए. उधर, वाईएसआरसीपी के राज्यसभा सांसद वाईवी सुब्बा रेड्डी ने भी विवाद पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि नायडू राजनीतिक लाभ के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा करके मुख्यमंत्री ने दिव्य मंदिर तिरुमाला की पवित्रता और करोड़ों हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाया।

सीएम नायडू के इस बयान पर जगन मोहन रेड्डी की पार्टी ने जवाब दिया. इसमें कहा गया कि चंद्रबाबू नायडू ने दिव्य मंदिर तिरुमाला की पवित्रता और करोड़ों हिंदुओं की आस्था को नुकसान पहुंचाकर बहुत बड़ा पाप किया है. चंद्रबाबू नायडू द्वारा तिरुमाला के प्रसाद पर की गई टिप्पणी बेहद घटिया है. मनुष्य जन्म में जन्मा कोई भी व्यक्ति ऐसे शब्द नहीं बोलता और न ही ऐसे आरोप लगाता है. एक बार फिर यह साबित हो गया है कि राजनीति के लिए चंद्रबाबू कुछ भी गलत करने से नहीं हिचकिचाएंगे। रेड्डी ने कहा कि भक्तों की आस्था को मजबूत करने के लिए मैं और मेरा परिवार तिरुमाला प्रसाद के मामले में शपथ लेने के लिए तैयार है. क्या चंद्रबाबू भी अपने परिवार के साथ शपथ लेने के लिए तैयार हैं?

आपको बता दें कि देश के बड़े मंदिरों में एक श्री वेंकटेश्वर मंदिर आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में तिरुमाला पहाड़ी पर बना है। यह तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है। इन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मान्यता है कि भगवान वेंकटेश्वर ने लोगों को कलियुग के कष्टों और परेशानियों से बचाने के लिए अवतार लिया था।एक रिपोर्ट के अनुसार यहां बालों का दान किया जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दुःख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती हैं। इसलिए यहां अपनी सभी बुराइयों और पापों के रूप में लोग अपने बाल छोड़ जाते हैं।

आपको बता दें कि सभी मंदिरों में भगवान को चढ़ाया गया तुलसी पत्र बाद में प्रसाद के रूप में भक्तों को दिया जाता है। अन्य वैष्णव मंदिरों की तरह यहां पर भी भगवान को रोज तुलसी पत्र चढ़ाया तो जाता है, लेकिन उसे भक्तों को प्रसाद के रूप में नहीं दिया जाता। पूजा के बाद उस तुलसी पत्र को मंदिर परिसर में मौजूद कुएं में डाल दिया जाता है।भगवान विष्णु को कहते हैं वेंकटेश्वरः इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यह मेरू पर्वत के सप्त शिखरों पर बना हुआ है, इसकी 7 चोटियां शेषनाग के सात फनों का प्रतीक कही जाती हैं। इन चोटियों को शेषाद्रि, नीलाद्रि, गरुड़ाद्रि, अंजनाद्रि, वृषटाद्रि, नारायणाद्रि और व्यंकटाद्रि कहा जाताहै।इनमें से व्यंकटाद्रि नाम की चोटी पर भगवान विष्णु विराजित हैं और इसी वजह से उन्हें व्यंकटेश्वर के नाम से जाना जाता है।

श्रद्धा के बिना अधूरा है श्राद्ध

योगेश कुमार गोयल

हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष (श्राद्ध) को बहुत अहम माना गया है। श्राद्ध का अर्थ होता है 'श्रद्धापूर्वक'। हमारे संस्कारों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने को ही श्राद्ध कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दिवंगत परिजनों को उनकी मृत्यु तिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया जाना जाना ही श्राद्ध है। ब्रह्मपुराण के अनुसार उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम जो भी वस्तु उचित विधि द्वारा श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है। पितृ पक्ष को हिन्दू धर्म में 'महालय' या 'कनागत' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तर्पण कर्म और ब्राह्मण को भोजन कराने से पूर्वज प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों को याद कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करते हैं। दरअसल हिन्दू धर्म में मृत्यु के पश्चात पितरों की याद में श्राद्ध किया जाता है और उनकी मृत्यु की तिथि के अनुसार ही श्राद्ध की तिथि निर्धारित की जाती है। पिंडदान करने के लिए हरिद्वार और गया को सर्वोत्तम माना गया है। वैसे हिन्दू धर्म के अलावा ईसाई, इस्लाम और बौद्ध धर्म में भी अपने पूर्वजों को याद रखने की प्रथा है। पश्चिमी जगत में जहां पूर्वजों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाने की प्रथा है, वहीं ईसाई धर्म में व्यक्ति के निधन के चालीस दिनों पश्चात सामूहिक भोज की रस्म की जाती है। इस्लाम में चालीस दिनों बाद कब्र पर फातिहा पढ़ने और बौद्ध धर्म में भी पूर्वजों की याद में कुछ ऐसे ही प्रावधान देखने को मिलते हैं। हिन्दू धर्म में मान्यता है कि पितृ पक्ष के दिनों में यमराज आत्मा को मुक्त कर देते हैं ताकि वे अपने परिजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। ऐसी ही मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दिनों में पितर नीचे पृथ्वी पर आते हैं और बिना किसी आव्हान के अपने वंशजों के घर किसी भी रूप में जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें तृप्त नहीं किया जाए तो उनकी आत्मा नाराज होकर अतृप्त लौट जाती है।

माना गया है कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो जिंदगी मुसीबतों से भर जाती है। इसलिए शास्त्रों में पितरों का श्राद्ध विधिपूर्वक करना जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि यदि पितर खुशी-खुशी वापस जाते हैं तो अपने वंशजों को दिए गए उनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। पितृ पक्ष के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। पितृ पक्ष में सगाई, विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश, परिवार के लिए महत्वपूर्ण चीजों की खरीददारी, नए कपड़े खरीदना, कोई नया कार्य शुरू करना इत्यादि कोई भी शुभ कार्य करना अच्छा नहीं माना जाता। जिंदगी में सफलता के लिए मेहनत, किस्मत, ईश्वरीय कृपा के साथ-साथ पूर्वजों का आशीर्वाद भी बेहद जरूरी होता है और धर्म एवं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्वजों को सम्मान देने से वे प्रसन्न होते हैं तथा पूरे परिवार पर कृपा करते हैं। इसीलिए हमारे दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण-श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों को जल देने की विधि को तर्पण कहा जाता है। ज्योतिष शास्त्र में पितृ दोष को अशुभ फल देने वाला माना गया है और शास्त्रों के अनुसार पितृ पक्ष में पितरों का तर्पण करने से पितृ दोष से आने वाली परेशानियां दूर होती हैं तथा पितरों का आशीर्वाद मिलता है। देव ऋण, ऋषि ऋण तथा पितृ ऋण का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है और पितृ पक्ष में माता-पिता के प्रति तर्पण करके श्रद्धा व्यक्त की जाती है क्योंकि पितृ ऋण से मुक्त हुए बिना जीवन निरर्थक माना जाता है। सनातन धर्म के अनुसार देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण से मुक्ति पाए बिना व्यक्ति का पूर्ण कल्याण होना असंभव है। ऋषि ऋण से स्वाध्याय के जरिये, देवऋण से यज्ञ के जरिये और पितृ ऋण से श्राद्ध तथा तर्पण द्वारा मुक्ति प्राप्त हो सकती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्राद्ध पक्ष में पितरों से संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। महर्षि वेद व्यास के अनुसार जो व्यक्ति श्राद्ध द्वारा अपने पितरों को संतुष्ट करता है, वह पितृ ऋण से मुक्त होकर ब्रह्मलोक को जाता है।

महर्षि जाबालि के अनुसार अपने पितरों का श्राद्ध करने वाले व्यक्ति को पुत्र, आयु, आरोग्य, ऐश्वर्य और इच्छित फल की प्राप्ति होती है। श्राद्ध पक्ष के दौरान दिन में सोना, असत्य भाषण, रति क्रिया, सिर और शरीर पर तेल, साबुन, इत्र आदि लगाना, मदिरापान करना, लड़ाई-झगड़ा, वाद-विवाद, अनैतिक कृत्य तथा किसी भी जीवधारी को कष्ट पहुंचाना निषेध माना गया है। पितृपक्ष को लक्ष्मी और ज्ञान की साधना के लिए उत्तम काल माना गया है।

ठाकुर का भी एनकाउंटर हो गया

संजय सक्सेना

समाजवादी पार्टी के जो नेता कहा करते थे कि आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता है वही लोग अब मुठभेड़ में मारे या घायल होने वाले बदमाशों की जाति धर्म ढूढने लगे हैं। अखिलेश यादव आरोप लगाते थे कि पुलिस मुठभेड़ में यादव या कुछ खास बिरादरियों के बदमाश ही क्यों मारे जाते हैं,जबकि कुछ विशेष जाति के बदमाशों पर सिर्फ पैर में गोली पड़ती है। आज संभवता अखिलेश को अपने सवाल का जबाव मिल गया होगा। यूपी पुलिस और एसटीएफ ने सुल्तानपुर डकैती कांड में शामिल बदमाश अनुज प्रताप सिंह को एनकाउंटर में मार गिराया है। अनुज पर एक लाख रुपये का इनाम था और वह डकैती कांड के बाद से फरार चल रहा था। अनुज के एनकाउंटर पर पिता धर्मराज सिंह ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि चलो ठाकुर का एनकाउंटर होने से उनकी (अखिलेश) इच्छा की पूर्ति तो हो गई। सरकार की जैसी मर्जी हो, वो वैसा कर सकती है। दरअसल, सपा मुखिया ने इससे पहले एनकाउंटर में मारे गए मंगेश यादव के मुद्दे को खूब उठाया था और एसटीएफ पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने जौनपुर निवासी मंगेश के एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए कहा था कि इस सरकार में एसटीएफ सरनेम देखकर लोगों को मारती है। उनका कहना था कि यादव होने की वजह से मंगेश को मारा गया, जबकि ठाकुर होने के चलते डकैती कांड के अन्य आरोपियों के पैर में गोली मारी गई या उन्हें सरेंडर करवा दिया गया। हालांकि, आज सुबह उन्नाव के अचलगंज में ठाकुर अनुज प्रताप सिंह को भी पुलिस और एसटीएफ ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। जिसके बाद एक बार फिर से अखिलेश और यूपी एसटीएफ की चर्चा शुरू हो गई है। बेटे के एनकाउंटर की खबर लगते ही अमेठी निवासी अनुज के पिता धर्मराज सिंह ने अखिलेश यादव पर तीखी प्रतिक्रिया दी। जब धर्मराज से पूछा गया कि मंगेश के एनकाउंटर को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर था कि एक जाति विशेष के लोगों को टारगेट किया जा रहा है तो इसपर उन्होंने कहा कि चलो, अखिलेश यादव जी को इच्छा तो पूरी हो गई, ठाकुरों का भी एनकाउंटर हो गया। ठाकुर के एनकाउंटर से तसल्ली मिल गई। जिस पर 35-40 केस उनका एनकाउंटर नहीं हो रहा, एक-दो केस वालों को मार दिया जा रहा है। सरकार की मर्जी है, जो चाहे वो कराए। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही अनुज प्रताप सिंह की बहन ने भी भाई के एनकाउंटर की आशंका जताई थी। उसने कहा था कि पुलिस मंगेश की तरह भाई के एनकाउंटर की भी प्लानिंग कर रही है। बहन ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा था कि मेरा भाई पढ़ाई करता था। एक दोस्त उसे सूरत घुमाने ले गया था। डकैती के दिन (28 अगस्त) भाई से बात हुई थी। 29 अगस्त को अमेठी पुलिस बीमार पिता (धर्मराज सिंह) को उठा ले गई थी। कई दिनों तक कोई सूचना नहीं दी। अनुज प्रताप सिंह अमेठी के मोहनगंज थाने के जनापुर का रहने वाला था। अनुज सुल्तानपुर डकैती गैंग का सरगना बताए जा रहे विपिन सिंह का सबसे करीबी गुर्गा था। विपिन के साथ अनुज गुजरात की एक डकैती कांड में भी साथ था। यह डकैती गुजरात के सूरत शहर में हुई थी। एनकाउंटर में मारे गए अनुज प्रताप सिंह पर दो मुकदमे दर्ज थे, एक सुल्तानपुर में और एक गुजरात में। पुलिस के अनुसार, 28 अगस्त को सुल्तानपुर में डकैती के लिए के लिए सबसे पहले ज्वैलरी शोरूम में घुसने वाला बदमाश अनुज प्रताप सिंह ही था। सफेद शर्ट पहने अनुज ने ही सबसे पहले शोरूम के अंदर बैठे दुकानदार भरत सोनी और उनके बेटे को पिस्तौल तानकर धमकाया था।इस डकैती कांड में शामिल 14 बदमाशों में अभी 3 की गिरफ्तारी होनी बाकी है। वारदात को अंजाम देने के लिए शोरूम में घुसने वाले पांच बदमाशों में फरार चल रहे फुरकान, अरबाज और अंकित यादव पर भी है एक-एक लाख का इनाम है।

बुल्डोजर का आत्मचिंतन

डॉ टी महादेव राव

विकास और विनाश तीन तीन अक्षरों के दो अलग अलग मानसिकता के शब्द हैं। सकारात्मक विकास जो सभी नेताओं की केवल जुबान पर है और यथार्थ से दूर है और जारी नकारात्मक विनाश यानी मारपीट, आंदोलन के बीच ही मानव जीवन चलायमान है। इन्हीं दोनों शब्दों से मेरा गहरा नाता है। मैं बुल्डोजर अपना आत्मचिंतन यानी स्वगत बोल रहा हूं। समझिए आपने आप में बड़बड़ा रहा हूं। मुझे बनाया गया गधे की तरह सामान ढोने, मिस्त्री के सहायक बनकर मकान बनाने, मजदूर की तरह नाले खोदने के लिए या इसी तरह के काम जिनसे मानवीय विकास का सूत्र बंधा हुआ है। बड़े अच्छे से दिन गुजर रहे थे विकास के निर्माण में और जीवन को सुविधामय बनाने में। अचानक बड़ों को लगा इस बुल्डोजर का दूसरा विकल्प भी हो सकता है। उससे दंड भी दिया जा सकता है। जिसने गलती की उसके घर बार को गिरा देंगे। इस बड़ी सजा से वह दंडित हो जाएगा हमारी शरण में आएगा। लेकिन उन्होंने यह नहीं सोचा कि अपराधी तक तो ठीक है उनके घर के मां बाप, बीवी बच्चे, भाई बहन को बिना किसी अपराध के सजा दी जा रही है। यह सजा देने और सुधारने(?) का काम बड़े धड़ल्ले से किया गया। सारे नेताओं ने अपनी पीठ खुद थपथपाई और खुशियां मनाई। मैं अपने जन्म पर पहली बार ग्लानि से भर गया, लज्जित हुआ, शर्म से पाने पानी हो गया। एक राज्य की देखा देखी दूसरे राज्य में, शहर दर शहर यह दंड प्रवृत्ति एड्स की तरह फैलती चली गई। अवैध निर्माण गिराना तक तो ठीक था लेकिन अपने विपक्षियों से, अपने विधर्मियों से, अपने खिलाफ बोलने वालों से बदला लेने जब मुझे इस्तेमाल करने लगे तो मैं रोता बिलखता परमपिता परमेश्वर के आगे अपना दुखड़ा रखता। काफी समय तक मुझे विनाशक नाम देकर लोग खुश थे। भला हो उस न्यायाधीश का जिसने इस पर रोक लगा दी, भले ही कुछ अवधि के लिए लेकिन विनाश से तो मैं बच गया। लेकिन आप ही बताएं बकरे की अम्मा कब तक खैर मनाएगी? हम विकास की बातें तो बहुत करते हैं लेकिन विकास को अमल में लाने में क्यों हमारी नानी मरती है? शायद इसलिए कि विकास से लोग नेताओं को भूल जाएंगे।

पितृ पक्ष से जुड़ी मान्यताएं

कुशा घास से बनी अंगूठी रिंग फिंगर में पहनकर करते हैं पूजा-पाठ और पितरों से जुड़े कर्म

अभी पितृ पक्ष चल रहा है और पितरों का ये महापर्व 2 अक्टूबर तक चलेगा। पितृ पक्ष में रोज पितरों के लिए धूप-ध्यान करना चाहिए। धूप-ध्यान करते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखा जाए तो श्राद्ध कर्म जल्दी सफल हो सकते हैं।

पितरों के लिए दोपहर में करीब 12 बजे ही श्राद्ध करना चाहिए, क्योंकि यही समय पितरों के लिए शुभ माना गया है। श्राद्ध करने के लिए गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं और जब कंडों से धुआं निकलना बंद हो जाए, तब अंगारों पर गुड़-घी डालना चाहिए। इस दौरान घर-परिवार के पितरों का ध्यान करते रहना चाहिए। दाएं हाथ की अनामिका या रिंग फिंग में कुशा घास से बनी अंगूठी पहननी चाहिए। हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से जल चढ़ाना चाहिए। ये पितरों के लिए धूप-ध्यान करने की सरल विधि है।

कुशा घास से जुड़ी धार्मिक मान्यता

धर्म-कर्म करते समय दाएं हाथ की अनामिका यानी रिंग फिंगर में कुशा घास की अंगूठी पहनने की और कुश के आसन पर बैठकर पूजा करने की परंपरा है। मान्यता है कि पूजा-पाठ करते समय हमारे शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है और अगर हम जमीन पर बैठकर पूजा करते है तो वह ऊर्जा पैरों से होते हुए जमीन में प्रवेश कर जाती है। पूजा करते समय कुश के आसन पर बैठेंगे तो पूजा-पाठ की वजह से हमारे शरीर में बढ़ी सकारात्मक ऊर्जा हमारे शरीर में ही रहेगी, जमीन में प्रवेश नहीं करेगी।

अब जानिए पितरों के श्राद्ध करते समय कुशा की अंगूठी क्यों पहनें?

पूजा-पाठ और पितरों के लिए श्राद्ध कर्म करते समय कुश की अंगूठी अनामिका उंगली में पहनते हैं। दरअसल, पूजा और श्राद्ध करते समय हमारा हाथ जमीन से स्पर्श नहीं होना चाहिए, क्योंकि जमीन पर हाथ स्पर्श होगा तो पूजा-पाठ की वजह से हमारे शरीर में बढ़ी सकारात्मक ऊर्जा जमीन में चली जाएगी।

कुशा घास की अंगूठी हमारे हाथ और जमीन के बीच रहती है। अगर भूल से हमारा हाथ जमीन की ओर जाता है तो कुशा घास पहले जमीन पर लग जाती है और हमारा हाथ जमीन पर लगने से बच जाता है, जिससे धर्म-कर्म से बढ़ी सकारात्मक ऊर्जा हमारे शरीर से जमीन में जाने से बच जाती है। इसलिए कुशा की अंगूठी बनाकर हाथ में पहनी जाती है।

कुशा घास से जुड़ी मान्यताएं

पौराणिक कथा के मुताबिक, जब गरुड़देव स्वर्ग से अमृत कलश लेकर आए तो उन्होंने वह कलश कुछ देर के लिए कुशा घास पर रख दिया था, कुशा घास पर अमृत कलश रखे जाने से कुशा पवित्र हो गई। इसकी पवित्रता की वजह से ही कुशा को पूजा-पाठ में खासतौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इसे पवित्री भी कहा जाता है।

पिंडदान और तर्पण प्रदान करने के लिए ये 5 जगह हैं सबसे पवित्र

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष की अवधि में तर्पण और पिंडदान प्रदान करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

पितृ पक्ष का महत्व

वैदिक पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि से पितृपक्ष का शुभारंभ हो जाता है और वर्तमान समय में पितृ पक्ष चल रहा है। बता दें कि इन सब में सर्वपितृ अमावस्या को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि मान्यता है कि इस दिन पितरों को तर्पण प्रदान करने से उनकी आत्मा को शांति प्राप्त होती है और श्री हरि के चरणों में स्थान मिलता है। लेकिन शास्त्रों में पांच ऐसे स्थान बताए गए हैं, जहां पर पिंड दान या तर्पण करना चाहिए। आइए जानते हैं

नदी के तट पर करें पिंड दान

गरुड़ पुराण में यह बताया गया है कि श्राद्ध कर्म या पिंडदान करने के लिए नदी का तट सबसे उत्तम जगह होता है। किसी पवित्र नदी या समुद्र के किनारे बैठकर पिंड दान या श्राद्ध कर्म करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है।

घर में भी कर सकते हैं पिंडदान

ज्योतिष विद्वानों के अनुसार, जो लोग किसी पवित्र स्थान पर जाने में असमर्थ है। वह घर में बैठकर भी पिंडदान कर सकते हैं। लेकिन उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उनका मुख दक्षिण दिशा में होना चाहिए क्योंकि यह दिशा यमलोक की दिशा मानी जाती है और इस दिशा में पिंड दान करने से लाभ प्राप्त होता है।

इस वृक्ष के नीचे करें पिंडदान

पितृपक्ष में पितरों को तर्पण या पिंडदान प्रदान करने के लिए बरगद के पेड़ के नीचे बैठकर भी इस कर्म को किया जा सकता है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि आपका मुख दक्षिण दिशा में होना चाहिए। ऐसा करने से पितर प्रसन्न होते हैं और उनकी आत्मा को शांति मिलती है।

जंगल में भी कर सकते हैं पिंडदान

शास्त्रों में यह बताया गया है कि घने वन में बैठकर पिंडदान तर्पण या शहद गर्म करने से भी लाभ मिलता है। ऐसा इसलिए क्योंकि जंगल को पवित्र स्थान की श्रेणी प्राप्त है और ऐसा करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है।

गौशाला में बैठकर भी कर सकते हैं श्राद्ध कर्म

शास्त्रों में यह बताया गया है कि जो लोग पवित्र नदी या जंगल में पिंड दान नहीं कर सकते हैं। वह घर के निकट बने गौशाला में बैठकर श्राद्ध कर्म या पिंड दान कर सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि व्यक्ति का मुख दक्षिण दिशा में होना चाहिए।

असुर द्वारा तैयार किया गया कैसा था पांडवों का 'मायासभा'

महल जिसमें लगे थे सोने के 1000 खंभे? 14 महीनों में हुआ था तैयार

महाभारत की बात आती है तो पांडवों के 'मायासभा' महल का जिक्र भी हर कोई करता है इस महल में करीब एक हजार सोने के स्तंभ थे। ये पूरा महल सफेद संगमरमर का बना था।

पांडवों के महल 'मायासभा' की गिनती पूरे ब्रह्माण्ड का सबसे सुंदर महल कहा जाता था। जिसे एक असुर ने बनाया था।

पांडवों का महल आधी रात को चांदनी की तरह चमकता था। इस महल की खिड़कियों में सोने की जालियां लगी थीं और गलियारों में चमकते रत्नों के दीपक लगे थे।

महल के चारों तरफ कमल, चमेली और कदम्ब के फूल खिले रहते थे। पांडवों के 'मायासभा' के महल के सामने आगे सूर्य की रोशनी भी फीकी पड़ जाती थी।

महल के चारों तरफ कमल, चमेली और कदम्ब के फूल खिले रहते थे।

नए महल में जाने से पहले पांडवों ने प्रार्थना और अनुष्ठान-हवन किए।

नगर में बड़े भोज आयोजित किए गए और पड़ोसी राज्यों से राजकुमार और राजाओं को समारोह में आमंत्रित किया गया।

कौरव मायासभा महल को देखने नहीं आते, लेकिन हस्तिनापुर में दुर्योधन और उसके भाइयों तक मायासभा के चमत्कारों की कहानियां पहुंचती हैं जिसके बाद उन्हें ईष्या होने लगती है।

सप्तमी तिथि पर कैसे करें श्राद्ध?

सबसे पहले सुबह स्नानादि के बाद साफ-सुथरे वस्त्र धारण करें और अपने तन-मन को पवित्र बनाए रखें। फिर देवी-देवताओं, ऋषियों और पितरों के नाम का उच्चारण करके श्राद्ध करने का संकल्प लें। श्राद्ध की प्रक्रिया में सर्वप्रथम चावल के पिंड बनाकर पितरों को अर्पित किए जाते हैं। इसके बाद इन पिंडों को जल में प्रवाहित किया जाता है या फिर ब्राह्मणों को दिया जाता है।

इसके बाद जल में तिल, चावल, और कुशा डालकर पूर्वजों को अर्पित किया जाता है। तर्पण करने का उद्देश्य पितरों को तृप्त करना होता है। श्राद्ध के दिन पूजा, मंत्रोच्चार और हवन किया जाता है। इस दिन ब्राह्मणों को भोजन कराना और उन्हें दान देना अनिवार्य माना जाता है। पितरों के नाम पर अन्न, वस्त्र और दान-दक्षिणा दी जाती है। कहते हैं कि श्राद्धकर्म करने वाले व्यक्ति पर हमेशा पितरों का आशीर्वाद बना रहता है।

परिवार में कौन कर सकता है श्राद्ध?

घर का वरिष्ठ पुरुष सदस्य नित्य तर्पण कर सकता है। उसके अभाव में घर का कोई अन्य पुरुष भी श्राद्ध कर सकता है। पौत्र और नाती को भी तर्पण और श्राद्ध करने का अधिकारी होता है। वर्तमान में स्त्रियां भी तर्पण और श्राद्ध कर सकती हैं। इस अवधि में दोनों वेला स्नान करके पितरों को याद करना चाहिए। कुतप वेला में पितरों को तर्पण दें। इसी वेला में तर्पण का विशेष महत्व है।

किस समय करना चाहिए श्राद्धकर्म

शास्त्रों के अनुसार, पितृपक्ष में सुबह और शाम के समय देवी-देवताओं की पूजा होती है। जबकि दोपहर का समय पितरों को समर्पित होता है। इसलिए पितरों का श्राद्ध दोपहर के समय करना ही उत्तम होता है।

हम आज जो कुछ हैं, वह हमारी सोच का ही परिणाम है। हम जो बनना चाहते हैं, वो बनने की शक्ति भी हमारे अंदर ही है। बस हमें उस शक्ति को जागृत करने की कोशिश करनी होती है।

पितृपक्ष में आप किसी भी तिथि पर दोपहर 12 बजे के बाद श्राद्धकर्म कर सकते हैं। इसके लिए कुतुप और रौहिण मुहूर्त सबसे अच्छे माने जाते हैं। इस दौरान पितरों का तर्पण करें। गरीब ब्राह्मणों को भोज कराएं। उन्हें दान-दक्षिणा दें। श्राद्ध के दिन कौवे, चींटी, गाय, कुत्ते को भोग लगाएं।

पितृपक्ष के जरूरी नियम

पितृपक्ष में श्राद्ध करने वाले व्यक्ति को केवल एक वेला सात्विक भोजन ग्रहण करना चाहिए, पितृपक्ष में सात्विक आहार खाएं, प्याज लहसुन, मांस मदिरा से परहेज करें। जहां तक संभव हो दूध का प्रयोग कम से कम करें। पितरों को हल्की सुगंध वाले सफेद पुष्प अर्पित करने चाहिए। तीखी सुगंध वाले फूल वर्जित हैं। दक्षिण दिशा की ओर मुख करके पितरों को तर्पण और पिंड दान करना चाहिए।

जितिया पर्व पर इस शुभ योग में करें पूजा

व्रत का मिलेगा दोगुना लाभ

जितिया व्रत अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है और नवमी को पारण होता है। इस साल जितिया व्रत पर्व 25 सितंबर मनाया जाएगा, जिसका पारण 26 सितंबर को होगा। अब सवाल है कि आखिर जितिया व्रत क्यों रखा जाता है? किस देवता की होती है पूजा? जितिया व्रत का शुभ समय क्या है?

जितिया पर बन रहा ये योग

इस बार जितिया व्रत 2024 के दिन वरीयान योग और आर्द्रा नक्षत्र बन रहा है। व्रत के दिन यह योग प्रातःकाल से लेकर देर रात 12:18 बजे तक रहेगा। इसके बाद परिघ योग होगा। वहीं आर्द्रा नक्षत्र प्रातःकाल से लेकर रात 10:23 बजे तक है, उसके बाद पुनर्वसु नक्षत्र है। वरीयान योग में आप कोई भी मांगलिक कार्य कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र में इसे बेहद शुभ फलदायी माना गया है। ऐसे में इस दिन पूजा करने से महिलाओं को व्रत का दोगुना लाभ मिलेगा।

2024 में जितिया कब है?

इस साल 24 सितंबर मंगलवार को दोपहर 12: 38 बजे से अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि प्रारंभ हो रही है। यह तिथि अगले दिन 25 सितंबर बुधवार को दोपहर 12:10 बजे खत्म हो जाएगी। ऐसे में उदयातिथि की मान्यता के अनुसार, इस बार जितिया व्रत 25 सितंबर दिन बुधवार को होगा। इसका पूजन का समय 4:10 बजे से 5:45 बजे तक का है। यही जीवित्पुत्रिका व्रत की सही तारीख है।

क्यों रखा जाता है जितिया व्रत

भविष्य पुराण में जितिया व्रत का विशेष महत्व है। इस व्रत के दिन माताएं अपने संतान के सुखी और सुरक्षित जीवन के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। मान्यता है कि, जीवित्पुत्रिका व्रत रखने से संतान के जीवन में कभी संकट नहीं आते हैं। साथ ही संतान का वियोग का कष्ट भी नहीं मिलता।

जितिया पर किस देवता की होती पूजा

जितिया व्रत पूरे दिन और पूरी रात निर्जला उपवास रखने का विधान है। इस दिन गंधर्व राजा जीमूतवाहन की पूजा करने की परंपरा है। पौराणिक कथा के अनुसार, राजा जीमूतवाहन ने अपने साहस और सूझबूझ से एक मां के बेटे को जीवनदान दिलाया था। तभी से उन्हें भगवान के रूप में पूजा जाने लगा।

इस दिन तुलसी पर न जलाएं दीपक, पितृ पक्ष में भी भूलकर न करें ये काम

सनातन धर्म में तुलसी का पौधा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। कहा जाता है कि तुलसी के पौधे में माता लक्ष्मी का वास होता है। नियमित रूप से तुलसी की पूजा आराधना करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। लेकिन, तुलसी से जुड़े यह लाभ आपको तभी मिल सकते हैं, जब आप इससे जुड़े नियमों का भी ध्यान रखेंगे। ऐसे में चलिए आज हम बताते हैं कि तुलसी पर दीपक जलाने से क्या फायदा होता है और दीपक जलाने का क्या नियम है।

धर्म में तुलसी का पौधा बहुत पवित्र माना जाता है। तुलसी के पौधे को लोग माता लक्ष्मी का स्वरूप मानकर भी पूजा आराधना करते हैं। तुलसी के पौधे की पूजा आराधना करने से माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। मान्यता के अनुसार तुलसी पर रविवार के दिन न तो जल अर्पित करना चाहिए और न ही दीपक जलाना चाहिए।

क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इस दिन माता तुलसी भगवान विष्णु के निमित्त व्रत भी करती हैं। इस दौरान दीपक जलाने से उनके व्रत में व्यवधान उत्पन्न होता है ।

पितृ पक्ष में तुलसी के पौधे को न करें स्पर्श

पितृ पक्ष का दौर चल रहा है और पितर पक्ष में तुलसी से जुड़े विशेष नियमों का ध्यान रखना बेहद जरूरी

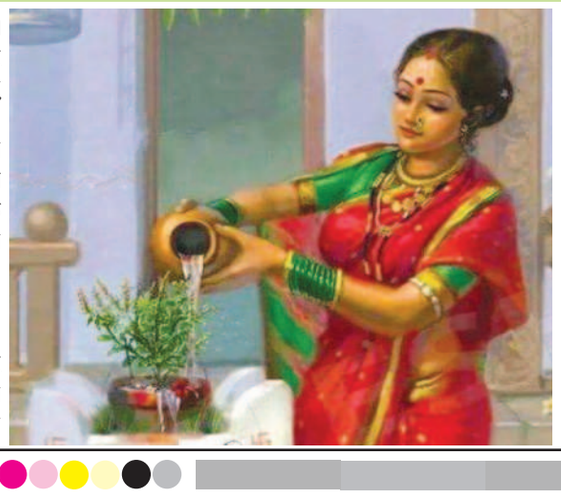

होता है। क्योंकि, इससे आपको पितरों की कृपा प्राप्त हो सकती है। पितृ पक्ष में तुलसी के पौधे को स्पर्श करना मना होता है। इसलिए पितर पक्ष में तुलसी को छूने से बचना चाहिए। क्योंकि इससे तुलसी माता के साथ पितर भी नाराज हो सकते हैं।

सूर्य और चंद्र ग्रहण के दिन न तोड़े तुलसी के पत्ते

इसके अलावा रविवार के दिन पौधे पर जल नहीं अर्पित करना चाहिए तथा सूर्य ग्रहण अथवा चंद्र ग्रहण के दौरान भी तुलसी की पूजा और तुलसी पर दीपक जलाना शुभ नहीं माना जाता है। इस दिन तुलसी के पत्ते को भी नहीं तोड़ना चाहिए अन्यथा माता लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं।

रिया ने 16 साल की उम्र में शुरू कर दी थी मॉडलिंग

मिस यूनिवर्स इंडिया का ताज रिया सिंघा ने अपने नाम किया है। गुलाबी शहर कहलाने वाले राजस्थान की राजधानी जयपुर में 22 सितंबर को आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए उन्होंने यह खिताब हासिल किया। हर साल होने वाले इस प्रतियोगिता को जीतने के बाद अब रिया अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने उनके सिर पर विजेता का ताज सजाया। 10 साल पहले वह भी यह खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। उर्वशी ने साल 2015 में मिस यूनिवर्स इंडिया का ताज अपने नाम किया था।

एएनआई से की गई बातचीत के दौरान रिया ने कहा कि वह खुद को इस खिताब का असल हकदार मानती हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता को जीतने के लिए उन्होंने बहुत मेहनत की थी। साथ ही, उन्होंने कहा कि पिछली विजेताओं ने उन्हें इस खिताब को जीतने के लिए काफी ज्यादा प्रेरित किया। अहमदाबाद की रहने वाली रिया महज 18 साल की हैं। उनके पिता का नाम बृजेश सिंघा और मां का नाम रीता सिंघा है, जो बिजनेस की दुनिया से ताल्लुक रखते हैं। वह मॉडल जीएलएस यूनिवर्सिटी गुजरात की एंबेस्डर और उसकी छात्रा भी हैं। वह अब मैक्सिको में आयोजित होने वाले मिस यूनिवर्स 2024 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

रिया इंस्टाग्राम पर काफी ज्यादा सक्रिय रहती हैं। 40 हजार लोग उन्हें फॉलो करते हैं। उन्होंने अपनी कई तस्वीरें और रील्स इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए हैं, जिन्हें लोगों ने बड़ी संख्या में पसंद भी किया है। सोशल मीडिया हैंडल पर लिखे बायो में वह खुद को अभिनेत्री बताती हैं। साल 2020 में 16 साल की उम्र में उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके अलावा दिवा मिस टीन गुजरात का खिताब अपने नाम कर उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। स्पेन में आयोजित हुए मिस टीन यूनिवर्स 2023 में उन्हें छठा स्थान प्राप्त हुआ था।

काजोल और तनीषा मुखर्जी ने मां तनुजा को दी जन्मदिन की बधाई, शेयर की खूबसूरत तस्वीर

अपने जमाने की दिग्गज अदाकारा तनुजा आज अपना 81वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने अभिनेत्री को जन्मदिन की बधाई दी है। तनुजा की बेटियों और चर्चित अभिनेत्री काजोल व तनीशा ने भी मां के जन्मदिन के मौके पर खूबसूरत पोस्ट साझा किया है। दोनों बेटियों ने मां के लिए दिल छू लेने वाला नोट लिखा है।

काजोल ने साझा कीं खूबसूरत तस्वीर

काजोल ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में वे और बहन तनीषा मां तनुजा के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीर में तीनों पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में बर्थडे का केक है। इसके साथ काजोल ने लिखा है कि क्या हुआ जो आप 81 की हो गई हैं, आपकी खूबसूरती अभी भी 18 वर्ष जैसी है। काजोल ने आगे लिखा है, 'अगर जन्मदिन फूल होते, तो हम मेज को इनसे भर देते। हमारी सदाबहार खूबसूरत मां को 81वां उर्फ 18वां जन्मदिन मुबारक! हम आपको बहुत प्यार करते हैं मां'।

सितारों ने भी दीं बधाईयां

काजोल ने मां के जन्मदिन के केक की जो फोटो शेयर की है, उस पर भी तनुजा की तस्वीर छपी है। तनुजा की केक पर नजर आ रही तस्वीर तब की है, जब वे इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्रियों में शुमार रहीं। काजोल के पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ चर्चित सितारों ने भी कमेंट कर तनुजा को जन्मदिन की बधाई दी है। शिल्पा शेट्टी , रवीना टंडन, अर्चना पूरन सिंह समेत कई हस्तियों ने शुभकामना संदेश लिखे हैं।

इस फिल्म से किया डेब्यू

तनुजा ने अपने फिल्मी करियर में कई शानदार फिल्मों में काम किया। उन्होंने करियर की शुरूआत अपनी बहन नूतन के साथ 'हमारी बेटी' से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की। फिर उन्होंने 1960 में 'छबीली' फिल्म से बतौर हीरोइन डेब्यू किया। हालांकि, उन्हें पहचान 'हमारी याद आयेगी' फिल्म के बाद मिली। इसके अलावा तनुजा ने दीवार, खाकी, भूत, मुकदमा जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

'लापता लेडीज' के ऑस्कर की रेस में शामिल होने पर खुशी से गदगद हुई किरण राव

किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म 'लापता लेडीज' को भारत की तरफ से ऑस्कर अवॉर्ड के लिए आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना गया है। मार्च में रिलीज हुई यह फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आई थी। पहले से ही उम्मीद जताई जा रही थी कि फिल्म ऑस्कर की रेस में शामिल हो सकती है। खुद किरण राव ने भी इसकी इच्छा जाहिर की थी और अब उनकी यह मुराद पूरी भी हो गई है। फिल्म फेडरनेशन ऑफ इंडिया ने जैसे ही 'लापता लेडीज' को ऑस्कर के लिए आधिकारिक रूप से चुने जाने का एलान किया, हर तरफ खुशी है। निर्देशक किरण राव ने भी प्रतिक्रिया दी है।

'हमारी पूरी टीम की मेहनत का प्रमाण है यह'

फिल्म की इस उपलब्धि पर किरण राव ने कहा है, 'मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। बेहद खुश हूं कि हमारी फिल्म 'लापता लेडीज' को अकादमी पुरस्कारों में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना गया है। फिल्म का ऑस्कर की रेस में शामिल होना, मेरी पूरी टीम की अथक मेहनत का प्रमाण है, जिनके जुनून ने इस कहानी को जीवंत किया है। सिनेमा हमेशा दिलों को जोड़ने, सीमाओं को पार करने और सार्थक बातचीत का सबसे शक्तिशाली जरिया रहा है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आएगी, जैसे कि इसने भारतीय दर्शकों का दिल जीता है'।

चयन समिति का जताया आभार

किरण राव ने चयन समिति का भी शुक्रिया अदा किया है। किरण राव ने कहा, 'इस फिल्म में विश्वास रखने वाले सभी लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहतीं हूं। इस साल की तमाम शानदार फिल्मों में से इस फिल्म का चुना जाना वाकई हमारे लिए बड़ा सम्मान है। इसके अलावा किरण राव ने आमिर खान प्रोडक्शंस और जियो स्टूडियोज को भी इस फिल्म के लिए मिले सपोर्ट के लिए शुक्रिया कहा है।

दर्शकों को भी कहा शुक्रिया

किरण राव का कहना है, 'इस फिल्म के लिए प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है। मैं पूरी कास्ट और क्रू को भी तहे दिल से शुक्रिया कहना चाहती हूं, जिनकी अपार प्रतिभा, समर्पण और कड़ी मेहनत से यह फिल्म बन पाई। इस फिल्म को बनाने की यात्रा अविश्वसनीय सहयोग और विकास की यात्रा रही है। साथ ही निर्देशक ने दर्शकों का भी आभार जताया है। उन्होंने लिखा, 'दर्शकों का प्यार और सहयोग हमारे लिए मायने रखता है। आपका हम पर यह अटूट विश्वास ही हमें बतौर फिल्म निर्माता आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है'।

'देवरा' का प्री-रिलीज इवेंट कैंसिल, फैंस ने की तोड़फोड़

जूनियर एनटीआर ने शेयर किया वीडियो मैसेज, बोले- फैंस से ज्यादा दुख मुझे है

रविवार, 22 सितंबर को हैदराबाद के नोवोटेल होटल में जूनियर एनटीआर की अपकमिंग फिल्म 'देवरा' का प्री-रिलीज इवेंट आयोजित किया जाना था। इवेंट में जूनियर एनटीआर भी शामिल होने वाले थे पर ऑर्गनाइजर्स ने ऐन मौके पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए इसे कैंसिल कर दिया। इवेंट कैंसिल होने के बाद पब्लिक बुरी तरह से भड़क गई और होटल में काफी तोड़फोड़ की। इवेंट के कई वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

हालात इतने बिगड़े कि कैंसिल करना पड़ा शो

एक रिपोर्ट के मुताबिक जूनियर एनटीआर के इवेंट में शामिल होने की खबर सुनकर होटल में भारी भीड़ जुट गई। एक्टर के फैंस होटल में हर तरफ से घुसने की कोशिश कर रहे थे। हालात इतने बिगड़ गए कि ऑर्गनाइजर्स को सुरक्षा के लिहाज से शो ही कैंसिल करने का फैसला लेना पड़ा। सूत्रों की मानें तो इस इवेंट में फिल्ममेकर त्रिविक्रम भी शामिल होने वाले थे पर उन्होंने भी भीड़ को देखते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए।

जूनियर एनटीआर ने शेयर किया वीडियो

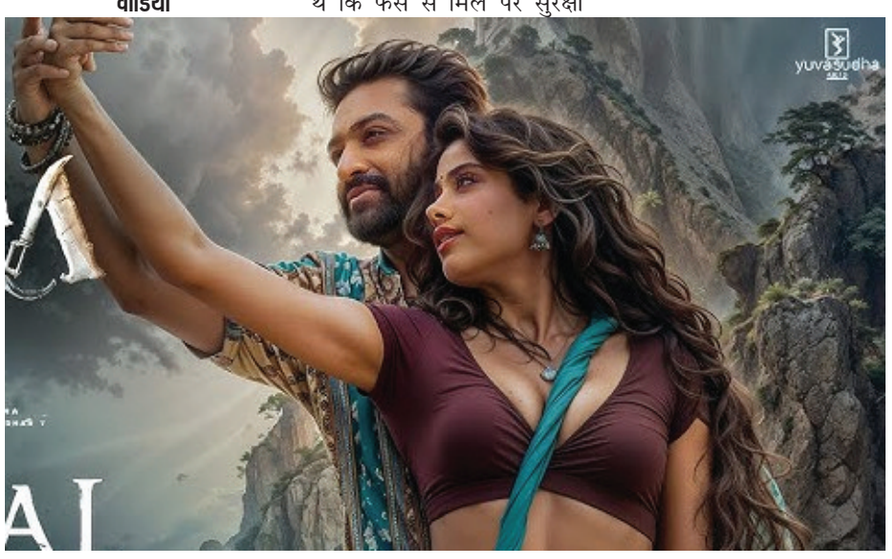

इसी बीच जूनियर एनटीआर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि जो भी हुआ उससे उन्हें अपने फैंस से ज्यादा तकलीफ हुई है। इसके साथ ही एक्टर ने ऑर्गनाइजर्स का भी बचाव किया। एक्टर ने वीडियो में कहा कि वो फैंस के साथ देवरा से जुड़े एक्सपीरियंस शेयर करने के लिए बेहद एक्साइटेड थे। वो भी चाहते थे कि फैंस से मिलें पर सुरक्षा कारणों से इस इवेंट को कैंसल करना पड़ा।

फिल्म 'देवरा' का निर्देशन शिवा कोरतला ने किया है। दो पार्ट में रिलीज होने वाली इस फिल्म का पहला पार्ट 27 सितंबर को हिंदी समेत 5 भाषाओं में रिलीज होगा। फिल्म में जूनियर एटीआर के अपोजिट जान्हवी कपूर और सैफ अली खान जैसे कलाकार नजर आएंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बने 'सैरी' के संगीत से राम गोपाल वर्मा ने मचाया धमाल!

फिल्म 'सैरी' दिग्गज डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा बना रहे है। यह फिल्म नवंबर में तेलुगु, हिंदी, तमिल और मलयालम में पैन इंडिया फिल्म के रूप में रिलीज होगी। सैरी का निर्देशन गिरि कृष्ण कमल द्वारा किया गया है और आरजीवी आरवी प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रसिद्ध निर्माता रवि वर्मा द्वारा निर्मित है। फिल्म 'सैरी' कई वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर के रूप में बनाई जा रही है जिसमें सत्या यदु और आराध्या देवी नायिकाएं हैं।

राम गोपाल वर्मा मनोरंजन करने के लिए हमेशा नवीनतम तकनीक का उपयोग करते रहते हैं। अपनी पहली फिल्म 'शिवा' में उन्होंने स्टूडियो कैम से कुछ दृश्यों की शूटिंग करके फिल्म उद्योग में एक नया उपकरण पेश किया था। इसके अलावा, उन्होंने रक्त फिल्म के साथ डिजिटल कैमरे और रील के बिना बंद फिल्म प्रयोगशालाएं पेश कीं। अब संगीत के क्षेत्र में संगीतकारों, गीतकारों और गायकों को निष्क्रिय बनाया जा रहा है।

चलिए मुद्दे पर आते हैं... इस बार राम गोपाल वर्मा ने आरजीवी आरवी प्रोडक्शन के बैनर तले आरजीवी डेन की आने वाली फिल्म 'सैरी' के साथ संगीत विभाग में एआई नवीनतम तकनीक का उपयोग किया है, यानी संगीत की दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृतिमा मेधा) है सात स्वरों के साथ करतब दिखाते हुए, गायकों के समान ही संगीत निर्देशकों को भी चुनौती देना। राम गोपाल वर्मा की नवीनतम फिल्म 'शैरी' भारतीय सिनेमा के इतिहास में पहली बार संगीत विभागों को ज़ोर से हंसाने जा रही है, जब संगीत एआई के साथ बनाया जाएगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से आज सुबह 11 बजे फिल्म 'शैरी' के गाने 'आई वांट लव' का लिरिकल वीडियो सॉन्ग रिलीज कर सिनेमा के इतिहास में एक और अध्याय लिखा गया।

इसी संदर्भ में राम गोपाल वर्मा द्वारा बताई गई बातें...

"मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं अपने पार्टनर रवि वर्मा के साथ 'आरजीवी डेन म्यूजिक' लॉन्च कर रहा हूं, जिसमें केवल एआई ऐप्स के साथ बनाया गया संगीत होगा। सैरी में, हम संपूर्ण एआई संगीत के साथ जा रहे हैं। एआई म्यूजिक द्वारा बैकग्राउंड म्यूजिक का भी उपयोग किया जाता है।

हम गर्व से कह सकते हैं कि 'सैरी' भारतीय फिल्म इतिहास के सौ वर्षों में एआई संगीत वाली पहली पूर्ण फिल्म है। एआई जल्द ही इंसानों द्वारा बनाये गये संगीत को नष्ट कर देगा। और भविष्य में संगीत से जुड़े तकनीशियन यानी संगीत निर्देशक, गीतकार और गायक सभी इतिहास में ही रह जायेंगे. बिना एक रुपया खर्च किए संगीत तैयार करके, गाने बनाकर और उन्हें एआई ऐप्स के माध्यम से कस्टमाइज़ करके, एआई हमें कुछ ही पलों में हमारी पसंदीदा धुनों और हमारी पसंदीदा आवाज़ों में गाने देता है। इसके अलावा, ये ऐप्स हमें संगीत में एक विशिष्ट पहचान दिलाते हैं।

एआई तकनीक का उपयोग करने से मैं अपनी इच्छानुसार संगीत बना सकता हूं। एआई संगीत उपलब्ध होने पर 'सबसे बड़ा गेम चेंजर' बनने जा रहा है ताकि आम लोग भी इसे समझ सकें। न केवल जिन्होंने संगीत सीखा है, बल्कि अनजाने ड्राइवर, किसान, नर्स, कॉलेज के छात्र, स्कूली बच्चे, संगीत का शौक रखने वाला कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह से धुन गा सकता है। कुछ लोग यह तर्क दे सकते हैं कि AI ऐप्स अच्छा संगीत नहीं बना सकते। लेकिन 'अच्छा' क्या है? एक व्यक्ति का पसंदीदा दूसरे का नहीं हो सकता। और हम यह कैसे तय कर सकते हैं कि अच्छा संगीत क्या है?

एआई म्यूजिक ऐप्स आने वाले दिनों में गायकों, गीतकारों, संगीत निर्देशकों और संगीतकारों की जांच करने जा रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं! क्योंकि AI म्यूजिक ऐप्स इच्छानुसार संगीत बना सकते हैं। इसी प्रकार लेखन, आवाज, धुन स्वयं ही बनाई जा सकती है। भविष्य में युवा संगीत क्षेत्र में जाना एक पागलपन भरा विचार है। क्योंकि हमें यह सच्चाई जानने की जरूरत है कि मनुष्य एआई संगीत का मुकाबला नहीं कर सकता।

मुझे पुरानी कहावत याद आती है कि जो कुछ नया होता है वह नया होता है! हमारा मन हमेशा कुछ नया करने के लिए उत्सुक रहता है। इसी तरह, जब भी कोई नई तकनीक आती है, तब तक बचे हुए पुराने तरीके गायब हो जाते हैं। हम ये सब देख रहे हैं. एक समय रेडियो और ग्राम फोन रिकॉर्ड गाने सुनने का आधार थे! अब हम अपने हाथ में मोबाइल फोन लेकर मनचाहा गाना पल भर में पा सकते हैं। हालांकि, कुछ ऐप्स इस बात का भी संकेत देते हैं कि गाना कॉपी है। उसने कहा।यहाँ याद रखने योग्य कुछ और बातें कार के आगमन के साथ घोड़ागाड़ियाँ गायब हो गईं। उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म वाले सैटेलाइट चैनलों पर फिल्में देखना बंद कर दिया, डीवीडी खत्म हो गईं। ई-मेल के आने से 'तप' बंद हो गया। कौन जानता है कि एआई के आगमन से और क्या नष्ट हो

रावण की भूमिका में आशुतोष राणा अभिनीत हमारे राम का मंचन होगा

रावण की भूमिका में आशुतोष राणा अभिनीत हमारे राम 29 सितंबर को हैदराबाद में मंचित किया जायेगा। आरएनएच के मुकेश अग्रवाल और रेशमा ने कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में 90 शो के बाद, हैदराबाद में मंच पर एक नाटकीय भव्यता देखने को मिलेगी जो ब्रॉडवे शो के बराबर होगी। मंच हाईटेक वीएफएक्स मैजिक, नृत्य, शंकर महादेवन, सोनू निगम और कैलाश खेर द्वारा गाए गए गीतों और कलाकारों द्वारा शानदार अभिनय के साथ जीवंत हो जाएगा। दूसरे शहरों में इस कार्यक्रम को दर्शकों ने बहुत अच्छी प्रतिक्रिया दी है और बुकमाईशो पर बहुत कम टिकट उपलब्ध होने के कारण यह लगभग हाउसफुल है। रेशमा ने कहा कि जबरदस्त प्रतिक्रिया को देखते हुए जल्द ही इस नाटक का एक और शो हैदराबाद में मंचित करने की योजना बनाई जा रही है।

दीपिका पादुकोण ने शुरू से किया ओरी का समर्थन? इन्फ्लुएंसर ने किया खुलासा

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरहान अवत्रामणि, जिन्हें ओरी के नाम से भी जाना जाता है, पिछले कुछ समय से चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि फिल्म अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने उन्हें शुरू से कैसे सपोर्ट किया और बताया कि एक बार दीपिका ने उनसे एक खास बात कही थी।

मुझमें कुछ खास है-ओरी

ओरी, सोशल मीडिया का एक जाना-पहचाना चेहरा हैं, जिनकी अक्सर बॉलीवुड के लोकप्रिय हस्तियों के साथ तस्वीरें देखी जाती है। इस बार ओरी ने खुलासा करते हुए कहा, "जब सभी ने कहा कि तुम परेशान करने वाले हो, तो दीपिका ने कहा था 'नहीं, मुझमें कुछ खास है।

दीपिका ने किया सपोर्ट

ओरी ने दीपिका पादुकोण के लिए अपनी प्रशंसा के बारे में बात की और कहा, "दीपिका ने एक बार उनसे कहा था उस समय जब हर कोई कहता था कि तुम परेशान करने वाले हो, तब दीपिका ने कहा था, 'नहीं, तुम में कुछ खास है।' मुझे नहीं पता था कि लोग कहते हैं कि मैं परेशान करने वाला हूं।" सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने आगे कहा, लेकिन धन्यवाद, दीपिका पादुकोण क्योंकि उन्होंने शुरू से ही मेरा साथ दिया।

अक्सर बनी रहती है चिंता-तनाव की समस्या, हो गए हैं चिड़चिड़े तो...

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य असल में एक दूसरे के पूरक होते हैं। इनमें से एक में भी होने वाली समस्या का असर नुकसानदायक हो सकता है। कई हालिया रिपोर्ट्स में ये चिंता जताई जाती रही है कि समय के साथ लोगों में मेंटल हेल्थ से संबंधित विकारों का खतरा बढ़ गया है। विशेषतौर पर कोरोना महामारी के बाद से चिंता-तनाव जैसी समस्याएं लगभग हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर रही हैं।

क्या आप भी इस तरह की दिक्कतों से परेशान हैं? अगर हां तो अभी से इसके लिए उपाय शुरू कर दीजिए।

क्या करें

अच्छी नींद और नियमित व्यायाम बहुत जरूरी

मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं के जोखिम को कम करने के लिए अच्छी नींद और नियमित व्यायाम दो प्रभावी तरीके हो सकते हैं। शारीरिक व्यायाम जैसे योग, दौड़ना, तैरना आदि से दिमाग में एंडोर्फिन नामक हार्मोन रिलीज होता है, जो तनाव को कम करता है और हमें खुशी का एहसास कराता है। इसके अलावा रोजाना कम से कम 6-8 घंटे की नींद जरूरी है।अच्छी नींद के साथ नियमित योग-व्यायाम और मेडिटेशन के अभ्यास से भी समस्या में लाभ पाया जा सकता है।

जीवनशैली में करें सुधार

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, लाइफस्टाइल में बदलाव करके तनाव-चिंता और अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव में मदद मिल सकती है। तनाव-चिंता जैसी स्थितियों में दोस्तों से बात करें, अपनी परेशानियों को साझा करें, इससे मानसिक शांति मिलती है। योग का अभ्यास करें, संगीत सुनें, मेडिटेशन करें। संतुलित भोजन से भी लक्षणों को कम करने में मदद मिल सकती है।

क्या न करें?

न लें नशा का सहारा

चिंता-तनाव होने पर अक्सर लोग नशा का सहारा लेने लगते हैं, जो आपके लिए और भी दिक्कतें बढ़ा देती है। शराब, कुछ समय के लिए अवरोधक का काम करके आपके नशे में रखता है पर इससे बीमारी के सही निदान में देरी हो सकती है जिसके कारण रोग के गंभीर रूप लेने का खतरा रहता है। किसी भी प्रकार की मानसिक स्वास्थ्य समस्या महसूस होने पर शराब या किसी भी नशीली चीजों का सेवन न करें।

सोशल मीडिया से बनाएं दूरी

सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग भी मानसिक थकावट और चिंता का कारण बन सकता है, इसलिए तकनीक का सीमित और नियंत्रित उपयोग करें। स्क्रीन पर अधिक समय बिताने से बचें। बढ़े हुए स्क्रीन टाइम से नींद प्रभावित होती है और इससे मेंटल हेल्थ पर नकारात्मक असर हो सकता है।

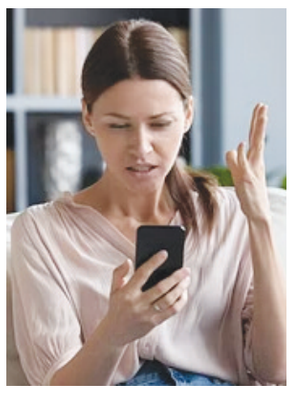

ऑफिस में बैठे-बैठे भी हो सकते हैं फेफड़ों की बीमारियों के शिकार

फेफड़ों की बढ़ती बीमारियां चिंताजनक हैं क्योंकि इसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। लंग्स कैंसर वैश्विक स्तर पर बड़ी चुनौती बनकर उभरा है जो हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोगों की जान ले रहा है। अध्ययनकर्ता बताते हैं, इन समस्याओं को काफी हद तक रोका जा सकता है अगर सभी लोग अपने जोखिमों पर ध्यान देते हुए इससे बचाव के लिए निरंतर प्रयास करते रहें।

शोध बताते हैं कि धूम्रपान फेफड़ों की ज्यादातर बीमारियों के लिए प्रमुख कारण है। फेफड़ों के कैंसर से होने वाली 80% मौतें धूम्रपान से ही संबंधित पाई जाती हैं। इसी तरह से वायु प्रदूषण, विशेषतौर पर इनडोर प्रदूषण भी इस महत्वपूर्ण अंग के लिए खतरनाक हो सकता है।

वेंटिलेशन की कमी खतरनाक

ज्यादातर ऑफिस कांच के शीशों और एयर कंडीशन से पैक होते हैं, लिहाजा इमारतों में उचित वेंटिलेशन की व्यवस्था का अभाव हो सकता है। इसकी वजह से बंद कमरों में ताजी हवा नहीं आ पाती और न ही अंदर की हवा बाहर जा पाती है। इस तरह की स्थितियों में

न सिर्फ श्वसन संक्रमण फैलने का खतरा अधिक होता है, साथ ही इससे दीर्घकालिक तौर पर फेफड़ों को भी क्षति पहुंच सकती है। चूंकि अधिकतर लोग अपने दिन का ज्यादातर समय ऑफिस में ही बिताते हैं, ऐसे में इनमें फेफड़ों की समस्याओं का जोखिम और अधिक हो सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

श्वसन रोग विशेषज्ञ बताते हैं, खराब या लो-वेंटिलेशन वाली जगहों पर हवा में 100 गुना अधिक सूक्ष्म कण हो सकते हैं। इनडोर वायु प्रदूषकों के संपर्क में रहने के कारण फेफड़ों में संक्रमण जैसे निमोनिया होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा ये शरीर पर तत्काल प्रभाव भी पैदा कर सकते हैं जैसे कि आंखों, नाक और गले में जलन, सिरदर्द, चक्कर आना आदि। अस्थमा या अन्य श्वसन समस्याओं से परेशान रोगियों में इनडोर प्रदूषण लक्षणों को और भी खराब कर सकती है।

किन्हें इसका खतरा अधिक?

डॉक्टर बताते हैं, लंग्स कैंसर वाले कई मरीज जो सिगरेट नहीं पीते थे, उनकी हिस्ट्री जानने के दौरान पता चला कि या तो उनमें सेकेंड हैंड स्मोकिंग या फिर इनडोर प्रदूषण के कारण ये समस्या विकसित हुई। वैसे तो इनडोर प्रदूषण के कारण होने वाली समस्याओं का जोखिम किसी को भी हो सकता है। पर जो लोग अधिकतर समय बंद कमरों या ऑफिस में बिताते हैं या फिर पहले से ही फेफड़ों की बीमारी के शिकार हैं उनमें जटिलताएं अधिक देखी जाती हैं। बच्चों का भी ज्यादातर समय स्कूल में बीतता है, इसकी वजह से इनडोर वायु प्रदूषण के नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों का जोखिम इनमें भी अधिक हो सकता है।

डब्ल्यूएचओ की सलाह

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एक रिपोर्ट में बताया कि वयस्कों में फेफड़ों के कैंसर से होने वाली लगभग 11% मौतें इनडोर वायु प्रदूषण से उत्पन्न कैंसरकारी तत्वों के कारण होती हैं। इस प्रकार के प्रदूषकों से बचे रहने और अपने स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने के लिए घरों में वेंटिलेशन की अच्छी व्यवस्था रखना जरूरी है। कमरों में खिड़कियां लगवाएं जिससे बाहर से साफ हवा आ सके और अंदर की हवा बाहर निकल सके।

घरों की साफ सफाई के लिए हानिकारक रसायन वाले उत्पाद का इस्तेमाल न करें, इससे भी इनडोर प्रदूषण हो सकता है।

ओजोन युक्त उत्पादों से बचें। इसके अलावा एयर फ्रेशनर और तेज सुगंध वाले उत्पादों का उपयोग भी सीमित करें।

सभी लोगों को सांस के अभ्यास करना और बाहर खुली हवा में वक्त बिताना बहुत जरूरी है।

बढ़ते हृदय रोगों के लिए डॉक्टर ने इस स्थिति को बताया बड़ा कारण

हृदय रोग वैश्विक स्तर पर गंभीर स्वास्थ्य समस्या के रूप में जाने जाते हैं जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। विशेषज्ञों ने बताया कि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण ये दिक्कत काफी बढ़ गई है, जिसके चलते कम उम्र के लोगों को भी इसका शिकार पाया जा रहा है।

डॉक्टर कहते हैं गड़बड़ दिनचर्या और खान-पान की दिक्कतों ने हृदय रोग के जोखिमों को बहुत बढ़ा दिया है, जिसको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

हृदय रोग और इससे संबंधी बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसके रोकथाम को लेकर लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है।

हृदय रोगों के लिए तनाव एक बड़ा कारण

डॉ. दीपक पुरी ने कहा, हृदय रोगों के लिए धूम्रपान या शराब के सेवन, व्यायाम की कमी जैसे कारकों को जिम्मेदार माना जाता रहा है, हालांकि

तनाव के कारण इसके खतरे पर अक्सर लोगों का ध्यान नहीं जाता है। अनियमित जीवनशैली और बढ़ते तनाव के कारण विदेशों की तुलना में भारत में हृदय रोगों का खतरा काफी अधिक देखा जा रहा है।

स्ट्रेस और हार्ट की समस्या

स्ट्रेस किस प्रकार से हृदय रोगों का कारण बनती है, इसे समझाने के लिए येल मेडिसिन के विशेषज्ञों ने बताया कि जब हम अक्सर या बहुत अधिक तनाव में रहते हैं तो इसकी प्रतिक्रिया में शरीर कोर्टिसोल नामक हार्मोन रिलीज करता है। अगर आप क्रोनिक स्ट्रेस से परेशान हैं या अक्सर चिंतित रहते हैं तो कोर्टिसोल का स्तर बढ़ा हुआ रह सकता है। इसके दुष्प्रभावों के कारण रक्तचाप के साथ-साथ रक्त शर्करा, कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स की मात्रा भी बढ़ने लग जाती है। इन सभी को हृदय रोगों के लिए जिम्मेदार पाया गया है।

मामूली तनाव भी हो सकता है खतरनाक

न्यूयॉर्क स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ रोचेस्टर मेडिकल सेंटर के विशेषज्ञ कहते हैं, मामूली तनाव भी हृदय की समस्याओं को जन्म दे सकता है। तनाव की स्थिति में हृदय की मांसपेशियों में रक्त का प्रवाह बाधित होने का खतरा बढ़ जाता है। इसमें हृदय को पर्याप्त रक्त और ऑक्सीजन नहीं मिल पाता। इसके अलावा लंबे समय तक तनाव बने रहना रक्त के थक्के बनने के तरीके को भी प्रभावित कर सकता है। इससे रक्त चिपचिपा हो जाता है और हार्ट अटैक-स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

व्यायाम इसका सबसे कारगर तरीका

विशेषज्ञों ने कहा, तनाव और हृदय रोग दोनों के खतरे को कम करने के लिए व्यायाम की आदत बनाना सबसे फायदेमंद माना जाता है। हृदय स्वास्थ्य के लिए, प्रति सप्ताह कम से कम 150 मिनट मध्यम-तीव्रता वाले व्यायाम का लक्ष्य रखें।

व्यायाम वजन को नियंत्रित करने, कोलेस्ट्रॉल में सुधार करने और रक्तचाप को कम करने में ये मदद करता है जिससे हृदय स्वास्थ्य को ठीक रखा जा सकता है। इसके साथ व्यायाम से स्ट्रेस भी कंट्रोल रहता है जिसके कारण हार्ट की समस्या को बढ़ते हुए देखा जा रहा है।

पैक्ड फूड-बोतलों से शरीर में पहुंच रहे हैं 3600 से अधिक रसायन

दुनियाभर में बढ़ती क्रोनिक बीमारियां गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। पिछले दो-तीन दशक के आंकड़े उठाकर देखें तो पता चलता है कि 90 के दशक में जिन स्वास्थ्य समस्याओं को उम्र बढ़ने के साथ होने वाली दिक्कतों को रूप में जाना जाता था, वह आज के समय में युवाओं और बच्चों में भी देखी जा रही हैं।इस संबंध में किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि कई तरह के पर्यावरणीय और आहार में गड़बड़ी वाले कारक जिम्मेदार हो सकते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया कि हम सभी खान-पान के माध्यम से रोजाना जाने-अनजाने कई प्रकार के रसायनों को निगल रहे हैं, जिनसे सेहत को गंभीर खतरा हो सकता है।

एक हालिया रिपोर्ट में शोधकर्ताओं की टीम ने चेताया है कि खान-पान की चीजों के माध्यम से हमारे शरीर में दैनिक रूप से कई प्रकार के हानिकारक तत्व प्रवेश कर रहे हैं। मुख्यरूप से पैक्ड फूड वाली प्लास्टिक की थैलियों, बोतलों, कंटेनर और प्लास्टिक बैग के माध्यम से रसायन और माइक्रोप्लास्टिक हमारे शरीर में पहुंच रहे हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि इनमें से कई कैंसर, स्थाई आनुवंशिक परिवर्तन, प्रजनन प्रणाली में गड़बड़ी और शरीर में विषाक्तता बढ़ाने वाले हो सकते हैं।

14,000 से अधिक रसायनों की पहचान

जर्नल ऑफ एक्सपोजर साइंस एंड एनवायरमेंटल एपिडेमियोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने भोजन के संपर्क में आने वाले 14,000 से अधिक अलग-अलग रसायनों-यौगिकों की पहचान की है। नए अध्ययन से पता चला है कि उनमें से करीब 3,601 मानव शरीर में पाए गए हैं। इसे फूड कॉन्टैक्ट कैमिकल (एफसीसी) का करीब 25 फीसदी माना जा सकता है।

कई पर लगाया जा चुका है प्रतिबंध

वैज्ञानिकों ने बताया कि इन हानिकारक रसायनों और तत्वों में बिस्फेनॉल ए को प्रमुख रूप से हाइलाइट किया गया है। अध्ययनों में इसके कई दुष्प्रभावों के बारे में पता चलता है। इससे होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण कई जगहों पर इसे प्रतिबंधित किया जा चुका है। मुख्यरूप से कंटेनरों और शिशु की बोतलों में इस कैमिकल की पहचान की गई थी। इतना ही नहीं उत्पाद बनाने वाली कंपनियों को निर्देश भी दिया गया है कि वह स्पष्ट करें कि ये बीपीए फ्री हैं या नहीं?

अधिकतर रसायनों के बारे में अब भी जानकारियों की कमी

शोधकर्ताओं ने प्लास्टिक की थैलियों, बोतलों, कंटेनर के माध्यम से शरीर में कई प्रकार के मेटेल, कीटनाशक और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक भी पाए जो सांस के साथ शरीर में जा सकते हैं। इसके अलावा फथलेट्स रसायन को लेकर भी चिंता जताई गई है जिनका उपयोग प्लास्टिक, परफ्यूम-डियोड्रेंट और व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है।

टीम ने इंसानों के शरीर में पाए जाने वाले एफसीसी के बारे में जानने की कोशिश की तो पता चला कि कई रसायनों और यौगिकों के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारियों का अभाव है।

क्या कहते हैं शोधकर्ता?

शोधकर्ताओं ने बताया, मनुष्यों में एफसीसी का पता लगाने के लिए रक्त, मूत्र, त्वचा और स्तन के दूध के सैंपलों की जांच की गई है।

खाद्य पैकेजिंग फोरम में वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्ययन के प्रमुख लेखक बिरगिट ग्यूके कहते हैं, ये शोध खाद्य पदार्थों के संपर्क में आने वाले रसायनों और इसके मानव स्वास्थ्य पर जोखिम के बीच संबंध स्थापित करने में मदद करता है। इनमें से कई के खतरनाक प्रभाव हो सकते हैं और अभी भी कई रसायन-यौगिक हैं जिनका परीक्षण होना बाकी है। ये दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देने वाली समस्या हो सकती है। इन्हें प्रतिबंधित करना जरूरी है।

वैज्ञानिकों ने खोज लिया एक नया ब्लड ग्रुप, 50 साल के 'रहस्य' से आखिर उठ ही गया पर्दा

रक्तदान या किसी बीमारी में खून की आवश्यकता होने पर आपने ब्लड ग्रुप मैच कराने को लेकर चर्चा जरूर सुनी होगी। हम सभी के शरीर में अलग-अलग ब्लड ग्रुप वाला खून होता है। इतना ही नहीं सगे भाई-बहनों का ब्लड ग्रुप भी अलग हो सकता है। आपका ब्लड ग्रुप कौन सा होगा ये आपके माता-पिता से विरासत में मिले जीन पर निर्भर करता है। ये मुख्यरूप से चार प्रकार (ब्लड ग्रुप ए, बी, एबी और ओ) के होते हैं। हालांकि अब संभवतः इसमें एक और ब्लड ग्रुप बढ़ने जा रहा है।

वैज्ञानिकों की टीम ने एक और प्रकार के ब्लड ग्रुप की खोज की है, जिसे नाम दिया गया है एमएएल। इंग्लैंड की ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी और एनएचएस ब्लड एंड ट्रांसप्लांट (NHSBT) के शोधकर्ताओं ने ये खोज की है। इस खोज ने ब्लड ग्रुप्स को लेकर करीब 50 साल से बने एक रहस्य से पर्दा उठा दिया है।

इंसानों में एक नए ब्लड ग्रुप की खोज इन दिनों दुनियाभर में चर्चा का विषय बनी हुई है। पर आखिर इसकी जरूरी क्यों पड़ी और 50 साल से ऐसी कौन सी चीज थी जिसे वैज्ञानिक समझने की कोशिश कर रहे थे, आइए इसे जानते हैं।

1972 से बना हुआ था रहस्य

साल था 1901 जब पहली बार कार्ल लैंडस्टीनर नामक ऑस्ट्रियाई वैज्ञानिक ने ब्लड ग्रुप्स की खोज की थी। इससे पहले, डॉक्टर्स को भी लगता था कि सभी रक्त एक समान होते हैं। हालांकि इस दौरान अगर किसी की ब्लड डोनेट किया जाता था तो ज्यादातर रिसीवर्स की मौत हो जाती। कार्ल लैंडस्टीनर ने फिर पता लगाया कि खून भले ही

दिखने में एक जैसे होते हैं पर इनमें बहुत अंतर है।

ये मामले साल 1972 का है, जब एक गर्भवती के रक्त का सैंपल लिया गया तो डॉक्टरों ने पाया कि उसमें रहस्यमय तरीके से एक सतही अणु (सरफेस मॉलीक्यूल) AnWj एंटीजन गायब था। ये उस समय सभी ज्ञात लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाता था।

वैज्ञानिकों को लगा कि इस सैंपल में कुछ तो अलग है, शायद एक नए ब्लड जैसा।

दुर्लभ मामलों में निगेटिव हो सकता है AnWj एंटीजन

यूके नेशनल हेल्थ सर्विस में हेप्टोलॉजिस्ट और वैज्ञानिक लुईस टिली के निर्देशन में टीम ने एक आनुवंशिक परीक्षण विकसित किया गया है, जिससे उन रोगियों की पहचान की जा सकती है जिनमें AnWj एंटीजन नहीं था। एंटीजन और एंटीबॉडी का संयोजन ही आपके रक्त को किसी और के रक्त से अलग बनाती है।

शोधकर्ता कहते हैं, हम सभी ABO रक्त समूह प्रणाली से परिचित हैं, हालांकि मनुष्यों में वास्तव में कई अलग-अलग रक्त समूह प्रणालियां हो सकती हैं जो सेल सरफेस प्रोटीन और रक्त कोशिकाओं को कोट करने वाली शुगर पर निर्भर करती हैं।

बहुत कम लोगों में देखे गए ऐसे सैंपल

डॉ टिली बताते हैं, इस नए ब्लड ग्रुप की खोज का काम कठिन था क्योंकि इस प्रकार के आनुवंशिक मामले बहुत दुर्लभ हैं। शोध में पाया गया कि करीब 99.9 प्रतिशत से अधिक लोगों में AnWj एंटीजन मौजूद होते हैं जो 1972 के मरीज के रक्त में नहीं था।

यह एंटीजन रक्त कोशिकाओं पर मौजूद माइलिन और लिम्फोसाइट प्रोटीन पर रहता है, जिसके कारण शोधकर्ताओं ने इस नए ब्लड ग्रुप को एमएएल नाम दिया है। कुछ प्रकार के म्यूटेशन के कारण ब्लड ग्रुप में AnWj नकारात्मक हो जाता है, जैसे कि गर्भवती मरीज का था। अध्ययन में इसी तरह के तीन और लोगों की पहचान की गई है।

क्या कहते हैं शोधकर्ता?

यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्ट ऑफ इंग्लैंड में सेल बायोलॉजिस्ट टिम सैचवेल बताते हैं, एमएएल एक बहुत छोटा प्रोटीन है जिसमें कुछ दिलचस्प गुण हैं, जिसकी वजह से इसे पहचानना मुश्किल हो सकता है। एमएएल प्रोटीन कोशिका झिल्ली को स्थिर रखने जैसे कार्यों में बहुत महत्वपूर्ण होता है।

ये खोज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया के कई हिस्सों में संभवतः ऐसे लोग हो सकते हैं जिनके रक्त में AnWj एंटीजन न हो। ऐसे रोगियों को जरूरत पड़ने पर इससे मैच करते ब्लड ग्रुप वाला खून ही दिया जाना चाहिए, वरना इसके गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं। एमएएल को लेकर अभी भी अध्ययन जारी है, इसे और विस्तार से समझा जा रहा है। फिलहाल ये बड़ी कामयाबी है, जिसने 50 साल के राज से पर्दा उठाया है।

सियाटीका का आयुर्वेदिक उपचार बताएं

प्रश्न : मैं 40 वर्षीय अध्यापक हूं। दो पीरियड्स लेने के बाद मेरी आवाज बैठने लगती है। अंग्रेजी डॉक्टर से दवा ले - ले कर थक गया हूं। कोई आयुर्वेद में कारगर उपाय बताएं।

- ए प्रसाद राव, सिकंदराबाद

उत्तर : हमारा स्वर यंत्र एक फूटने वाले यंत्र की तरह कार्य करता है। इसलिए स्वस्थ ध्वनि की उपज के लिए जरूरी है कि हम बोलने से पहले फेफड़ों में काफी मात्रा में हवा भरें। जिन लोगों को लंबे समय तक लगातार बोलने की जरूरत पड़ती है, उनमें कुछ समय के बाद स्वर यंत्र में छोटे-छोटे उभार पनपने की संभावना रहती है। इन्हीं नन्हे उभारों के कारण आवाज बैठने लगती है। इससे बचने के लिए सांसों का व्यायाम ₹प्राणायाम₹ नित्य करें। गहरी सांस खींचे, उसे रोके और फिर छोड़ें। ऐसा हर रोज 30 मिनट किया करें । ऊंझा खदिरादि वटी चूसे। कंठ सुधार वटी को चूसने से भी लाभ मिलता है । यष्टिमधु घनवटी भी चूसी जा सकती है। स्वर यंत्र के उभार में कांचनार गुग्गुलु वह ऊंझा महामंजिष्ठादिघन टिकियां भोजन के बाद 40 दिन तक लेवें। भोजन करने के बाद गुनगुने पानी में हल्दी डालकर कुल्ला किया करें। इससे स्वर बैठना या गला खराब होना ठीक हो जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। पिछले 2 महीनों से सियाटीका से परेशान हूं। अंग्रेजी दवाओं से जरा भी लाभ नहीं मिल पा रहा है, कृपा कर आयुर्वेदिक दवा बताएं।

- वेंकटेश्वर रेड्डी, कर्नूल

उत्तर : सियाटीका को आयुर्वेद में गृध्रसीवात कहते हैं। यह गृध्रसी नाड़ी के शोथ से उत्पन्न बड़ी कष्टदाई स्थिति है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। कुछ सरल घरेलू उपाय बता रहा हूं जिसका प्रयोग कर आप आसानी से इससे मुक्ति पा सकते हैं।

* वज्रासन में बैठना आराम देता है ।

*सुबह -शाम ऊंझा महानारायण तेल या ऊंझा महाविषगर्भ तेल की मालिश करने से आराम मिलता है।

* 5 ग्राम लहसुन और 5 ग्राम प्याज का रस पानी के साथ सेवन करने से सियाटीका का दर्द शांत होता है।

* शुद्ध गुग्गुलुऔर रास्ना चूर्ण में शुद्ध घी मिलाकर सेवन करने से सियाटीका रोग ठीक होता है। *एक पोती वाले लहसुन को एक गिलास दूध में उबालकर रबड़ी की तरह बना कर 21 दिन सेवन करने से इस रोग से मुक्ति मिलती है।

* अश्वगंधा चूर्ण को 10 ग्राम की मात्रा में लेकर एक गिलास दूध में डालकर सेवन करने से लाभ होता है।

* 3 ग्राम पिपली का चूर्ण के साथ 15 ग्राम एरंड के तेल के साथ सेवन करने से लाभ मिलता है।

शास्त्रीय औषधियों में ऊंझा बृहत योगराज गुग्गुलु एवं ऊंझा समीरपन्नग रस का सेवन करने से लाभ मिलता है। ऊंझा त्रयोदशांग गुग्गुलु , ऊंझा वात विध्वंसन रस एवं औरा अश्वगंधा घनवटी का सुबह-शाम सेवन करने से इस रोग में आराम मिलता है। भोजन के बाद ऊंझा महारास्नादि काढ़ा 20-20 मिलीलीटर आधे का गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करने से इस कष्ट दाई रोग से मुक्ति मिलती है।

प्रश्न : मेरी उम्र 65 वर्ष है। कमर दर्द की समस्या से परेशान हूं। कृपया इसके उपचार के सरल उपाय बताएं।

- लक्ष्मी निवास वर्मा, वारंगल

उत्तर : कमर दर्द का मुख्य कारण वात का कुपित होना एवं शरीर का दुर्बल होना है। कमर दर्द के कारण सीधा खड़ा रहना भी मुश्किल हो जाता है। सर्दियों में यह दर्द अधिक बढ़ जाता है। कुछ महत्वपूर्ण घरेलू उपचारः

*अदरक और घी : अदरक का रस चार चम्मच तथा शुद्ध गाय का घी दो चम्मच मिलाकर एक खुराक प्रतिदिन लेते रहने पर कुछ ही दिनों में कमर का दर्द ठीक हो जाता है।

*आलू की पुल्टिस : कमर दर्द का बचाव करने के लिए कच्चे आलू की पुल्टिस तैयार करें। इसे कमर पर लगाकर साफ पट्टी बांध दें। कुछ देर उल्टे लेटे रहे। काफी आराम मिलेगा।

* अश्वगंधा की जड़ का चूर्णः कमर दर्द के स्थाई आराम के लिए 5 ग्राम अश्वगंधा का पाउडर तथा एक चम्मच पीसी खांड या शक्कर लेवें। ऐसी दो खुराक सुबह और शाम रोगी को दें ,अवश्य आराम होगा।

* अरंडी के तेल से कमर पर मालिश करने से कमर दर्द में आराम मिलता है।

शास्त्रीय योगों में ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, वात गजांकुश रस, औरा अश्वगंधा घनवटी-इन तीनों की एक एक गोली सुबह, दोपहर, शाम भोजन के बाद देने से कमर का दर्द स्थाई रूप से कम होता है । औरा रुमाटाईज टिकिया एवं ऊंझा रूमूव कैप्सूल सुबह - शाम भोजन के बाद महारास्नादि काढ़ा के संग लेने से काफी आराम मिलता है। कमर दर्द पर उंझा महानारायण तेल या औरा रुमाटाइज ऑयल की मालिश करने से दर्द जल्दी ही ठीक होता है।

चिकित्सा काल में वातकारक आहार-विहार से बचें । बासी भोजन, खटाई, गुड व तेल में तले पदार्थ से परहेज करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

वित्त मंत्रालय ने शुरू की बजट 2025 की तैयारी

7 अक्टूबर तक मंत्रालयों-विभागों से आवंटन को लेकर मांगे सुझाव

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल वाली एनडीए सरकार, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करने की कवायद अक्टूबर 2024 के दूसरे हफ्ते से शुरू करने जा रही है। वित्त मंत्रालय के सेक्रेटरी एक्सपेंडिचर की अध्यक्षता में प्री-बजट मीटिंग के दौर की शुरुआत हो जाएगी। डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स ने एक सर्कुलर के जरिए ये जानकारी दी है।

अक्टूबर के दूसरे हफ्ते से प्री-बजट मीटिंग्स

डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स के बजट डिविजन के सर्कुलर में लिखा है कि, अक्टूबर 2024 के दूसरे हफ्ते से वित्त मंत्रालय के एक्सपेंडिचर सचिव प्री-बजट मीटिंग्स की अध्यक्षता करेंगे। सर्कुलर में सभी विभागों और डिपार्टमेंट्स के फाइनेंशियल एडवाइजर्स से कहा गया है कि 7 अक्टूबर 2024 से पहले वे बजट से जुड़े डेटा को यूनियन बजट इंफॉर्मेशन सिस्टम में सबमिट कर दें।

निर्मला सीतारमण पेश करेंगी 8वां बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी 2025 को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लगातार आठवीं बार बजट करेंगी। लगातार आठ बार बजट पेश करने वाली निर्मला सीतारमण पहली वित्त मंत्री होंगी। सर्कुलर के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 15वें फाइनेंस कमीशन साइकिल का आखिरी वर्ष है। ऐसे में मंत्रालयों और विभागों से कहा गया है कि 2025-26 के लिए जो अभी आवंटन की वो मांग करें वो मौजूदा स्कीम्स की अवधि और उपलब्ध मंजूरी के दायरे में हो। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के अधीन आने वाले बजट डिविजन ने 2025-26 के बजट को लेकर सभी मंत्रालयों और विभागों से बजट को लेकर उनके इनपुट की मांग की है। वित्त मंत्रालय ने इन मंत्रालयों और विभागों से 7 अक्टूबर 2024 तक अपने इनपुट जमा कराने को कहा है। केंद्र शासित प्रदेशों को भी बजट को लेकर अपने सुझाव देने को कहा गया है।

नया इनकम टैक्स कोड का एलान संभव

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जो बजट पेश होगा उसमें नए इनकम टैक्स कोड का एलान संभव है। वित्त मंत्री ने 23 जुलाई 2024 को बजट पेश करने हुए पुराने इनकम टैक्स कानून की समीक्षा करने का एलान किया है।

ऐसे में टैक्सपेयर्स की नजर इस बात पर होगी कि नए इनकम टैक्स रिजिम को मिले समर्थन के बाद पुराने इनकम टैक्स कानून को लेकर वित्त मंत्री बजट में क्या फैसला लेती हैं?

इस बात के पूरे आसार हैं कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कैपिटल एक्सपेंडिचर के लिए बड़ा आवंटन का एलान संभव है जिससे देश के आधारभूत ढांचे को और मजबूती दी जा सके और रोजगार के अवसर बढ़ाया जा सके।

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार ने हाल ही में निर्यात शुल्क हटाए जाने के बाद खुदरा बाजार में प्याज की बढ़ती कीमतों को देखते हुए थोक बाजारों में 'बफर स्टॉक'से बिक्री बढ़ा दी है। यह फैसला कीमतों पर अंकुश लगाने के मकसद से किया गया है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने सोमवार को कहा कि केंद्र ने दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों के थोक बाजारों में अपने 'बफर स्टॉक'(भंडार) से प्याज निकालना शुरू कर दिया है। सरकार की योजना पूरे देश में सब्सिडी के साथ प्याज की खुदरा बिक्री करने की है। खरे ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, ''निर्यात शुल्क हटाने के बाद हमें कीमतों में उछाल का अनुमान था। हमारे 4.7 लाख टन के 'बफर स्टॉक' और खरीफ की बुवाई के बढ़े हुए रकबे के साथ हमें उम्मीद है कि प्याज की कीमतें नियंत्रण में रहेंगी।'' सरकार समूचे भारत में 35 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर प्याज की खुदरा बिक्री बढ़ाने की योजना बना रही है। इनमें उन शहरों पर ध्यान अधिक दिया जा रहा है जहां कीमतें राष्ट्रीय औसत से अधिक हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 22 सितंबर को दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमत 55 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो एक साल पहले की समान अवधि में 38 रुपये प्रति किलोग्राम थी। मुंबई तथा चेन्नई में कीमतें क्रमशः 58 रुपये और 60 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं।

सरकार दिल्ली और अन्य राज्यों की राजधानियों में मोबाइल वैन और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) तथा भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड) की दुकानों के जरिये पांच सितंबर से 35 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्याज बेच रही है। खरे को आगामी खरीफ प्याज की फसल से काफी उम्मीदें हैं। इसके लिए उन्होंने पिछले साल की तुलना में काफी अधिक रकबे का हवाला दिया। उन्होंने कहा, '' आवक अगले महीने शुरू होगी और हमें उत्पादन संबंधी कोई चिंता नहीं दिखती। ''सचिव ने अन्य वस्तुओं की कीमतों पर भी बात की।

सोना ऑल टाइम हाई पर: 440 बढ़कर 74,533 प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा,चांदी की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। सोना आज यानी 23 सितंबर को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, सोमवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 440 रुपए बढ़कर 74,533 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले इसके दाम 74,093 रुपए प्रति दस ग्राम थे।वहीं चांदी में आज गिरावट है। ये 508 रुपए कम होकर 88,409 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी 88,917 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 69,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,300 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 69,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,150 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 69,800 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 76,150 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 69,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,150 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 69,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,150 रुपए है।

साल के आखिर तक 78 हजार तक जा सकता है सोना

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 78 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- एजेड4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें।

पीएम मोदी के मुरीद हुए अमेरिका के 'स्पेशल 15', भारत की ऐसे करेंगे मदद

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी अमेरिका के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी टेक कंपनियों के सीईओ के साथ एक राउंडटेबल मीटिंग भी की है। इस मीटिंग में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और एनवीडिया के सीईओ जेन्सन हुआंग भी शामिल रहे। दोनों ने पीएम मोदी से हुई मुलाकात की जमकर तारीफ की है। बता दें कि यह बैठक मोदी की तीन दिवसीय अमेरिकी यात्रा के दूसरे चरण के दौरान रविवार को न्यूयॉर्क पैलेस होटल में हुई। इसमें एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर काम करने वाली 15 प्रमुख अमेरिकी फर्मों के सीईओ ने भाग लिया।

सुंदर पिचाई ने क्या कहा?

पीएम मोदी से हुई मुलाकात पर बोलते हुए गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमें भारत में निर्माण और भारत में डिजाइन जारी रखने के लिए प्रेरित किया है। पीएम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि एआई भारत के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए हो ना कि एआई के आने से भारतीय को नुकसान हो। पिचाई ने कहा कि पीएम मोदी ने उन्हें चैलेंज दिया है कि कैसे आज के ऐप एआई की मदद से एजुकेशन सिस्टम और हेल्थकेयर को मदद पहुंचा सकते हैं। इसपर काम किया जाए। पिचाई आगे कहते हैं कि मोदी डिजिटल इंडिया मिशन पर फोकस कर रहे हैं। उनका विजन मेक इन इंडिया, डिजाइन इन इंडिया पर है। पीएम मोदी का फोकस डेटा सेंटर को लेकर भी है। वह इंडिया में डेटा सेंटर के इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने की बात कर रहे हैं। वह कहते हैं कि पीएम मोदी हमेशा हम टेक कंपनियों को भारत के लिए बेहतर करने का चैलेंज देते हैं।

एनवीडिया के सीईओ हुए पीएम के फैन

प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए दुनिया की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी के सीईओ जेन्सन हुआंग कहते हैं कि सच में पीएम एक बेहतरीन छात्र हैं। जब भी मैं उनसे मिलता हूँ, वह तकनीक के बारे में और अधिक जानना चाहते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक नया उद्योग है और मैं भारत के साथ गहन साझेदारी करने के लिए उत्सुक हूँ। हम भारत में कई कंपनियों, स्टार्ट-अप और आईआईटी के साथ साझेदारी कर रहे हैं।

भारी बारिश का दिखने लगा असर

लहसुन की कीमतों ने दिया बड़ा झटका, थाली से गायब हुआ प्याज

जोधपुर,23 सितंबर (एजेंसियां)। बिलाड़ा मंडी के व्यापारी सोहनलाल व श्रवण माली का कहना है कि इस बार लहसुन उत्पादक शहरों में फसल खराब होने से लहसुन का उत्पादन कम हुआ है। फिर अपनी चाल बदलेगा मानसून, यहां होगी बारिश, अलर्ट जारी

आलू, प्याज और लहसुन तीनों अमूमन प्रत्येक सब्जी में साथ में उपयोग होती है। गृहणी मन्नुबाई राव ने बताया कि आलू और प्याज लगातार महंगा होने की वजह से किचन में अब कम उपयोग करने लगे हैं। इसके चलते दूसरी सब्जियों का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। बाजार में अभी आलू के भाव 40 रुपए प्रतिकिलो, प्याज के भाव 50 रूपए प्रतिकिलो और लहसुन के खुदरा भाव 400 रूपए प्रतिकिलो है।

होटलों-ढाबों में भी गायब

रसोई घरों के साथ साथ छोटी होटलों व ढाबों में फ्री सलाद के रूप में दिए जाने वाला प्याज गायब सा हो गया है। ढाबों में भोजन की थाली में प्याज के सलाद की जगह खीरा ककड़ी ही परोसी जा रही है। कुछ दिनों बाद ही शुरू हो रहे त्योहारी सीजन से पहले लहसुन, प्याज सहित सब्जियों की कीमतों में उछाल ने आम व मध्यमवर्गीय लोगों के थाली का स्वाद फीका कर दिया है

हर सब्जी का अभिन्न अंग लहसुन आम आदमी की पहुंच से दूर जा चुका है। बिलाड़ा मंडी के व्यापारी सोहनलाल व श्रवण माली का कहना है कि इस बार लहसुन उत्पादक शहरों में फसल खराब होने से लहसुन का उत्पादन कम हुआ है। जोधपुर की मंडियों में आवक घट गई है। मंडियों में लहसुन की खासी किल्लत है। स्थानीय मंडी में डिमांड के मुताबिक आपूर्ति नहीं हो पा रही है। मांग बढ़ने और लहसुन की आपूर्ति में कमी आने से दाम अचानक बढ़ गए हैं। लहसुन के दाम में अचानक आई तेजी ने लोगों की परेशानी को फिर बढ़ा दिया है। प्याज व लहसुन के होलसेल व्यापारी देवाराम माली खारिया मीठापुर अनुसार मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व राजस्थान में बारिश से प्याज व लहसुन की खेती खराब हो गई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	05-39 बजे
चंद्र-	वृष	मे	तुला...	07-44 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	09-54 बजे
बुध-	कन्या	मे	धनु-	12-08 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	14-13 बजे
शुक्र-	तुला	मे	कुंभ--	16-05 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	17-42 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	19-18 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	21-03 बजे
			मिथुन	23-04 बजे
			कर्क---	01-16 बजे
			सिंह---	03-28 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-08
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. -18-06
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 12-39 तक उपरान्त अष्टमी
मास - आश्विन कृष्ण , मंगलवार 24 September
नक्षत्र - मृगशिरा 21-54 तक उपरान्त आद्रा
योग - व्यतिपात 01-26 तक उप वरियान
करण- बव 12-39 तक उप बालव
विशेष:- अष्टमी श्राद्ध
व्रत -त्योहार - जीवित्पुत्रिका व्रतं

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:09 से 16:39 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:08 - 07:37 अशुभ	काल	18:06 - 19:39 अशुभ
उत्पात	07:37 - 09:07 अशुभ	लाभ.	19:39 - 21:09 शुभ
चंचल.	09:07 - 10:37 शुभ	उत्पात	21:09 - 22:38 अशुभ
लाभ.	10:37 - 12:08 शुभ	शुभ	22:38 - 00:08 शुभ
अमृत	12:08 - 13:38 शुभ	अमृत.	00:08 - 01:38 शुभ
काल	13:38 - 15:09 अशुभ	चंचल.	01:38 - 03:07 शुभ
शुभ.	15:09 - 16:39 शुभ	रोग.	03:07 - 04:37 अशुभ
रोग.	16:39 - 18:06 अशुभ	काल	04:37 - 06:08 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप इस समय शांति में नहीं हैं। आपके दिल और दिमाग के बीच एक निरंतर युद्ध है की किस तरह से नैतिक और तार्किक रूप से सही निर्णय लिया जाये । अपने दिल की बात सुने और अपने मन को शांत करने के लिए कुछ करे । अपने आप को एक नई जिम्मेदारी सौंपे । अगर आप बिना सोच के खर्च करेंगे तो आपको वित्तीय परेशानी हो सकती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप अपने परिवार के हित और अपने व्यावसायिक हित के बीच अपने आप को फंसा हुआ पाएंगे । अपने परिवार के कल्याण को चुने और थोड़ी देर के लिए अन्य बातों को बस्ते में डाल दे । आपका वित्तीय भाग्य बहुत मजबूत है। आप आज बोली भी लगा सकते हैं और उसमे जीतने की संभावना काफी प्रबल है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है । यह आप के लिए जीत का युग है! आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे । आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आपके प्रतियोगी आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे , लेकिन आपकी विस्फोटक आत्मविश्वास की भावना आपको अपराजेय रखेगी । इस समय आप अपना विनम्र स्वाभाव बंद करे ताकि कोई आपका अनुचित लाभ न ले । आपको कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है जिसका इंतजार आप लम्बे समय से कर रहे थे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप अपने समकक्षों के साथ भागीदारी प्राप्त करने के लिए कठिन प्रयास कर रहे है और आज आपकी यात्रा एक संतोषजनक स्थिति पर समाप्त होगी ! आप उस पुरस्कार राशि के लाभार्थी हो सकते है जो इस साझेदारी का नतीजा है । आपका एक करीबी सहयोगी आपको अपना समर्थन देने के लिए विशेष शब्दों के साथ आपका धन्यवाद कर आपको सम्मानित कर सकता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं हैं और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है । लेकिन विश्वास रखे । आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आप अपने सहयोगियों और ग्राहकों के साथ बेहतर संबंध बनायेंगे । आज कुछ ऐसा नया करने के लिए ये दिन अच्छा है , जिसमे आपके प्रभावशाली कौशल की आवश्यकता हो , हालांकि जो लोग बीमार हैं , वो लोग घर से काम शुरू कर सकते है। इससे अप्रत्याशित रूप से आपके काम की गुणवत्ता में सुधार होगा और उस समय की बचत भी होगी जो यात्रा में बर्बाद हो रहा था ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज के दिन आपका जोर निवेश और धन पर रहेगा । अपने आप पर नियंत्रण रखे ! आज के दिन सम्पति के बारे में खोज खबर कर सकते है पर किसी भी तरह के धन वृद्धि उद्यम में न फंसे । वेतन वृद्धि के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारीयों पर दबाव न डाले । इसके लिए अभी सही समय नहीं है । उत्तम रहेगा की अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्बंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है , परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है , लेकिन आपका डर निराधार हैं। यहां तक कि आपके वरिष्ठ अधिकारी इस चीज़ को समझते हैं।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप अपने करियर में जो कुछ भी चाहते थे , वह सब कुछ आज आपके रास्ते में आएगा । चाहे वह प्रसिद्धि, ताक़त , पैसा या पद हो , आप अब सब कुछ पाने के लिए एक आदर्श स्थिति में हैं। बस कड़ी मेहनत करते रहे और अन्य लोगों की राय का सम्मान करे और जो भी आपने अपनी इच्छा शक्ति के बलबूते किया है , वो सब आपका होगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

बदलाव आपके कैरियर में संकेत दे रहे है, लेकिन ये परिवर्तन आपको आनंद देगा । आपको नयी नौकरी की पेशकश मिल सकती है , या एक नए विभाग में आपको स्थानांतरित किया जा सकता है । पदोन्नति का भी संकेत मिल रहा है । आप अपनी नई जिम्मेदारियों से प्यार करेंगे और अपने आप को साबित करने के लिए उत्साह से भर जाएंगे

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एसबीआई महिंद्रा भारती एयरटेल की बदौलत रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

मार्केट कैप पहली बार 476 लाख करोड़ पार

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए ऐतिहासिक रहा है. सेंसेक्स और निफ्टी रिकॉर्ड हाई पर जाकर बंद हुआ है. बीएसई सेंसेक्स केवल 20 अंकों के फासले से 85000 के रिकॉर्ड हाई को पार करने में विफल रहा तो निफ्टी 44 अंकों से 26000 के ऐतिहासिक हाई को छूने में पीछे छूट गया. हालांकि बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी और एनर्जी शेयरों में जोरदार खरीदारी के चलते बीएसई सेंसेक्स 384 अंकों के उछाल के साथ 84,928 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 148 अंकों के उछाल के साथ 25,939 अंकों पर बंद हुआ है.

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

सेंसेक्स के 30 शेयरों में 21 तेजी के साथ बंद हुए और 9 गिरावट के साथ क्लोज हुए. महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.18 फीसदी, एसबीआई 2.35 फीसदी, भारती एयरटेल 2.26 फीसदी, एचयूएल 1.54 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.49 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.42 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 1.24 फीसदी, टाटा स्टील 1.22 फीसदी, एनटीपीसी 1.03 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.98 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. गिरने वाले शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक 1.25 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.05 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.97 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.89 फीसदी, एचसीएल टेक 0.49 फीसदी, इंफोसिस 0.48 फीसदी, टीसीएस 0.41 फीसदी, एल एंड टी 0.21 फीसदी, पावर ग्रिड 0.03 फीसदी, सन फार्मा 0.03 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

रिकॉर्ड हाई पर मार्केट कैप

शेयर बाजार के रिकॉर्ड हाई पर बंद होने के चलते शेयर बाजार का मार्केट कैप नए ऐतिहासिक हाई पर जाकर बंद हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप पहली बार 476 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई पर क्लोज हुआ है जो पिछले सेशन में 471.71 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ था. यानि आज के सेशन में मार्केट केप में 4.29 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है. आज के कारोबार में बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी, मेटल्स, एनर्जी, रियल एस्टेट, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और हेल्थकेयर स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए. जबकि आईटी शेयर गिरकर बंद हुए. आज के ट्रेड में निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 503 अंकों के उछाल के साथ 60,712 अंकों के रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ है. निफ्टी स्मॉल कैप इंडेक्स भी 216 अंकों के उछाल के साथ क्लोज हुआ है.

मंजूर हुई ब्लैकरॉक के स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ ऑप्शंस की लिस्टिंग

क्रिप्टो की कीमतों पर होगा ऐसा असर

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी के बाजार में दिलचस्पी रखने वाले निवेशकों के लिए एक काम का अपडेट है। अमेरिका में बाजार नियामक एसईसी ने ब्लैकरॉक के स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ के ऑप्शंस की लिस्टिंग व ट्रेडिंग की मंजूरी दे दी है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूएस एसईसी ने ब्लैकरॉक के स्पॉट ईटीएफ ऑप्शंस को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। ब्लैकरॉक के स्पॉट एक्सचेंज ट्रेडेड फंड के ऑप्शंस की लिस्टिंग व ट्रेडिंग टेक फोकस्ड इंडेक्स नास्डैक पर होगी। इसके लिए ब्लैकरॉक के आईशेयर्स बिटकॉइन ट्रस्ट की ऑप्शंस ट्रेडिंग को आईबीआईटी सिंबल दिया गया है। इस मंजूरी से दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन के निवेशकों को हेज का वैकल्पिक तरीका मिलने वाला है।

डीवी श्रीनिवास राव ने संभाला बीडीएल के निदेशक का कार्यभार

हैदराबाद, 23 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के निदेशक (तकनीकी) के रूप में डी वी श्रीनिवास राव ने महत्वपूर्ण कार्यभार संभाला।

उन्होंने 20 सितंबर को कार्यभार संभाला है। डी.वी. श्रीनिवास राव को रक्षा क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। इस नियुक्ति से पहले, उन्होंने महाप्रबंधक (डिज़ाइन और इंजीनियरिंग) के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने बीडीएल के इन-हाउस अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) प्रभाग का नेतृत्व किया है। उन्होंने कई रक्षा परियोजनाओं का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिनमें से कई अब भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा तैनात और बड़े पैमाने पर उपयोग की जाती हैं। साथ ही उन्होंने कई रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) प्रयोगशालाओं के साथ मिलकर कार्य किया है तथा बीडीएल के लिए कई परियोजनाओं के सफल निष्पादन में योगदान दिया है। उन्होंने बीडीएल में अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी,

जो अब भारत के रक्षा बलों द्वारा उपयोग किए जाने वाले विभिन्न हथियार प्रणालियों के लिए महत्वपूर्ण उप-प्रणालियों का उत्पादन करता है।श्रीनिवासराव ने काकतीय विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन में बीटेक और जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू), हैदराबाद से डिजिटल सिस्टम और कंप्यूटर इंजीनियरिंग में एमटेक की उपाधि प्राप्त की है। इसके बाद, उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद से मानव संसाधन में एमबीए किया और वे एक प्रमाणित परियोजना प्रबंधन पेशेवर हैं।

हैदराबाद के सबसे अमीर व्यक्ति डा. मुरली के दिवि

नई दिल्ली,23 सितंबर (एजेंसियां)। डॉक्टर मुरली के. दिवि हैदराबाद के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2024 के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति 7 अरब डॉलर (लगभग 5847 करोड़ रुपये) है। वह जानी-मानी बहुराष्ट्रीय दवा कंपनी डिवीज़ लैबोरेटरीज के संस्थापक और प्रबंध निदेशक हैं। 2023 से 2024 तक उनकी संपत्ति में 40% की बढ़ोतरी हुई है। यह दर्शाता है कि उन्हें कितना बड़ा वित्तीय लाभ हुआ है। डॉ. मुरली दिवि के नेतृत्व में डिवीज़ लैबोरेटरीज दुनियाभर में एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट्स के प्रमुख सप्लायर के रूप में उभरी है। यह बड़ी दवा कंपनियों के लिए कस्टम मैन्यूफैक्चरिंग भी करती है। इसके पोर्टफोलियो में न्यूट्रास्यूटिकल्स का उत्पादन भी शामिल है। कंपनी के रेवेन्यू का एक बड़ा हिस्सा लगभग 90% एक्सपोर्ट से आता है। इसकी सालाना कमाई 96.5 करोड़ डॉलर है। यह कंपनी की अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत उपस्थिति को दर्शाता है। डिवीज़ लैबोरेटरीज का मूल्य करीब 1,45,000 करोड़ रुपये का है। हैदराबाद के सबसे अमीर व्यक्ति होने के अलावा डॉ. दिवि फोर्ब्स की 2023 की सूची में 33वें सबसे अमीर भारतीय भी हैं। उन्हें दुनिया के सबसे धनी वैज्ञानिकों में भी गिना जाता है। उनका परिवार सक्रिय रूप से व्यवसाय में शामिल है। उनके बच्चे डॉ. किरण एस. दिवि और नीलिमा प्रसाद दिवि कंपनी में महत्वपूर्ण पदों पर हैं।

भूपेश बोले- मेरे राजनीतिक करियर को खत्म करने की कोशिश

पूर्व सीएम ने सीजेआई को लिखा पत्र, कहा- हो रही साजिश, निष्पक्ष जांच की मांग

रायपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सीजेआई (चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया) को चिट्ठी लिखी है। पत्र के जरिए उन्होंने कई गंभीर आरोप लगाए हैं। भूपेश के मुताबिक जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर मेरा राजनीतिक करियर खत्म करने कोशिश की जा रही है।

पूर्व सीएम ने आगे लिखा है कि मेरे खिलाफ रची जा रही साजिशों की स्वतंत्र जांच के निर्देश दिए जाएं। बीते दिनों कोल लेवी मामले में रायपुर सेंट्रल जेल में बंद कारोबारी सूर्यकांत तिवारी ने एसीबी चीफ अमरेश मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए थे।

सूर्यकांत के मुताबिक एसीबी चीफ ने जेल अधीक्षक के चैंबर में बुलाकर धमकाया और दबाव बनाया कि, सौम्या चौरसिया के जरिए पूर्व सीएम भूपेश बघेल को

पैसा देने की बात कबूल करूं। उसके इस आरोप के बाद भूपेश बघेल सेंट्रल जेल पहुंचे थे और बाहर निकलकर उन्होंने कहा था कि, मैं हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को पत्र लिखूंगा।

सीएम को भी पत्र लिखकर घटनाक्रम की जानकारी दूंगा। बघेल ने पत्र में लिखा है आईपीएस मिश्रा ने सूर्यकांत तिवारी से कहा कि कोयला परिवहन के कथित अपराध में मेरी (भूपेश बघेल) संलिप्तता स्वीकार करें। मुझे लाभार्थी बताते हुए बयान दर्ज करवाएं। जैसा कि तिवारी ने अपने आवेदन में लिखा है।

इस दौरान आईपीएस अधिकारी मिश्रा ने उनके साथ अभद्रता भी की और मेरा नाम नहीं लिए जाने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। सूर्यकांत तिवारी के अनुसार आईपीएस अधिकारी ने कहा कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें (सूर्यकांत तिवारी को) अन्य मामलों में भी आरोपी बना दिया जाएगा, उनके सभी परिजनों को जेल में डाल दिया जाएगा। भूपेश बघेल के मुताबिक रायपुर सेंट्रल जेल में सूर्यकांत तिवारी के साथ जो घटना घटी और पहले जो घटनाएं हुईं उन सबका उद्देश्य सिर्फ मुझे बदनाम कर राजनीतिक लाभ उठाने का था। भूपेश बघेल के मुताबिक ईडी ने मुझ पर और मेरे करीबी लोगों पर जिस तरह के गंभीर आरोप लगाने की कोशिश की है। इसके पीछे मुझे एक राजनीतिक षड्यंत्र की बू आ रही है। जो कुछ घटा और घट रहा है उसका एकमात्र उद्देश्य मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना, मुझे झूठे और दुर्भावनापूर्ण अभियोजन का शिकार बनाना और इन निराधार और अवैध आरोपों के माध्यम से मेरे राजनीतिक करियर को समाप्त करना है। इन गतिविधियों का उद्देश्य और इरादा, ऐसा प्रतीत होता है कि यह मेरे, मेरे परिवार, मेरे राजनीतिक करियर, मेरे समर्थकों, मेरे भविष्य और मेरी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचाने के लिए है।

इन एजेंसियों ने इन झूठे, अवैध और दुर्भावनापूर्ण कृत्यों का एक मात्र उद्देश्य भी यही नज़र आता है। किसी भी रूप में ये एजेंसियां ऐसी कोई कार्रवाई नहीं करती दिखती है, जिससे उस पर विश्वास किया जा सके।

स्कूटी चोर को पुलिस ने पकड़ा

रेलवे स्टेशन से उठा ले गया था, सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी तक पहुंची पुलिस

जांजगीर-चांपा, 23 सितंबर (एजेंसियां)। जांजगीर-चांपा जिले के रेस्ट हाउस रेलवे स्टेशन चांपा के पास से स्कूटी की चोरी हुई थी। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक स्कूटी को बरामद किया है। मामला चांपा थाना क्षेत्र का है। एसडीओपी यदुमणी सिदार ने बताया कि प्रवीण कुमार शर्मा ने स्कूटी चोरी की एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसपर चांपा पुलिस चोर की तलाश में जुटी हुई थी। शहर में लगे सीसीटीवी कैमरे की खोजबीन की जा रही थी। इस बीच सूचना मिली की भुवन लाल देवांगन जोकि चांपा थाने के पीछे रहता है, उसके पास एक स्कूटी है। सूचना पर पुलिस टीम पहुंची और भुवन लाल देवांगन को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी भुवन लाल कबाड़ी बिनने का काम करता है, वह घर में अकेला रहता है।

बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत

इनमें 6 स्कूली बच्चे, 2 ग्रामीण शामिल बारिश से बचने खंडहर में छिपे थे

राजनांदगांव, 23 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में सोमवार दोपहर बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 6 स्कूली बच्चे और 2 ग्रामीण शामिल हैं। बताया जा रहा कि दोपहर बारिश से बचने के लिए सभी खंडहर में रुके थे, तभी बिजली गिरी। मामला सोमनी थाना के जोरातराई गांव का है।

थाना प्रभारी रामेंद्र सिंह ने बताया कि, खंडहर में तेंदू के पेड़ के पास खड़े थे। अचानक बिजली पेड़ पर गिरी। इसकी चपेट में आकर सभी लोग बुरी तरह झुलस गए। सूचना मिलने पर सभी को जिला अस्पताल भेजा गया। वहां डॉक्टरों ने 6 बच्चों और 2 ग्रामीणों को मृत घोषित कर दिया। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल है, उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल ग्रामीण का नाम अभी तक सामने नहीं आ सका है। स्थानीय प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंच गए हैं। कलेक्टर भी मौके पर पहुंचे हैं।

जांजगीर-चांपा जिले में भी एक दिन पहले रविवार को ग्राम सुकाली में बिजली की चपेट में 11 साल के बच्चे की मौत हो गई थी, जबकि 8 लोग झुलस गए थे। सभी घायलों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। दोपहर करीब 3 बजे 20 से 22 युवक और बच्चे गांव के तालाब के पास पिकनिक मनाने गए थे। तभी मौसम बदलने पर तालाब के पास आम के पेड़ के नीचे खड़े हो गए। प्रदेश में बिजली गिरने से लगातार मौत होने का सिलसिला जारी है। एक माह में अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा कई मवेशी भी अपनी जान गवां चुके हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त के नाम जेएमएम की चिट्ठी

दिसंबर में हो विधानसभा चुनाव, स्टार प्रचारकों को मिले फ्लाइंग जोन की सुविधा

रांची, 23 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव को देखते हुए चुनाव आयोग की टीम आज से अगले दो दिनों तक चुनाव की परिस्थितियों का जायजा लेगी। इस दौरान टीम पांच मैराथन बैठक भी करेगी। आज राजनीति दलों के साथ बैठक भी कर रही है। इसी बीच जेएमएम की ओर से एक पत्र मुख्य चुनाव आयुक्त के नाम भेजा गया है। जिसमें पार्टी की ओर से छह अलग-अलग मांग रखी गई है। पार्टी महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि पांचवीं विधानसभा के चुनाव के बाद नई सरकार का गठन 29 दिसंबर 2019 को किया गया था। ऐसे में छठे विधानसभा के लिए मतदान दिसंबर के पहले सप्ताह में हो तो सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर सकेगी। वहीं आग्रह किया गया है कि सभी राजनैतिक दलों को चुनाव प्रचार के लिए एक समान अवसर मिले। पार्टी के आयोग से आग्रह किया है कि ऐसी व्यवस्था की जाए कि विरोधी पार्टियों मिले फ्लाइंग जोन और समय की वजह से पार्टी के स्टार प्रचारकों के फ्लाइंग जोन और समय मिलने में दिक्कत न हो। वहीं कहा गया है कि चुनाव प्रचार के लिए ग्राउंड की उपलब्धता भी हो। आयोग के नाम भेजी गई चिट्ठी में कहा गया है कि राज्य में चुनाव के दौरान आवश्यकता पड़ने पर ही अर्धसैनिक बलों को तैनात किया जाए। इसके पीछे पार्टी ने तर्क दिया है कि राज्य में झारखंड जगुआर, झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप) और जिला बल के जवान हैं। वहीं ये सारे पूरी तरह से प्रशिक्षित भी हैं।

पार्टी ने चुनाव प्रचार के दौरान सभाओं में जाति-धर्म के नाम पर भाषण देने पर रोक लगाने की मांग की है। वहीं भाजपा को लेकर शिकायत भी की है कि बीजेपी के केंद्रीय स्तर के नेता अगस्त महीने से ही अलग-अलग जगहों पर सभा कर रहे हैं, जहां वे धर्म और जाति का जिक्र कर रहे हैं। ऐसा करने से धार्मिक और सांस्कृतिक विभाजन की स्थिति पैदा हो गई है।

विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर कांग्रेस की बैठक

रांची, 23 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस विधानसभा चुनाव की तैयारी को अंतिम रूप में देने में जुटी हुई है। इसी क्रम में रविवार को कांग्रेस भवन में बैठक हुई। इसमें विधायक दल के नेता डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि पांच साल में राज्य सरकार ने कई जनकल्याणकारी कार्य किए हैं। ये सभी कार्य और योजनाएं जनता के निजी आर्थिक विकास से सीधे जुड़े हुए हैं। लेकिन, विरोधी दल चुनावी धारा को मोड़ने की कोशिश में अतार्किक मुद्दे उछाल रहे हैं। इससे लोगों को बचाना है। विरोधियों के मुद्दों पर ध्यान न देकर जनता के बीच सरकार के कार्यों को लेकर जाना है। एआईसीसी के एसटी-एससी, ओबीसी, माइनोरिटी विभाग और एलडीएम कोऑर्डिनेटर के. राजू ने कहा कि संगठन के कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान जरूर होगा। वर्तमान सरकार में कुछ कार्य अधूरे पड़े हैं, जिन्हें पूरा करने की पहल की जाएगी। अनुसूचित जाति आयोग और वक्फ बोर्ड गठन के मुद्दे हैं।

कार्यक्रमों के बहाने सीएम कर रहे झामुमो का काम आसान

पहले मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अब आपकी योजना आपकी सरकार कार्यक्रम के बीच लगातार जनता के बीच जा रहे

रांची, 23 सितंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य की लगभग सभी प्रमुख पार्टियां चुनावी मोड में है। भाजपा सबसे अधिक आक्रामक है। कांग्रेस भी पीछे नहीं है। आजसू पार्टी लगातार जनता के बीच जा रही है। राजद और जदयू भी पूरा जो लगा रहा है। माससं का माले में विलय हो रहा है। सबके पीछे एक मात्र उद्देश्य, किसी तरह विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करना है। सरकार बनाना है। लेकिन इन सब के बीच झामुमो का जिलों या जंगल-झाड़ में कोई आधिकारिक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं हो रहा है। अनौपचारिक रूप से झामुमो के चुनाव प्रचार की कमान मुख्यमंत्री ने संभाल ली है। पहले मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना और अब फिर आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के बहाने प्रमंडल व जिलावार दौरा कर रहे हैं। परिसंपत्तियों का वितरण और योजनाओं के शिलान्यास-उद्घाटन के माध्यम से मतदाताओं को आकर्षित करने में लगे हैं। सरकारी कार्यक्रमों में वह जनता को लगातार आगाह कर रहे हैं। सरकारी योजनाओं को गिनाते हुए भाजपा के चाल चरित्र और चेहरे पर प्रहार कर रहे हैं। भाजपा की रणनीति और चुनावी कार्यक्रमों की हवा निकालने में जुटे हैं। इसमें उनके मंच पर धर्म पत्नी कल्पना सोरेन के अलावा झामुमो और कांग्रेस के मंत्री विधायक उपस्थित होकर अनौपचारिक चुनाव प्रचार को संबल प्रदान करते जा रहे हैं। यही कारण है कि विधानसभा चुनाव के दृष्टिकोण से झामुमो का काम आसान हो गया है। कांग्रेस पूरी तत्परता से ग्रामीण इलाके से लेकर दिल्ली तक सक्रियः विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस भी पूरी तरह सक्रिय है। राजेश ठाकुर की जगह केशव महतो को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के बाद से पार्टी लगातार किसी न किसी कार्यक्रम को अंजाम दे रही है। इनमें प्रदेश कार्यसमिति की बैठक, जिलों में जनता के साथ संवाद कार्यक्रम के अलावा विधायक दल की बैठक और फ्रंटियर ऑर्गेनाइजेशन की बैठकें हो चुकी है। पिछले एक महीने में पार्टी नेतृत्व ने तीन से चार बार प्रदेश के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक कर चुके हैं। आज मंगलवार को भी राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे विधायक दल के नेता और प्रदेशअध्यक्ष के साथ लोकसभा चुनाव में बनाये गये सभी 14 आब्जर्वरों के साथ बैठक की है। प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर जम्मू कश्मीर में हो रहे चुनाव में प्रत्याशी हैं। फिर भी वह झारखंड पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। आजसू भी गांव-ग्रामीण व युवाओं को जोड़ने में जुटी हुईः आजसू पार्टी भी पीछे नहीं है। आजसू प्रमुख सुदेश कुमार महतो गांव व ग्रामीण इलाकों में पसीना बहा रहे हैं। पहले उन्होंने चूल्हा प्रमुखों के शपथ ग्रहण के बहाने ग्रामीण इलाके में अपनी पैठ को मजबूत करने की कोशिश की। फिर उन्होंने रांची में नव निर्माण संकल्प रैली के माध्यम से युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया है। वह राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर लगातार दौरा कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को झारखंड प्रदेश भाजपा चुनाव प्रभारी व सह प्रभारी बनाए जाने के बाद से भाजपा राज्य में आक्रामक ढंग से चुनाव प्रचार करने और रणनीति बनाने में जुट गयी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का राशि में वृद्धि करने का वादा

रांची, 23 सितंबर (एजेंसियां)। महिलाओं और युवतियों का सशक्तीकरण कांग्रेस का सबसे पहला संकल्प है। स्वतंत्रता के बाद से ही कांग्रेस ने अपनी इस प्रतिज्ञा को जमीन पर उतारा है। महिलाओं को स्थानीय निकायों में पर्याप्त आरक्षण देने के साथ ही सरकारी नौकरियों में आरक्षण भी कांग्रेस की ही देन है। ये बातें एआईसीसी के अनुसूचित जाति-जनजाति, ओबीसी और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के संयोजक के. राजू ने कहीं। वे रविवार को जतरा मैदान, बजरा में आयोजित मंईयां सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए जारी अपने घोषणा पत्र में नारी न्याय के तहत महिलाओं को स्वावलंबी और सशक्त बनाने की पहल की थी, उन्हें हर महीने साढ़े 8 हजार रुपए देने का वादा किया था।

हेमंत सरकार ने उसी रास्ते पर आगे बढ़कर महिलाओं को सम्मान दिया है।

कलेक्ट्रेट के ड्राइवर को 3 लुटेरों ने मार डाला

रायपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर में सरगुजा कलेक्टर कार्यालय के एक ड्राइवर को 3 लुटेरों ने सुबह 3 बजे मार डाला। मरीन ड्राइव पर मोबाइल लूटने आए बदमाशों ने चाकू मारकर हत्या कर दी है। तेलीबांधा थाना इलाके की ये घटना है।

घटना पर भूपेश बघेल ने x कर लिखा है कि 'इस सरकार को विज्ञापन जारी कर कह देना चाहिए कि नागरिक अपनी सुरक्षा स्वयं करें। छत्तीसगढ़ अब तक के सबसे भयावह दौर से गुजर रहा है।

मृतक का नाम ईश्वर राजवाड़े है, जो अंबिकापुर का निवासी था। वह सरगुजा कलेक्ट्रेट में ड्राइवर का काम करता था। रविवार को सरकारी अधिकारी को लेकर वह रायपुर आया था। मरीन ड्राइव में एक सप्ताह पहले भी युवती की चाकू मारकर हत्या हुई थी।

मिली जानकारी के मुताबिक ईश्वर राजवाड़े अधिकारी को लेकर रायपुर आया था। तेलीबांधा तालाब के पास गाड़ी लगाया था, तभी तीन बदमाश मोबाइल लूटने लगे। इसी बीच विवाद हो गया। बीच बचाव के कारण 3 अज्ञात लुटेरों ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि युवक के पेट, पीठ और शरीर के अन्य जगहों पर चोटें आई हैं। इस दौरान युवक ने मदद मांगने की भी कोशिश की, लेकिन कोई मदद करने नहीं आया। युवक को तत्काल इलाज नहीं मिलने और खून ज्यादा बह जाने से मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि चाकू मारने वाले 3 बदमाश फरार हैं। तेलीबांधा पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। वहीं फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीम जुट गई है। 7 दिन पहले 16 सितंबर को मरीन ड्राइव में दिनदहाड़े में बॉयफ्रेंड ने अपनी गर्लफ्रेंड की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद युवक अपना हाथ काटकर तालाब में कूद गया। इसके बाद वह तेलीबांधा तालाब के फव्वारे पर बैठा रहा। बाद में एसडीआरएफ ने उसे बाहर निकाला था। युवक-युवती दोनों मरीन ड्राइव के पास ही एक रेस्टोरेंट में काम करते थे।

कवर्धा कांड आईपीएस पल्लव को बर्खास्त और एफआईआर की मांग

साहू समाज बोला- तीनों परिवार को 1-1 करोड़ मुआवजा, सरकारी नौकरी मिले और न्यायिक जांच हो

रायपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा के लोहारीडीह हिंसा पर साहू समाज ने तीनों परिवार को एक-एक करोड़ रुपए मुआवजे की मांग की है। साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष टहल साहू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कवर्धा एसपी रहे डॉ. अभिषेक पल्लव पर एफआईआर कर बर्खास्त करने की मांग की है। सरकार को एक सप्ताह का अल्टीमेटम दिया है।

साथ ही स्थानीय साहू समाज संघ ने भी प्रशांत साहू की मौत के मामले में दोषी पुलिस वालों पर हत्या का केस दर्ज करने की मांग की है। समाज ने शिवप्रकाश और रघुनाथ की मौत की न्यायिक जांच भी मांगी है। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

लोहरीडीह में हुई घटना में तीनों मृतक साहू समाज से ही हैं, इसलिए रविवार को 16 सदस्यीय सामाजिक जांच टीम लोहारीडीह पहुंची। टीम ने तीनों ही मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर घटना का सिलसिलेवार ब्योरा लिया और मौजूदा हालातों पर चर्चा की।

छत्तीसगढ़ साहू संघ के उपाध्यक्ष भुनेश्वर साहू ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि लोहारीडीह में हुई घटना दो परिवारों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर हुई। शिवप्रकाश की मौत को लेकर अफवाह फैलाई गई कि रघुनाथ साहू ने ही उसकी हत्या की है। जिसके चलते गांव वाले आक्रोशित हुए और फिर रघुनाथ की घर में आगजनी के चलते मौत हो गई। वहीं इस मामले में गांव के 161 लोगों पर एफआईआर की गई और 70 लोगों को अरेस्ट किया गया है। उन्हीं में प्रशांत साहू भी शामिल था जिसकी मौत पुलिस की पिटाई से हुई है। घटना को समाज ने प्रशासन की नाकामी बताया है। भुनेश्वर साहू के मुताबिक प्रशांत की मौत के बाद उसका 8 साल का बेटा अनाथ हो गया है। क्योंकि प्रशांत की पत्नी की कुछ साल पहले ही मौत हो चुकी है। परिवार में और ऐसा कोई सक्षम सदस्य नहीं है, जो बच्चे का पालन पोषण कर सके इसलिए सरकार से बच्चे की पढ़ाई, सरकारी नौकरी और 1-1 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग रखी गई है। सामाजिक जांच टीम के जाने से पहले ही प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम विजय शर्मा और अरुण साव, मृतक प्रशांत साहू के घर पहुंच कर उसकी मां से मुलाकात की। उन्हें 10 लाख रुपए का चेक दिया और शोक संवेदना जताई।

झारखंड सरकार पर बरसे शिवराज सिंह चौहान

कहा- हेमंत सोरेन चला रहे 'जुर्म हत्या और माफिया' की सरकार

बहरागोड़ा, 23 सितंबर (एजेंसियां)। बहरागोड़ा में केंद्रीय मंत्री की जनसभा के दौरान बारिश भी हो रही थी। लेकिन जनसभा में आई भीड़ को देखकर गदगद दिखे शिवराज सिंह चौहान ने कहा, बादल बरस रहे हैं, बिजली चमक रही है और भारी बारिश हो रही है, लेकिन फिर भी आप बदलाव लाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। यह देखकर, आज मैं कह सकता हूं कि अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा और बदलाव आएगा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, जैसे बादल संकट बनकर आए हैं, हेमंत सोरेन सरकार इन बादलों से भी बड़ा संकट है, यह झामुमो नहीं बल्कि हेमंत सोरेन की तरफ से चलाई जा रही 'जुर्म, हत्या और माफिया' सरकार है।

युवक की चिता पर कोबरा सांप को जिंदा जलाया

कोरबा, 23 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जहरीले सांप के काटने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने कथित तौर पर युवक की चिता पर सांप को जिंदा जला दिया। अधिकारियों ने बताया कि जिले के बैगामार गांव में रविवार को सांप के काटने से डिगेश्वर राठिया की मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने डिगेश्वर की चिता के साथ सांप को भी जिंदा जला दिया। उन्होंने बताया कि शनिवार की रात में जब डिगेश्वर अपने कमरे में सोने के लिए बिस्तर लगा रहा था, तब उसे एक करैत सांप ने काट लिया। जब उसने अपने परिवार के सदस्यों को इसकी सूचना दी तब परिजन उसे कोरबा के मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान रविवार सुबह डिगेश्वर की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि इधर सांप के काटने की घटना के बाद ग्रामीणों ने सांप को पकड़ने में कामयाबी हासिल की और उसे एक टोकरी में रख दिया। अधिकारियों ने बताया कि डिगेश्वर की मौत के बाद ग्रामीणों ने सांप को एक डंडे से लटकी रस्सी से बांध दिया। जब डिगेश्वर की शवयात्रा उसके घर से श्मशान घाट के लिए निकाली गई तब ग्रामीण सांप को भी वहां ले गए। बाद में ग्रामीणों ने सांप को डिगेश्वर की चिता पर जिंदा जला दिया। ग्रामीणों का कहना था कि उन्हें डर था कि जहरीला सांप किसी और को अपना शिकार बना सकता है। इसलिए उन्होंने सांप को चिता पर ही जला दिया।

बारदाना-फैक्ट्री में लगी भीषण आग से लाखों का नुकसान

बिलासपुर में देर से पहुंची पुलिस और फायर-ब्रिगेड की टीम, बुझाने में लगे 5 घंटे

बिलासपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर के तोरवा स्थित बारदाना फैक्ट्री में रविवार की रात भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 9 गाड़ियां मौके पर पहुंची। करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, जिसमें 11 ट्रिप पानी सप्लाई की गई। आग से लाखों नुकसान हुआ है। फिलहाल शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। बताया जा रहा है कि रविवार की रात करीब 8.30 बजे कर्मचारियों ने गोदाम से धुंआ उठते देखा। जब तक वे कुछ समझ पाते प्लास्टिक बारदाने के गोदाम में आग भड़क गई थी। इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। साथ ही फायर ब्रिगेड को भी आग लगने की जानकारी दी गई। इस दौरान बारदाना के साथ ही फर्नीचर में लगी आग काफी तेजी से फैलने लगी। कर्मचारियों को आग को काबू में करने का मौका ही नहीं मिला। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाना शुरू कर किया, तब तक काफी देर हो चुकी थी। देर रात तक दमकल कर्मी आग बुझा सके, जिसमें करीब 5 घंटे लग गए। मिली जानकारी के मुताबिक तोरवा में रहने वाले रमेश माखीजा व्यवसायी हैं। देवरीखुर्द-लालखदान ओवरब्रिज के पास उनका गोदाम है। उन्होंने बारदाना और फर्नीचर व्यवसायी को किराए पर दिया है। दोनों व्यवसायी अपने सामान गोदाम में रखे हैं। बताया जा रहा है कि बारदाना व्यवसायी और फर्नीचर व्यवसायी के कर्मचारी भी गोदाम में रहते हैं। आसपास के लोगों ने बताया कि आग लगने की जानकारी देने के बाद भी पुलिस देर से पहुंची।

इसके साथ ही जब पुलिस पहुंची, तब फायर ब्रिगेड को सूचना दी। तब तक गोदाम में रखे बारदाने में आग भड़क चुकी थी। दूर तक आग की लपटें नजर आ रही थी। पहले दो दमकल से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया, लेकिन कुछ ही देर में दोनों दमकल का पानी खत्म हो गया। इसके कारण करीब आधे घंटे तक बचाव कार्य रुका रहा। फायर ब्रिगेड की टीम एक घंटे देर से पहुंची। आग की सूचना के बाद पुलिस को सबसे पहले सूचना दी गई। इधर पुलिस की टीम वहां लेट से पहुंची। इधर तब तक मौके पर जाम लगने लगा था। इसके कारण लोग परेशान होने लगे। इधर पुलिस ने फायर ब्रिगेड को भी सूचना देने में देर की। इसके कारण वहां पर लोग आक्रोशित होते रहे। आशंका जताई जा रही है कि फैक्ट्री और गोदाम में आग बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। कर्मचारियों ने बताया कि काम के बाद वे अपने कमरे की तरफ गए तो देखा कि आग की लपटें उठ रही हैं और धुआं भी निकल रहा है।

सीट बंटवारे पर भाजपा-आजसू पार्टी में बनी सहमति!

रांची, 23 सितंबर (एजेंसियां)। आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो ने बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से रविवार देर शाम मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद सुदेश महतो ने कहा कि राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात और आगामी विधानसभा चुनाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई है। दोनों दल मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरने को तैयार हैं। सीट शेयरिंग पर बातचीत जारी है। सूत्रों के मुताबिक आजसू पार्टी ने 12 से 14 सीटों पर अपनी दावेदारी पेश की है, जबकि भाजपा 9-10 सीटें देने को तैयार है। टुंडी, चंदनकियारी, जुगसलाई, तमाड़, ईचागढ़ और लोहरदगा ऐसी सीटें हैं जहाँ दोनों ही दलों ने अपनी-अपनी दावेदारी जताई है। भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने संकेत दिया है कि नवरात्रि के शुभ अवसर पर उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि की शुभ घड़ी में पार्टी उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी करेगी। 2019 के विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर भाजपा और आजसू पार्टी के बीच सहमति नहीं बन पाई थी। इस कारण आजसू पार्आी ने अलग होकर चुनाव लड़ने का फैसला किया था और 52 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। गठबंधन टूटने का खामियाजा दोनों ही दलों को भुगतना पड़ा था और दोनों को हार का सामना करना पड़ा था।

हालांकि, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और आजसू पार्टी ने एक बार फिर साथ आने का फैसला किया और दोनों दलों ने मिलकर चुनाव लड़ा था।

श्रीलंका के नए राष्ट्रपति को लेकर क्यों खुश हो गया चीन

जिनपिंग के सरकारी भोंपू ग्लोबल टाइम्स ने जमकर की तारीफ

बीजिंग, 23 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका की नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने सोमवार को देश के राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाल लिया। रविवार को चुनाव नतीजों के बाद उन्हें देश का नया राष्ट्रपति चुना गया था। भारत के पड़ोसी श्रीलंका में हुए इस सत्ता परिवर्तन से चीन खुश हो गया है। चीनी विशेषज्ञों ने दिसानायके की जीत को बीजिंग के लिए फायदेमंद बताया है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने तो नए श्रीलंकाई राष्ट्रपति की जमकर तारीफ की है।

ग्लोबल टाइम्स ने चीनी विशेषज्ञों के हवाले से कहा है कि वामपंथी नेता दिसानायके की जीत से चीन और श्रीलंका के बीच संबंधों को और बढ़ावा मिलने की संभावना है। लेख में दिसानायके के कार्यकाल के दौरान चीन के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यवहारिक और दोस्ताना दृष्टिकोण अपनाने की उम्मीद की गई है।

ग्लोबल टाइम्स ने चीन और श्रीलंका के बीच एक दशक में लगातार मजबूत हुए संबंधों का जिक्र किया है और कहा है कि श्रीलंका के नए प्रशासन के साथ इन संबंधों की जोड़ी को और भी बेहतर बनाने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि दिसानायके की (वामपंथी) पार्टी चीन के साथ कई वैचारिक समानताएं साझा करती है और बीजिंग के साथ देश के संबंधों को महत्व देती है। हालांकि, दिसानायके के सामने भारत और चीन के बीच संतुलन साधने की चुनौती भी होगी। सिंघुआ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय रणनीति संस्थान में अनुसंधान विभाग के निदेशक कियान फेंग ने ग्लोबल टाइम्स के साथ बातचीत में बताया कि नए प्रशासन से चीन और भारत के साथ संबंधों के बीच एक संतुलित रुख बनाए रखने की उम्मीद है, लेकिन नए राष्ट्रपति से भारत पर निर्भरता कम करने और चीन की विकास रणनीतियों के साथ अधिक करीबी तलाश करने की संभावना है। ग्लोबल टाइम्स ने विशेषज्ञों के हवाला देते हुए कहा कि श्रीलंका का नया प्रशासन देश की अर्थव्यवस्था के विकास और अपने लोगों की आजीविका में सुधार को प्राथमिकता देगा। यह दिखाता है कि चीन-श्रीलंका संबंधों के लिए महत्वपूर्ण संभावना है। चीन भी इस दक्षिण एशियाई देश को बीआरआई में एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखता है।

बीजिंग ने श्रीलंका में बंदरगाहों सहित कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश किया है।

स्वास्थ्य समस्याओं के कारण पोप फ्रांसिस ने रद्द की बेल्जियम-लक्जमबर्ग की यात्रा

फ्लू होने की आशंका

ब्रुसेल्स, 23 सितंबर (एजेंसियां)। पोप फ्रांसिस की तबीयत खराब हो गई है। उनमें मामूली फ्लू जैसे लक्षण देखे गए। इसके बाद चिकित्सकों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी। अब उनके आगामी कई दौरे रद्द करने पड़ रहे हैं। वैटिकन के मुताबिक, खराब सेहत की वजह से पोप ने अपने कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। पोप फ्रांसिस गुरुवार को लक्जमबर्ग के लिए रवाना होने वाले थे और बाकी का समय वे बेल्जियम में बिताने वाले थे। रविवार को ब्रुसेल्स में एक सामुहिक प्रार्थना के बाद वे अपनी यात्रा का समापन करने वाले थे। 87 वर्षीय पोप फ्रांसिस कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। 13 सितंबर को एशिया के 11 दिवसीय यात्रा से लौटने के बाद से ही उनसे मिलने के लिए दर्शकों की भीड़ लगी है।

छह साल की उम्र में कैलिफोर्निया से अगवा हुआ था बच्चा

अब 73 साल बाद भतीजी ने ढूंढ निकाला

वॉशिंगटन, 23 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। दरअसल, यहां के पूर्वी तट से 73 साल पहले अगवा हुआ छह साल का बच्चा अब मिला है। 21 फरवरी 1951 में लुइस आर्मंडो अल्बिनो नामक एक बच्चे को कैलिफोर्निया के वेस्ट ओकलैंड के एक पार्क से अगवा कर लिया गया था। दशकों तक, उनका ठिकाना एक रहस्य बना रहा

प्यूर्टो रिकान में जन्मे अल्बिनो अब 79 वर्ष के हैं। वे पांच भाई-बहनों में से एक हैं। जब अल्बिनो अपने 10 साल के भाई रॉजर के साथ खेल रहे थे। उसी समय वहां एक महिला आई और टॉफी देने के बहाने बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गई थी।

बाद में, उसे न्यूयॉर्क के एक जोड़े ने गोद ले लिया। पुलिस, तटरक्षक और सेना के जवानों ने उसकी खोज में पूरे इलाके की तलाशी ली थी। एफबीआई को भी मदद के लिए बुलाया गया था। दुर्भाग्य से, बच्चे के अपहरण का मामला सात दशकों तक लटका रहा। अपने बेटे के इतने लंबे समय तक लापता रहने के बावजूद, लुइस की मां ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी। उन्हें हमेशा से उम्मीद थी कि उनका बेटा वापस आ जाएगा। साल 2005 में वह अपने बेटे के बारे में जाने बिना ही चल बसी। मगर लुइस की 63 साल की भतीजी एलिडा एलेक्विन ने अपने लंबे समय से खोए चाचा को खोजने का मजबूत इरादा किया।

एलीडा ने स्थानीय कानून प्रवर्तन की मदद ली। उन्होंने डीएनए परीक्षण और लुइस के लापता होने के बारे में पुराने अखबारों की कतरनों से मिली जानकारी का उपयोग किया। एलिडा ने अपनी बेटियों के साथ बाद में लुइस की ओकलैंड पब्लिक लाइब्रेरी में तस्वीरों की एक माइक्रोफिल्म पाई, जिससे उन्हें एहसास हुआ कि वह वास्तव में उनके लंबे समय से खोए हुए चाचा थे।

लुइस, जो खुद एक पिता और दादा बन गए थे, अपने बड़े भाई रॉजर से फिर से मिले। मगर यह मिलन बहुत अधिक समय तक खुशी भरा नहीं रह पाया।

भारत में एमपॉक्स के क्लैड 1 बी स्ट्रेन का पहला मामला

यूएई से भारत लौटे युवक में मिले लक्षण

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में भी एमपॉक्स का पहला केस सामने आया है। केरल के मलप्पुरम जिले के एक 38 वर्षीय युवक ने एमपॉक्स का क्लैड 1 बी स्ट्रेन पाया गाया है। युवक हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लौटा था। मरीज की हालत स्थिर बताई जा रही है। लगातार बढ़ रहे एमपॉक्स को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया था। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने मामला सामने आने के बाद विदेश से लौटने वाले लोगों से कोई भी लक्षण दिखने पर स्वास्थ्य विभाग को सूचित करने और इलाज कराने की अपील की है। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने राज्यभर के उन सरकारी अस्पतालों की सूची जारी की, जहां पर एमपॉक्स से प्रभावित व्यक्तियों के उपचार और क्वारंटीन सुविधा की व्यवस्था की गई है। मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में इलाज उपलब्ध है। इसके साथ ही केरल के स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के हवाई अड्डों पर निगरानी बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जिन देशों में संक्रमण की सूचना मिली थी, वहां से आने वाले लोगों को निर्देश दिया गया है कि अगर उनमें कोई लक्षण हैं तो वे हवाई अड्डे पर रिपोर्ट करें। 2022 में एमपॉक्स के प्रकोप के बाद केरल ने एक मानक संचालन प्रक्रिया तय की थी। इसके अनुसार संक्रमितों को क्वारंटीन करने, सैंपल लेने और उपचार का इंतजाम किया गया। स्वास्थ्य मंत्री जॉर्ज ने प्रभावित व्यक्तियों के नमूनों को संभालने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को संक्रमण नियंत्रण सावधानियों का सख्ती से पालन करने के लिए आगाह किया।

एमपॉक्स वायरस की पहचान सबसे पहले 1958 में बंदरों में हुई थी (इसलिए इसका नाम मंकीपॉक्स रखा गया)। इंसानों में पहली बार 1970 के दशक में इसका केस सामने आया था। वैसे तो ये अफ्रीकी देशों में अधिक आम था, हालांकि अब संयुक्त राज्य अमेरिका, यूके सहित कई एशियाई देशों में भी पहुंच गया है।

गिलहरियों के कारण यात्रियों को खाली करना पड़ा कोच

मशक्कत के बाद नहीं बनी बात तो रद्द करनी पड़ी ट्रेन

लंदन, 23 सितंबर (एजेंसियां)। आमतौर पर आपने सुना होगा कि, खराब मौसम या फिर तकनीकी दिक्कतों के चलते ट्रेन को रद्द कर दिया गया। लेकिन मैं आपको बताऊं कि, एक गिलहरी के ट्रेन में घुसने के कारण उसे रद्द करना पड़ा। शायद आप विश्वास नहीं करेंगे, लेकिन ऐसा सच में हुई है। मामला है ब्रिटेन का। जहां इस घटना के चलते कई ट्रेनों के संचालन पर भी असर हुआ। ग्रेट वेस्टर्न रेलवे ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि ब्रिटेन में एक ट्रेन को इसलिए रद्द करना पड़ा क्योंकि उसमें गिलहरियों का एक जोड़ा चढ़ गया था और उसमें एक ने ट्रेन से उतरने से इनकार कर दिया। घटना शनिवार सुबह 8:54 बजे की है। जब दक्षिणी इंग्लैंड के रीडिंग से चलकर गैटविक एयरपोर्ट को जाने वाली ट्रेन में गिलहरियों का जोड़ा चढ़ गया था।

क्या मार दिया गया इजरायल पर हमले का मास्टरमाइंड हमास चीफ याह्या सिनवार ?

खुफिया रिपोर्ट के बाद शुरू हुई जांच

तेल अवीव, 23 सितंबर (एजेंसियां)। गाजा में जारी जंग के बीच हमास नेता याह्या सिनवार के बारे में बड़ी खबर आ रही है, जिसमें कहा गया है कि हमास चीफ की संभवतः इजरायली हमले में मौत हो गई है। इजरायली मीडिया रिपोर्ट में रविवार को कहा गया है कि इजरायल इस संभावना की जांच कर रहा है कि हमास नेता याह्या सिनवार हाल ही में हुए हवाई हमले में मारा गया है। इजरायली पत्र बेन कैस्पिट ने बताया है कि सैन्य खुफिया जानकारी के आधार पर ये जांच की जा रही है।

जांच की जा रही खुफिया जानकारी के अनुसार, सिनवार गाजा में आईडीएफ के ऑपरेशन के दौरान मारा गया था। कैस्पिट ने मामले से जुड़े एक सूत्र के हवाले से कहा, 'अतीत में भी कई बार ऐसा हुआ है जब वह गायब हो गया था और हमें लगा कि वह मर चका है, लेकिन वह फिर से सामने आ गया।' इजरायली पत्रकार बराक रविद की एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यरुशलम के पास ऐसी कोई खुफिया जानकारी नहीं है, जो हमास नेता की मौत के बारे में बताती हो।

इजरायल पर हमले का मास्टरमाइंड

रविद ने एक इजरायली अधिकारी के हवाले से कहा, 'यह सब उम्मीदें और अनुमान हैं, जो इस तथ्य पर आधारित हैं कि हाल के हफ्तों में सिनवार से संपर्क नहीं हो पाया है।' याह्या सिनवार को बीत साल 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए बड़े आतंकी हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। इस हमले में 1200 से अधिक इजरायली मारे गए थे, जबकि 254 को हमास के आतंकी अपहरण करके गाजा में ले गए थे। इस हमले के बाद इजरायल ने गाजा में बड़ा अभियान शुरू किया था।

वाल्ला न्यूज वेबसाइट ने बताया है कि इजरायली आंतरिक खुफिया एजेंसी शिन बेट ने रिपोर्ट को खारिज किया है और उसका मानना है कि सिनवार जीवित है। यरुशलम पोस्ट के अनुसार, आईडीएफ ने रविवार को कहा कि वे हमास प्रमुख याह्या सिनवार की मौत की रिपोर्ट की न तो पुष्टि कर सकते हैं और न ही खंडन कर सकते हैं। पोस्ट ने विभिन्न स्रोतों से बात की लेकिन किसी ने भी ऐसे ऑपरेशन का जिक्र नहीं किया, जो आईडीएफ ने सिनवार को मारने के लिए चलाया था।

इजरायल का माइंड गेम तो नहीं?

यह भी संभव है कि कुछ इजरायली अधिकारी हमास कमांडरों के खिलाफ मनोवैज्ञानिक युद्ध का इस्तेमाल कर रहे हैं, ताकि वे कब्जे में इजरायली बंधकों को वापस करने पर अपने बचाव के लिए कुछ डील कर सकें।

इसके पहले दिसम्बर में रिपोर्ट आई थीं कि सिनवार मर चुका है या घायल होकर सिनाई भाग गया है। कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वह नेटवर्क से कट गया है और अब उसके पास कमान नहीं है। बाद में पता चला कि वह अपनी छिपने की रणनीति के तहत संपर्क से बाहर हो गया था।

अब दाल-रोटी भी होने लगी दूर

200 रु. किलो हुई अरहर दाल, चना भी 100 के पार, बढ़ती कीमत छीन रही गरीब का निवाला

पलवल, 23 सितंबर (एजेंसियां)। दाल रोटी खाओ, प्रभु के गुण गाओ वाली कहावत अब पूरी तरह से परिवारों में दूर होती जा रही है। क्योंकि खाद्य वस्तुओं की लगातार बढ़ रही कीमतों ने घर की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। पिछले एक महीने में खाद्य सामग्री में 30 से 40 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हुई है। इससे महिलाओं के लिए घर चलाना चुनौती साबित हो रहा है। एक तरफ सब्जी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं तो अब दूसरी तरफ दाल, रिफाइंड, नारियल व अन्य वस्तुओं के दामों में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। ऐसे में घर बजट के लिए परिवारों द्वारा तय राशि में घर चुलाना मुश्किल हो रहा है।

इस बढ़ती महंगाई का असर सबसे ज्यादा गरीब व मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। पहले जिन घरों में दो लीटर दूध आ रहा था, अब एक लीटर में ही काम चलाया जा रहा है। यदि बाजार पर नजर डालें तो पिछले एक महीने में रिफाइंड, नारियल, दालों तथा बेशन की कीमतों में बढ़ोत्तरी हुई है। सर्वाधिक कीमत में बढ़ोत्तरी नारियल पर हुई है। लोगों को खासकर महिलाओं को नारियल और रिफाइंड की कीमतों में बढ़ोत्तरी ज्यादा खल रही है, क्योंकि 10 दिन बाद नवरात्र शुरू होने के साथ ही त्यौहारों की शुरूआत हो जाएगी। ऐसे में रिफाइंउ और नारियल की खपत भी बढ़ जाएगी। बाजार में कोई ऐसी चीज नहीं बची है जिस पर महंगाई की नजर न पड़ रही हो। महंगाई से सबसे ज्यादा असर मध्यम परिवार पर पड़ रहा है। सभी खाद्य वस्तुओं के दाम कई गुना बढ़ चुके हैं। अभी यह उम्मीद नहीं है कि यह महंगाई यहीं पर रुक जाएगी। महंगाई का असर मिर्च मसाले से लेकर सब्जियों पर भी पड़ा है, जिसके कारण आए दिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ट्रम्प बोले- हारा तो 2028 में नहीं लड़ूंगा राष्ट्रपति चुनाव

8 साल से ट्रम्प ही रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार, प्री-पोल सर्वे में कमला को बढ़त

वाशिंगटन, 23 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर वे इस बार राष्ट्रपति चुनाव हार गए तो फिर दोबारा चुनाव नहीं लड़ेंगे। सिन्क्लेयर मीडिया ग्रुप के साथ एक इंटरव्यू में ट्रम्प से पूछा गया था कि अगर वे इस बार कमला हैरिस से हार गए तो क्या 2028 में दोबारा खड़े होंगे?

इस पर जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा, मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा। मैं दोबारा चुनाव नहीं लड़ूंगा। हालांकि, मुझे उम्मीद है कि हम इस बार जरूरी सफल रहेंगे। ट्रम्प पिछले 3 चुनावों से रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे हैं।

अमेरिकी कानून के मुताबिक, कोई भी व्यक्ति 2 बार राष्ट्रपति बनने के बाद चुनाव नहीं लड़ सकता। ऐसे में अगर ट्रम्प जीतते हैं, तो यह उनका दूसरा कार्यकाल होगा और वे अमेरिका में अगला चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। बीबीसी के मुताबिक, यह पिछले 4 दिनों में दूसरी बार है जब ट्रम्प ने चुनाव हारने की आशंका पर बात की है। इससे पहले तक ट्रम्प अपनी हर रैली, कैंपेन और सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव जीतने का दावा करते रहे हैं। इससे पहले 19 सितंबर को ट्रम्प ने इजराइली-अमेरिकी काउंसिल के एक इवेंट में कहा था कि अगर वे चुनाव हारे तो यह काफी हद तक यहूदियों की वजह से होगा। ट्रम्प के इस बयान की कमला हैरिस की टीम ने आलोचना की थी। ट्रम्प के बयानों में हार के जिक्र को कमला की बढ़ती पॉपुलैरिटी से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल, राष्ट्रपति बाइडेन के चुनावी रेस से हटने के बाद से डेमोक्रेटिक पार्टी प्री-पोल सर्वे में बेहतर परफॉर्म कर रही है। अमेरिका के नेशनल पोलिंग सर्वे में कमला ट्रम्प से आगे चल रही हैं। वहीं अमेरिकी मीडिया सीबीएस न्यूज के सर्वे में भी कमला को 52% तो वहीं ट्रम्प को 48% वोट मिलने का अनुमान लगाया गया है। अमेरिका के जिन राज्यों में सबसे कड़ा मुकाबला है, वहां के सर्वे में भी कमला पूर्व राष्ट्रपति से 2% ज्यादा वोट हासिल कर रही हैं। हालांकि, कुछ सर्वों में अब भी ट्रम्प उप-राष्ट्रपति कमला से आगे चल रहे हैं।

कमला हैरिस अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में पहली अश्वेत महिला उम्मीदवार हैं। अगर कमला राष्ट्रपति बनती हैं, तो वे अमेरिकी इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला होंगी। 59 वर्षीय कमला हैरिस अमेरिका में दूसरी महिला हैं, जिन्हें रिपब्लिकन या डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से उम्मीदवार बनाया गया है।

बाइडेन ने राष्ट्रपति पद के लिए हैरिस का समर्थन किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 21 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया था। बाइडेन ने एक लेटर जारी कर कहा था कि देश और पार्टी के हित के लिए मैं चुनाव से बाहर हो रहा हूं। दरअसल, अमेरिका में 28 जून को हुई प्रेसिडेंशियल डिबेट के बाद बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता यह मांग कर रहे थे कि वे राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी छोड़ दें। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी बाइडेन को प्रेसिडेंशियल रेस से बाहर होने को कहा था।

लेबनान के पेजर ब्लास्ट से डरा ईरान

अयातुल्ला खामेनेई की सेना ने कम्युनिकेशन डिवाइस का इस्तेमाल किया बैन

तेहरान, 23 सितंबर (एजेंसियां)। लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी में धमाकों के बाद ईरान ने कई एहतियाती कदम उठाए हैं। संभावित खतरे के अंदेशे को देखते हुए ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अपने सभी सदस्यों को सभी कम्युनिकेशन डिवाइस का इस्तेमाल बंद करने का आदेश दिया है। आईआरजीसी के दो वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से रॉयटर्स को इस फैसले की जानकारी दी है। ईरानी अधिकारी ने बताया कि सभी डिवाइस की जांच के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है।

वायनेटन्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते हफ्ते लेबनान में हिजबुल्लाह लड़ाकों के इस्तेमाल में रहे हजारों पेजर और वॉकी-टॉकी फट गए थे। इसे इजरायल के एक बड़े ऑपरेशन का हिस्सा बताया गया है। ईरान भी इजरायल के प्रमुख विरोधियों में से है। ऐसे में ईरान के अंदर भी इस तरह के किसी ऑपरेशन का डर है। ऐसे में आईआरजीसी ने ना सिर्फ कम्युनिकेशन डिवाइस बल्कि तमाम इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच के लिए कहा है। खासतौर से दूसरे देशों से आए उपकरणों की जांच की जा रही है।

ईरान की चिंता बने इजरायली एंजेंट

रिपोर्ट कहती है कि ईरान को इजरायली एजेंटों की घुसपैठ की चिंता है। इसमें ऐसे ईरानी भी शामिल हैं, जिनके विदेश में रहते हुए इजरायल के संपर्क में आने का संदेह है। ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों के बैंक खातों और उनकी विदेश यात्रा की जांच की जा रही है। ईरान के विदेश, रक्षा और आंतरिक मंत्रालय ने इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है।

सुरक्षा अधिकारी ने ये नहीं बताया है कि आईआरजीसी फिलहाल कम्युनिकेशन के लिए किस डिवाइस का इस्तेमाल कर रहा है। अधिकारी के अनुसार, ईरान के सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान में व्यापक चिंता है और हमलों के तकनीकी आकलन के लिए हिजबुल्लाह से भी संपर्क किया है। लेबनान में फटे उपकरणों के कई नमूने ईरानी विशेषज्ञों द्वारा जांच के लिए तेहरान भेजे गए हैं। एक और ईरानी अधिकारी ने कहा कि उनके देश की मुख्य चिंता परमाणु और मिसाइल सुविधाओं, विशेष रूप से भूमिगत सुविधाओं की सुरक्षा है।

आईआरजीसी ईरान में एक शक्तिशाली राजनीतिक, सैन्य और आर्थिक बल है, जिसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई से घनिष्ठ संबंध हैं। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद इसका गठन किया गया था।

इजराइल की लेबनान पर एयरस्ट्राइक, 100 की मौत

पहले लोगों को मैसेज किया- घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर चले जाएं, फिर 300 मिसाइल दागीं

बेरूत, 23 सितंबर (एजेंसियां)। इजराइल ने सोमवार को लेबनान में करीब 300 जगहों पर एयर स्ट्राइक की। अलजजीरा ने लेबनान के स्वास्थय मंत्रालय के हवाले से बताया है कि हमले में कम से कम 100 लोगों की मौत हो गई है, वहीं 400 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। लेबनान में दो दिनों तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

हमलों के बाद हिजबुल्लाह ने भी इजराइल पर हमले किए हैं। हिजबुल्लाह ने कहा है कि उन्होंने इजराइल के हथियार गोदाम पर दर्जनों मिसाइल दागी हैं। आईडीएफ ने कहा कि लेबनान की तरफ से 35 रॉकेट दागी गई हैं। कई रॉकेटों को एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया है। इस हमले में इजराइल को कितना नुकसान हुआ है इसके बारे में जानकारी नहीं मिली है।

रिपोर्ट के मुताबिक लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दक्षिणी लेबनान के सभी हॉस्पिटल को आदेश दिया है कि ऐसी सर्जरी को रद्द कर दिया जाए जिन्हें तुरंत करना बहुत जरूरी न हो। इजराइली हमले में घायल लोगों को तुरंत इलाज मिले इसलिए ये आदेश दिया गया है।

हमले से पहले इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के ठिकाने के करीब रहने वाले लोगों को तुरंत अपने घरों को छोड़ने की चेतावनी दी थी। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक आईडीएफ प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया था। हम लेबनान के नागरिकों को सलाह देते हैं कि वे अपनी हिफाजत के लिए खतरे वाले इलाके से तुरंत दूर चले जाएं। इजराइली सेना हिजबुल्लाह के खिलाफ और घातक हमले करने जा रही है। हगारी ने कहा कि हिजबुल्लाह ने घरों और इमारतों में हथियार जमा कर रखे हैं। आप ऐसी इमारत में हैं जहां हथियार हैं तो जल्द से जल्द उसको छोड़कर निकल जाएं। उन्होंने कहा कि इस मैसेज को लेबनान के सभी नेटवर्क और प्लेटफॉर्म पर अरबी में भेजा जा रहा है।

अलजजीरा के मुताबिक लेबनान की मीडिया ने भी कहा है कि इजराइली सेना सोशल मीडिया पर अरबी में संदेश भेज रही है। हालांकि अभी ये पता नहीं चल पाया है कि कितने लोगों ने इजराइल की यह सलाह मानी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सीमा के करीब रहने वाले इजराइल-लेबनान के लोग हर दिन होने वाली बमबारी के कारण सुरक्षित स्थानों पर जा चुके हैं।

भारतीयों के लिए क्यों मुश्किल होगा कनाडा जाना?

जस्टिन ट्रूडो ने वर्क परमिट में किया बदलाव का ऐलान

ओटावा, 23 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने देश में अंतरराष्ट्रीय वर्क परमिट में भारी कमी करने की घोषणा की है। कनाडा की ट्रूडो सरकार ने देश में अप्रवासी श्रमिकों की संख्या को करने के इरादे की वजह से ये फैसला लिया है। गुरुवार 19 सितम्बर को एक्स पर एक पोस्ट में ट्रूडो ने बताया कि दो सालों में कनाडा अंतरराष्ट्रीय छात्र परमिट की संख्या में 45 प्रतिशत की कटौती करने जा रहा है। इस साल 35 प्रतिशत की कमी की जाएगी, जबकि अगले साल इसमें 10 प्रतिशत की और कमी की जाएगी। बड़े अप्रवासी समुदाय के रूप में भारतीयों पर इसका मुख्य रूप से असर होगा। ट्रूडो ने कहा, 'हम कम वेतन वाले अस्थायी विदेशी श्रमिकों की संख्या कम कर रहे हैं और उनकी कार्य अवधि को छोटा कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हमने महामारी के बाद कार्यक्रम को समायोजित किया, लेकिन श्रम बाजार बदल गया है। हमें कनाडा के श्रमिकों में निवेश करने के लिए व्यवसायों की आवश्यकता है।'

कनाडा ने साल 2024 में 4,85,000 छात्र परमिट जारी किए। 2023 में यह संख्या 5,00,000 से अधिक थी। 2025 में यह संख्या और घटकर 437,000 होने की उम्मीद है। दरअसल, कनाडा में इस समय शहरों के बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ रहा है। देश में घरों के बढ़ते किराए के लिए अप्रवासियों को जिम्मेदार बताया जा रहा है। यह भी पाया गया है कि कुछ छात्रों ने कनाडा पहुंचने के बाद स्थायी निवास के लिए स्टूटेंड परमिट का इस्तेमाल किया है। ट्रूडो ने अपने पोस्ट में कहा, आव्रजन (इमिग्रेशन) हमारी अर्थव्यवस्था के लिए फायदे की चीज है, लेकिन जब बुरे लोग इस प्रणाली का दुरुपयोग करते हैं और छात्रों का फायदा उठाते हैं तो हम उन पर कार्रवाई करते हैं।

कनाडा में अंतरराष्ट्रीय स्नातकों, स्नातकोत्तरों, मास्टर और डॉक्टरेट कार्यक्रम के छात्रों के लिए स्नातकोत्तर कार्य परमिट (पीजीडब्ल्यूपी) तीन साल के लिए वैध है। कनाडा सरकार इसमें भी कमी करने जा रही है। अगले तीन साल में पीजीडब्ल्यूपी की संख्या को 1.75 लाख तक कम करना है।

गांधी जंयती से पहले राजस्थान में फूटा 'सियासी बम'!

28 सितंबर को पूर्व सीएम गहलोत देंगे धरना

जयपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। गांधी जयंती से पहले राजस्थान में पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने फिर से राजनीतिक धमाका किया है। अशोक गहलोत के सोशल मीडिया पर एक पोस्ट ने राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर भजनलाल सरकार को जयपुर स्थित गांधी वाटिका म्यूजियम को लेकर एक बार फिर से चेताया है। अशोक गहलोत ने म्यूजियम को लेकर सरकार पर हठधर्मिता का आरोप लगाते हुए धरना देने की चेतावनी दी है।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि, "करीब एक साल पूर्व उद्घाटन हो जाने के बाद भी भाजपा सरकार ने सेंट्रल पार्क, जयपुर स्थित गांधी वाटिका म्यूजियम को आम जनता के लिए नहीं खोला है। करीब 85 करोड़ रुपए लागत से यह विश्वस्तरीय म्यूजियम बना है। मैंने व्यक्तिगत तौर पर एवं पत्र लिखकर भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आग्रह किया कि जनता के बीच गांधीजी के सत्य एवं अहिंसा के संदेश को पहुंचाने के लिए इस म्यूजियम को शुरू किया जाए।"

उन्होंने आगे कहा कि, "सरकार की इस हठधर्मिता के विरोध एवं गांधी वाटिका म्यूजियम को आम जनता के लिए शुरू करने हेतु मैं एवं तमाम गांधीवादी 28 सितंबर, शनिवार को सेंट्रल पार्क के गेट नंबर 5 पर स्थित गांधी वाटिका म्यूजियम पर सुबह 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक धरना देंगे।"

बताते चलें कि कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी एवं तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पिछले साल 23 सितंबर को जयपुर के सेंट्रल पार्क में बनी 'गांधी वाटिका' का लोकार्पण किया था। नई पीढ़ी को महात्मा गांधी के विचारों से परिचित कराने के लिए 85 करोड़ रुपए की लागत से यह गांधी वाटिका की विषय वस्तु गांधीवादी विचारकों की समिति के मार्गदर्शन में तैयार की गई है।

एक दिवसीय दौरे पर जयपुर पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

सैनिक स्कूल का किया उद्घाटन

जयपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज जयपुर दौरे पर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीकर रोड स्थित श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति जयपुर के अंतर्गत संचालित सैनिक स्कूल का उद्घाटन किया। भारतीय सेना की सशक्तिकरण की दिशा में यह नव स्थापित सैनिक स्कूल अहम भूमिका निभाएगा। छात्रों को देशभक्ति, अनुशासन और नेतृत्व के गुणों का विकास किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने समारोह की अध्यक्षता की। इस मौके पर सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ भी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप देशभर 100 नए सैनिक स्कूल खोले जाने है।

स्वयंसेवी संगठनों की भागीदारी से ये सैनिक स्कूल शुरू किए जाएंगे। इसी कड़ी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज सुबह करीब 11.30 बजे जयपुर में नव स्थापित सैनिक स्कूल का उद्घाटन किया।

गौरतलब है कि पिछले साल सैनिक स्कूल सोसायटी ने श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल जयपुर में एक नए सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति के साथ एक एमओयू किया था। स्कूल ने वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में कामकाज शुरू कर दिया है। जिसका आज रक्षा मंत्री ने औपचारिक उद्घाटन किया।

राजनाथ सिंह का हुआ भव्य स्वागत

इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुबह 11 बजे वायुसेना के विशेष विमान से जयपुर पहुंचे। स्टेट हैंगर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का जोरदार स्वागत किया गया। रक्षा मंत्री के जयपुर आगमन पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, डिप्टी सीएम दीया कुमारी, मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, मंत्री मदन दिलावर, भाजपा सांसद मंजू शर्मा, राजेंद्र राठौड़, भाजपा प्रवक्ता अटल खंडेलवाल ने स्वागत किया। वहीं, स्टेट हैंगर के बाहर बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

रवनीत सिंह बिट्टू का तगड़ा विरोध, कांग्रेस नेताओं ने दिखाए काले झंडे

जयपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का राहुल गांधी के खिलाफ बयानबाजी का मामला एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। जयपुर में आज कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय मंत्री बिट्टू को काले झंडे दिखाए। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस जाप्ता मौजूद रहा और प्रदर्शन कर रहे कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। बता दें केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू सोमवार को 57वीं अन्तर रेलवे निशानेबाजी प्रतियोगिता का उद्घाटन करने जयपुर पहुंचे हैं।

मंत्री के काफिले के सामने काले झंडे लहराए

दरअसल, केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कुछ दिन पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर एक बयान दिया था, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी को आतंकवादी कहा था। इसके बाद देश भर में कांग्रेस नेताओं द्वारा इस बयान का विरोध किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज जयपुर में भी कांग्रेस, यूथ कांग्रेस व NSUI के कार्यकर्ताओं ने मंत्री के काफिले के सामने काले झंडे लहराकर विरोध दर्ज करवाया।

विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस महासचिव जसवंत गुर्जर, स्वर्णिम चतुर्वेदी, देशराज मीणा, राजेंद्र यादव, सत्यवीर आलोरिया, सचिव राहुल भाकर एवं यूथ कांग्रेस के सुधीन्द्र मुंड और NSUI के नेता महेश चौधरी, ओमप्रकाश नागा, धर्मवीर पायला सहित कई नेता मौजूद रहे। कांग्रेस के इन सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जगतपुरा, जयपुर में भाजपा नेता के खिलाफ सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया।

डरी हुई सरकार, विरोध को कुचलना चाहती है- डोटासरा

इस प्रदर्शन के बाद पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि, "बेशर्मी से बदजुबानी करने वाले केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू का जयपुर में शांतिपूर्ण विरोध कर रहे कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने की मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। शांतिपूर्वक विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन डरी हुई भाजपा सरकार हर विरोध को कुचलना चाहती है। बदजुबान मंत्री को विरोध से बचाने के लिए भाजपा सरकार द्वारा पूरे शहर को छावनी में तब्दील करना एवं तानाशाही रवैया अपनाना शर्मनाक है।"

वहीं, कांग्रेस महासचिव देशराज मीणा ने कहा कि केंद्रीय राज्यमंत्री व राज्यसभा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा किए गए टिप्पणी को लेकर आज जगतपुरा, जयपुर में कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा नेता के खिलाफ सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया और माफी नहीं मांगने तक ये संघर्ष निरंतर जारी रहेगा।

उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने अमेरिका दौरे के दौरान सिखों को लेकर बयान दिया था, जिस पर रवनीत बिट्टू ने उन्हें आतंकी बता दिया था।

इसे लेकर खूब हंगामा हुआ। वहीं केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने बयान पर माफी मांगने से भी इनकार कर दिया था।

टूटी सड़कों की मरम्मत के लिए 107 करोड़ की राशि मंजूर

14 जिलों में होगा मरम्मत का काम

जयपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून का दौर अब ठंडा पड़ने लगा है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश में बारिश से टूटी सड़कों की रिपेयरिंग का काम शुरू करने का निर्णय लिया है। डिप्टी सीएम तथा पीडब्ल्यूडी मंत्री दीया कुमारी ने प्रदेश के 14 जिलों में टूटी सड़कों की मरम्मत का काम तुरंत शुरू करने के लिए एसडीआरएफ से 107 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

प्रदेश के 14 जिलों में अत्यधिक वर्षा एवं बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों, पुलों एवं अन्य भवनों की मरम्मत के लिए एसडीआरएफ से 107 करोड़ की स्वीकृति जारी की गई है।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तत्काल मरम्मत कार्य शुरू करवाकर सड़कों, बांधो, नहरों, भवनों एवं पुलों को सुचारु करने तथा आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में अत्यधिक बारिश और बाढ़ से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसंपत्तियों की तात्कालिक मरम्मत एवं पुनरुत्थान के लिए यह स्वीकृति जारी की गई है। गौरतलब है कि 14 जिलों में 5618 कामों के लिए 107 करोड़ 36 लाख रुपये की स्वीकृति जारी की गई है।

इन जिलों में होंगे काम

स्वीकृत की गई इस राशि से टोंक, नागौर, डूंगरपुर, दौसा, सवाई माधोपुर, सिरोही, जैसलमेर, बाड़मेर, जयपुर, झुंझुनू, प्रतापगढ़, कोटा, अलवर और बूंदी में सड़क, पुल, बांध, नहर तथा भवन आदि सरकारी परिसंपत्तियों की मरम्मत की जाएगी।

मेयर मुनेश की कुर्सी जाएगी, अगला नंबर भी जानता हूं

यूडीएच मंत्री खर्रा के बयान से खलबली

झुंझुनू, 23 सितंबर (एजेंसियां)। झुंझुनूं के सूरजगढ़ दौरे पर आए यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने जयपुर हेरिटेज की मेयर मुनेश गुर्जर को लेकर कहा कि सोमवार को आपको खबर मिल जाएगी। जिससे यह संभावना बन गई है कि सोमवार को मुनेश गुर्जर का निलंबन तय है। मंत्री झाबरसिंह खर्रा के बयान के बाद से ये माना जा रहा है कि सरकार ने अपने स्तर पर पूरी तैयारी कर ली है।

मुनेश गुर्जर

सोमवार को मुनेश गुर्जर को निलंबित कर दिया जाएगा। इसके बाद करीब एक हफ्ते से ज्यादा समय से चल रही उठापटक को भी एक बार विराम लग जाएगा। सूरजगढ़ में एक सवाल के जवाब में यूडीएच मंत्री ने झुंझुनू नगर परिषद सभापति नगमा बानो को लेकर भी इशारों ही इशारों में कहा कि सभापति नगमा बानो पर भी आरोप हैं। उन्हें लेकर भी एक दो दिन में आपको अवगत करवा दिया जाएगा। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि मंत्रीमंडलीय उप समिति गठित होने के बाद प्रदेश में निकायों के पुनर्सीमांकन और पुर्नगठन का काम किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार हर हाल में एक राज्य एक चुनाव को लागू करके रहेगी। आपको बता दें कि झुंझुनू सभापति नगमा बानो पर पद के दुरुपयोग व अनियमितता की शिकायत की गई थी। जिसकी जांच करवाई गई। जांच में सभापति नगमा बानो पर दो आरोप तय किए गए हैं। इनमें एक आरोप नगर परिषद के कार्यों में उनके ससुर तैयब अली का हस्तक्षेप व राजकीय वाहन का उपयोग किया जाना पाया गया है। वहीं एक शिकायत में सामने आया है कि सभापति के ससुर तैयब अली द्वारा चूरू रोड श्री डॉट्स चिल्ड्रन स्कूल के पास बिना नगर परिषद की स्वीकृति के अवैध कमर्शियल कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया गया।

वहीं कॉम्प्लेक्स का कुछ हिस्सा बिल्डिंग लाइन से बाहर रोड पर अनाधिकृत अतिक्रमण किया गया है। यह शिकायत भी जांच में सही मिली है। जिसके बाद 10 सितंबर को डीएलबी डायरेक्टर ने स्पष्टीकरण नोटिस नगर परिषद आयुक्त को दिया था, जिसमें तीन दिन में जवाब मांगा गया था। संभावना है कि इसी मामले में सभापति नगमा बानो को निलंबित किया जा सकता है।

मकान की छत ढही एक ही परिवार के 3 लोग मलबे में दबे; बेटे व मां की मौत

भरतपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के सेवर थाना इलाके के स्टेडियम नगर में दर्दनाक हादसा हो गया। एक कमरे की छत ढहने से मां बेटी ओर बेटे घायल हो गए। आसपास के लोग तुरंत उन्हें आरबीएम अस्पताल पहुंचे, जहां मां बेटे को मृत घोषित कर दिया। वहीं बेटी को आईसीयू में भर्ती करवाया गया है। मृतक के परिजन नीरज ने बताया कि स्टेडियम नगर में सुरेश का मकान है। सुरेश फल का ठेला लगाता है। सुबह वह अपने काम पर चला गया। घर पर उसकी पत्नी रीना (35), बेटा हितेश(10) और बेटी वर्षा(12) थे। तभी करीब 11 बजकर 30 मिनट पर अचानक सुरेश के मकान के एक कमरे की छत ढह गई। जिसमें रीना, हितेश और वर्षा दब गए। छत गिरने की आवाज और चीखने चिल्लाने की आवाज सुन आसपास के लोग सुरेश के घर पहुंचे। तीनों को मलबे से निकालकर आरबीएम अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टर्स ने रीना और हितेश को मृत घोषित कर दिया। वहीं वर्षा का इलाज जारी है।

आसपास के लोगों ने बताया कि सुरेश के बड़े भाई राधेश्याम का मकान भी उसके बगल में है। जिसमें निर्माण का काम चल रहा था। हो सकता धमक की वजह से सुरेश के मकान की छत ढह गई। फिलहाल रीना और हितेश के शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

बदला लेने के लिए की मां-बेटे की हत्या

झुंझुनू, 23 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के हमीरी कलां गांव में सवा महीने पहले घर के आंगन में सो रहे मां-बेटे की हत्या आरोपी ने पुराना बदला लेने के लिए की थी। आरोपी पवन झाझड़िया पुत्र समंदरसिंह को झुंझुनूं जिले की धनूरी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे गांव के ई-मित्र पर हुई चोरी के मामले में मां-बेटे की ओर से पुलिस को सूचना दिए जाने का शक था। इसका बदला लेने के लिए उसने इस दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया। हत्या के बाद मां-बेटे के चुराए मोबाइल ने उसे पकड़वा दिया।झुंझुनूं एसपी शरद चौधरी ने बताया कि मामले में कई संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ की गई। गांव के युवक पवन झाझड़िया के पीछे भी पुलिस शक के आधार पर लगी हुई थी। मृतक मां-बेटे के मोबाइल को पवन ने चोरी कर लिया था। वह उसे ठीक कराने या बेचने की फिराक में झुंझुनूं की एक दुकान पर आया। वहां पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने मां-बेटे की हत्या करना कबूल कर लिया। उसने बताया है कि गांव के ई-मित्र पर हुई चोरी के मामले में पुलिस को सूचना देने से वह नाराज था। 13 अगस्त 2024 को सुबह हमीरी कलां निवासी माया देवी व उसका बेटा अजय जांगिड़ (25) अपने घर के आंगन में अचेत अवस्था में मिले थे। दोनों के सिर व हाथ पर धारदार हथियार से किए गए चोट के निशान थे। आंगन में खून बह रहा था। पड़ोस में रहने वाली एक महिला को जब मृतक के घर से फर्श पर खून बहता दिखाई दिया तो घटना का पता चला। इसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी थी।

5 नए जिले हो सकते हैं रद्द, आईपीएस ट्रांसफर लिस्ट के बाद मिले बड़े संकेत

जयपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने प्रशासन और पुलिस महकमे में बड़ा बदलाव किया है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी इस सूची में 22 IAS और 58 IPS अधिकारियों के ट्रांसफर किए गए हैं। सरकार ने 6 जिलों के कलक्टर और 15 पुलिस जिलों में एसपी बदल दिए। वहीं 8 आईएएस और 4 आईपीएस अधिकारियों को अतिरिक्त चार्ज भी दिया गया हैं। दरअसल, भजनलाल सरकार ने इस ट्रांसफर लिस्ट में 2 संभागीय आयुक्त और 2 रेंज आईजी भी बदले हैं। 22 आईएएस की इस सूची में कई अधिकारी ऐसे हैं जिनका पिछले दिनों ही तबादला किया गया था।

4 नए जिलों में सौंपा गया अतिरिक्त चार्ज

वहीं, 4 आईपीएस अधिकारियों को अतिरिक्त चार्ज देना भी चर्चा का विषय बन गया है। क्योंकि फरवरी-2024 में जारी तबादला सूची में दो छोटे जिलों (दूदू में शांतनू सिंह और खैरथल-तिजारा में अनिल कुमार) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था, लेकिन कुछ दिन बाद ही खैरथल-तिजारा से आईपीएस अनिल कुमार का तबादला कर दिया गया था। इसके अलावा तबादला सूची में भी चार छोटे जिलों का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। ऐसे में राजस्थान के 5 नए जिलों में अभी पूर्ण रूप से पुलिस अधीक्षक नहीं लगाए गए हैं। इस आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि इन जिलों को सरकार रद्द भी कर सकती है। क्योंकि पूर्ण रूप से पुलिस अधीक्षक ना लगाना कहीं ना कहीं इस चर्चा को बल दे रहा है। देर रात जारी लिस्ट में ममता गुप्ता को सवाई माधोपुर की एसपी के साथ गंगापुर सिटी का, धर्मेंद्र सिंह को भीलवाड़ा एसपी के साथ-साथ शाहपुरा का, ज्ञान चन्द्र यादव को जालोर एसपी के साथ सांचोर का, वंदिता राणा को अजमेर एसपी के साथ केकड़ी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सियासी गलियारों में इन चार जिलों में पूर्ण रूप से पुलिस अधीक्षक ना लगाना इस वजह से भी चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि जिलों को लेकर बनी ललित के पंवार कमेटी पर मदन दिलावर के संयोजन में समीक्षा चल रही है। इसके अलावा शनिवार को सीएम भजनलाल शर्मा ने भी एक कार्यक्रम में जिलों को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि एक जिले पर कितना पैसा खर्च होता है, कितने संसाधन चाहिए उस पर चिंतन तो करना चाहिए था। बिना सोचे-समझे जिलों का फैसला लिया गया था। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद नए जिलों को रद्द करने की चर्चा फिर से शुरू हो गई थी। उल्लेखनीय है कि भजनलाल सरकार ने 17 जिलों के सर्वे के लिए रिटायर्ड आईएएस ललित पंवार की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी गठित की थी। इस कमेटी का काम सभी जिलों में जाकर वहां की भौगोलिक, जनसंख्या, क्षेत्रफल, राजस्व समेत विभिन्न बिंदुओं पर सर्वे कर अपनी रिपोर्ट तैयार करना था। इसको लेकर कमेटी ने अपनी रिपोर्ट तैयार की। ललित पंवार ने गत 31 अगस्त को अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी थी।

कमेटी ने जिन जिलों का परीक्षण किया है उसमें अनूपगढ़, गंगापुर सिटी, कोटपूतली, बालोतरा, जयपुर शहर, खैरथल, ब्यावर, नीमकाथाना, डीग, जोधपुर शहर, फलौदी, डीडवाना, सलूंबर, दूदू, केकड़ी, सांचौर और शाहपुरा शामिल हैं। इसके अलावा राजस्थान में तीन नए संभाग बनाए गए हैं, जिनमें बांसवाड़ा, पाली और सीकर शामिल हैं, इनकी भी समीक्षा की गई है। हालांकि, पत्रावली में जोधपुर और जयपुर ग्रामीण नहीं होने से ये जिले समीक्षा के दायरे में नही आए हैं।

युवक को जन्मदिन पर बुलाकर बनाया अश्लील वीडियो

फिर पति और पत्नी ने रखी डिमांड

भरतपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। एक दंपती की ओर से एक व्यक्ति को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश हो जाने पर उसके अश्लील वीडियो बना लेने, धमकाकर 50 हजार रुपए की नकदी हड़प लेने तथा 4 लाख 50 हजार रुपए की और डिमांड करने का मामला सामने आया है। पीड़ित व्यक्ति की ओर से ब्लैकमेल की इस घटना को लेकर थाना मथुरा गेट पुलिस में दंपती के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया है। दर्ज कराई रिपोर्ट में पीड़ित 56 वर्षीय विष्णुदत्त वर्मा निवासी हाउसिंग बोर्ड जवाहर नगर ने कहा है कि वह वैर में बीईईओ के पद पर कार्यरत है। करीब 6 माह पूर्व राजेंद्र जाटव निवासी गांव सीता वैर अपनी पत्नी और पुत्री के साथ कार्यालय आए और पुत्री को राजस्थान सरकार की ओर से अनुमोदित मुत साइकिल योजना के तहत साइकिल दिलवाने की जिद करने लगे।

सड़कों पर दौड़ रहा है पैंथर

कस्बे में फैली दशहत

झुंझुनू, 23 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के कुछ इलाकों में पैंथर की दहशत बनी हुई है। उदयपुर में आदमखोर पैंथर पकड़े जाने के बाद अब झुंझुनू में भी सड़कों पर पैंथर दौड़ता देखा गया। इसके बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है और डरे-सहमे लोग जिला प्रशासन की तरफ देख रहे हैं। जिले के गुढ़ागौड़जी एक पैंथर पहाड़ी इलाके से कस्बाई इलाके में घुस आया था, जो सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गया है। इसके बाद से लोगों ने वन विभाग को इस पैंथर को तत्काल पकड़ने के लिए कहा है। स्टेट हाईवे की झुंझुनू की तरफ हुकूमपुरा रोड पर पैंथर देखा गया। यह पैंथर दौड़ लगाता हुआ बीच सड़क में आ गया था. सड़क पर पैंथर को दौड़ते देख वाहन चालक एक बार तो सहम गए। पैंथर के सड़क पर घूमने का ये पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है और इसका वीडियो लगातार वायरल हो रहा है। इधर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की है लेकिन वन विभाग की टीम अभी तक एक्शन में दिखाई नहीं दी है। बताया जा रहा है कि पैंथर स्कूल से लगे खेत में छिप गया है। लोगों ने बताया कि आबादी में आने के बाद पैंथर भी घबरा गया है और वह तेजी से इधर-उधर दौड़ लगा रहा है। पैंथर के मूवमेंट की सूचना पर गुढ़ागौड़जी पुलिस मौके पर पहुंची थी और उसने सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले हैं। लोगों का कहना है कि जब तक पैंथर का रेस्क्यू नहीं हो जाता तब तक लोग खौफ में रहेंगे। इधर वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सूचना मिलने के कई घंटों बाद पहुंचे वह भी हाथ खाली। इतना ही नहीं लोगों का कहना है कि वन विभाग ने घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया देनी भी उचित नहीं समझा। बहरहाल वन विभाग की टीम के सुस्त रवैये के कारण लोगों में नाराजगी है।

तीन लोग गंभीर नदी में डूबे

दो को ग्रामीणों ने बचाया

भरतपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के रूपवास थाना इलाके में तीन लोग रोड पार करते समय गंभीर नदी में बह गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने दो लोगों को बचा लिया, लेकिन 1 व्यक्ति गंभीर नदी में बह गया। इसकी सूचना ग्रामीणों ने प्रशासन को दी। जिसके बाद एसडीआरएफ की टीम और रूपवास थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फिलहाल युवक को ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। रूपवास थाना अधिकारी लखन खटाना ने बताया कि घटना कल दोपहर 3 बजे की है। तीन लोग वीरी सिंह, कुंदन निवासी मंगौली थाना फतहपुर सीकरी और पवन निवासी भलेरा गांव जिला आगरा बाइक से देवरी गांव की तरफ आये। खानवां होते हुए गंभीर नदी देवरी गांव तक आ रही है। नदी में पानी ज्यादा होने के कारण सड़क के ऊपर से पानी बह रहा है।

लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप विकास का प्रयास : पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हनमाकोंडा में राज्य के परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप एल्कातुर्थी के विकास का प्रयास होगा। उन्होंने कहा कि जंक्शन के निर्माण, केंद्रीय प्रकाश व्यवस्था की स्थापना, सौंदर्यीकरण और विकास की इच्छा के अनुसार कई जिलों को जोड़ने वाला प्रवेश द्वार एल्कातुर्थी को विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री ने सोमवार को हनमाकोंडा जिले के एल्कातुर्थी मंडल के केंद्र में, सिद्दीपेट, करीमनगर और वारंगल जिलों को जोड़ने वाली मुख्य सड़क के बगल के क्षेत्र के साथ-साथ जंक्शन के निर्माण और केंद्रीय प्रकाश व्यवस्था की स्थापना का निरीक्षण हनमकोंडा जिले के अध्यक्ष इनगाला वेंकटराम रेड्डी के साथ किया। कलेक्टर प्रवीण्य, ग्रेटर वारंगल नगर निगम आयुक्त अश्विनी तानाजी वकाडे और अन्य अधिकारियों ने जांच की।

मल्लू रवि ने अमृत योजना पर केटीआर के आरोपों का खंडन किया

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव की टिप्पणी का खंडन किया है, जिन्होंने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अमृत योजना के तहत अपने साले सृजन रेड्डी को 1,000 करोड़ रुपये के ठेके दिए हैं। सोमवार को यहां एक बयान में मल्लू रवि ने कहा कि केटी रामा राव मुख्यमंत्री के खिलाफ झूठे आरोप लगा रहे हैं, जिनका अमृत योजना से कोई लेना-देना नहीं है। केटीआर ने झूठा दावा किया है कि सृजन रेड्डी मुख्यमंत्री के साले हैं। उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि सृजन रेवंत की पत्नी का अपना भाई नहीं है, बल्कि मायके पक्ष का रिश्तेदार है। लेकिन, केटीआर जनता को गुमराह करने के लिए तथ्यों को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं, उन्होंने कहा। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि अमृत योजना के टेंडर केंद्र सरकार के फंड से ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिए दिए गए थे और इसमें भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं थी। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि केटीआर बिना सोचे-समझे मुख्यमंत्री को इन टेंडरों से जोड़कर उन पर कीचड़ उछालने की कोशिश कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि केटीआर और बीआरएस नेता सीएम रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सरकार की बढ़ती लोकप्रियता को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं, यही वजह है कि वे झूठे आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि दस साल तक भाजपा की सभी जनविरोधी नीतियों का समर्थन करने वाली बीआरएस अब दावा कर रही है कि भाजपा कांग्रेस का समर्थन कर रही है, जो शर्मनाक राजनीति है। टेंडरों के बारे में केटीआर को यह समझने की जरूरत है कि पिछली सरकार ने चार प्रतिशत अधिक मार्जिन पर टेंडर दिए थे, जिससे उनके बेनामी ठेकेदारों को जनता का पैसा लूटने का मौका मिल गया।

एआईएस और सीसीएस अधिकारी प्रशासनिक प्रणाली की रीढ़ : डॉ. शशांक गोयल

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में फाउंडेशन कोर्स शुरू

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान, तेलंगाना सरकार ने देशभर से 231 अखिल भारतीय सेवाओं (एआईएस) और केंद्रीय सिविल सेवाओं (सीसीएस) के अधिकारियों के लिए एक विशेष फाउंडेशन कोर्स शुरू किया है, जो आईएस, आईएफओएस, आईएसएस, आईईएस, आईपीटीएएफएस, आईआरएस, आईएफएस आदि सहित 17 सेवाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। संस्थान के महानिदेशक और सरकार के विशेष मुख्य सचिव डॉ. शशांक गोयल ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि एआईएस और सीसीएस अधिकारी, हमारी प्रशासनिक प्रणाली की रीढ़ हैं, लाखों नागरिकों के जीवन को आकार देते हैं और इस तरह हमारे महान राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। उन्होंने रेखांकित किया, चूंकि प्रभावी शासन का मूल उन लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं को समझना और संबोधित करना है, जिनकी हम सेवा करते हैं, फाउंडेशन कोर्स एआईएस और सीसीएस अधिकारियों को नीति निर्माण, लोक प्रशासन और प्रभावशाली सेवा वितरण के लिए आवश्यक उपकरणों की मजबूत समझ प्रदान करेगा। डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में, यथास्थिति अतीत की बात बन गई है और निरंतर परिवर्तन एक वास्तविकता बन गई है। इसके लिए एआईएस और सीसीएस अधिकारियों को परिवर्तन के पथप्रदर्शक बनने की आवश्यकता है। हालांकि, ऐसा होने के लिए पूर्व शर्त यह है कि सिविल सेवकों को पहले खुद परिवर्तन को अपनाना चाहिए, एक ऐसी मानसिकता अपनानी चाहिए जो परिवर्तन के लिए खुली हो, सीखने के लिए इच्छुक हो और अनुकूलन के लिए तैयार हो, उन्होंने कहा।

डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि वर्तमान समय में काम की विकसित होती दुनिया में, नेतृत्व की सदियों पुरानी नौकरशाही, पदानुक्रमित और कठोर शैलियां उभरती मांगों के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने रेखांकित किया, हमारे जैसे विविधतापूर्ण और गतिशील समाज में, हमें ऐसी नेतृत्व शैली को अपनाना चाहिए जो समावेशी, चुस्त और उत्तरदायी हो। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में सिविल सेवक तकनीकी क्रांति के अग्रिम मोर्चे पर खड़े हैं, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉक-चेन, बिग डेटा, इंटरनेट ऑफ थिंग्स आदि कुशल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित शासन को बढ़ावा देने में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा, सिविल सेवकों के रूप में, आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तकनीकी प्रगति के परिणामस्वरूप समाज के कमजोर वर्गों के जीवन में भी समृद्धि आए। डॉ. शशांक गोयल ने सिविल सेवकों से एक ऐसी संगठन संस्कृति को बढ़ावा देने का आह्वान किया जो नए विचारों और समाधानों का स्वागत करती हो, क्योंकि नवाचार प्रगति की जीवनरेखा है। उन्होंने कहा, प्रभावी संचार किसी भी सफल संगठन की रीढ़ है और सिविल सेवा इसका अपवाद नहीं है। इसलिए, सिविल सेवकों को अपनी भूमिकाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने और उत्कृष्टता के साथ राष्ट्र की सेवा करने के लिए लोगों से अच्छी तरह से जुड़ना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. शशांक गोयल ने पाठ्यक्रम पुस्तिका का विमोचन किया। आकांक्षा कुलश्रेष्ठ, आईआरएस, सहायक निदेशक, एलबीएसएनएए ने उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई।

सब्यसाची घोष आईएएस पदोन्नत

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सब्यसाची घोष आईएएस (1994) को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आईएएस के शीर्ष वेतनमान (वेतन मैट्रिक्स में स्तर-17) में पदोन्नत किया गया। पदोन्नति के परिणामस्वरूप, सब्यसाची घोष, प्रधान सचिव, सरकार, पशुपालन, डीडी एवं एफ विभाग को उसी पद पर बनाए रखा गया है तथा इस पद को विधिवत रूप से सरकार, पशुपालन, डीडी एवं एफ विभाग के विशेष मुख्य सचिव के रूप में पुनः नामित किया जाता है। सब्यसाची घोष, आईएएस, विशेष पशुपालन, डेयरी विकास एवं मत्स्यपालन: उनका प्रारंभिक कार्य वारंगल, विजयनगरम, पश्चिम गोदावरी और करीमनगर जिलों में था। 2000-2004 में, वे राष्ट्रीय खेल, 2002 के लिए विशेष अधिकारी थे। वे मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स (गाचीबोवली स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स + 7 स्टेडियम) को संभालने वाले प्रथम एफ्रो-एशियाई खेलों, 2003 के लिए भी विशेष अधिकारी थे। विशेष अधिकारी के रूप में उन्होंने हैदराबाद में राष्ट्रीय खेल 2003 और हैदराबाद में पहले एफ्रो-एशियाई खेल 2003 के मेगा इवेंट भी आयोजित किए हैं। 2004 से 2011 तक वे पर्यटन, वित्त और खेल विभाग में थे। इस दौरान, उन्हें हैदराबाद में एशियाई विकास बैंक एजीएम 2005 और हैदराबाद में 2007 में सैन्य विश्व खेलों के आयोजन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की अतिरिक्त ज़िम्मेदारियां सौंपी गईं। उन्हें सैन्य विश्व खेल गांव के विकास का अतिरिक्त कार्य सौंपा गया था। 2011 से 2016 तक, वे संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार और उसके बाद तेलंगाना सरकार में उद्योग और वाणिज्य विभाग में सरकार के सचिव थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने खनन, एमएसएमई, हथकरघा और वस्त्र, औद्योगिक अवसंरचना विकास, खाद्य प्रसंस्करण, चमड़ा, खादी और ग्रामोद्योग तथा औद्योगिक संवर्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को संभाला। वे 2015-2016 में एपी राज्य वित्त निगम (तेलंगाना) के प्रबंध निदेशक थे। 2017-2024 तक, वे युवा सेवा विभाग के सचिव/प्रधान सचिव थे।

मक्का किसानों को बंदरों, जंगली सूअरों ने संकट में डाला

23,000 एकड़ में मक्का की हुई थी खेती

सिद्दीपेट, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फसलों पर बंदरों, जंगली सूअरों, तोतों और अन्य पक्षियों के हमलों ने सिद्दीपेट में मक्का किसानों को संकट में डाल दिया है। वार्षकाल सीजन में किसानों ने करीब 23,000 एकड़ में मक्का की खेती की थी। 2,225 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य के मुकाबले अब खुले बाजार में मक्का 3,000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। भारी मुनाफे की उम्मीद में जिले भर में कई किसानों ने मक्का की खेती शुरू कर दी थी। मुनाफा कमाना तो दूर, किसान फसल में अपना निवेश भी वापस नहीं पा सके। नारायणरावपेट मंडल के मलयाला गांव में जब बंदरों के झुंड ने किसान अंजैया के मक्का के खेत पर हमला किया, तो किसान ने फसल की कटाई ही नहीं की, क्योंकि फसल में काटने के लिए कुछ भी नहीं था।

अंजैया ने सरकार से आग्रह किया कि वह जंगली सूअरों को खेतों से भगाने के अलावा बंदरों के आतंक को रोकने के लिए कुछ सार्थक प्रयास करे। थोगुटा मंडल के येल्लारेड्डीपेट कृषि क्लस्टर में तोते ने दर्जनों एकड़ मक्का की फसल खा ली। क्लस्टर के अंतर्गत किसानों ने करीब 400 एकड़ में मक्का की खेती की थी। कटाई का मौसम नजदीक आने पर किसानों को बंपर फसल की उम्मीद थी लेकिन तोते और जंगली सूअरों ने फसल खाकर उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

मद्दुर मंडल के मरमामुला गांव के किसान मनकेला मल्ला रेड्डी ने अपनी दो एकड़ की फसल इसलिए छोड़ दी है क्योंकि बंदरों ने फसल कटने से एक पखवाड़े पहले ही पूरी फसल खा ली। ये तो बस कुछ उदाहरण हैं जो सिद्दीपेट के मक्का किसानों की स्थिति को दर्शाते हैं। येलारेड्डीपेट के कृषि विस्तार अधिकारी (एईओ) टी नागार्जुन ने कहा कि यह धीरे-धीरे किसानों को जिले में मक्का की खेती छोड़ने पर मजबूर कर देगा क्योंकि 30,000 रुपये निवेश और बहुत मेहनत करने के बाद भी उन्हें बदले में कुछ नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह देखकर दुख होता है कि इस वर्ष जिले में अच्छी बारिश होने के बावजूद किसानों को इस संकट का सामना करना पड़ रहा है।

तेलंगाना वैश्विक सड़क सुरक्षा मानकों को लागू करेगा : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए दुनिया भर में इस्तेमाल की जाने वाली उन्नत सड़क निर्माण विधियों को लागू करेगा। इन विधियों में स्मार्ट सड़क प्रौद्योगिकी, बुद्धिमान यातायात प्रबंधन, भविष्य के स्वचालित निर्माण और आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) शामिल हैं। कोमाटिरेड्डी ने कहा कि इन्हें अपनाकर आने वाले दिनों में तेलंगाना में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। सोमवार को सचिवालय में विश्व बैंक के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में मंत्री ने लोगों की जान बचाने के लिए तेलंगाना सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। विश्व बैंक की परिवहन के लिए मुख्य अधिकारी रीनू अनुजा ने विश्व बैंक के समर्थन से विभिन्न भारतीय राज्यों में निष्पादित सड़क निर्माण परियोजनाओं पर एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कैसे तमिलनाडु, राजस्थान, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों ने आईसीटी-आधारित प्रौद्योगिकियों को अपनाकर सड़क दुर्घटनाओं और मौतों में कमी की है। प्रस्तुति में दुर्घटना की रोकथाम में बुद्धिमान यातायात प्रबंधन प्रणालियों के महत्व पर भी चर्चा की गई। रीनू अनुजा ने विस्तार से बताया कि कैसे तेलंगाना सरकार शहरी क्षेत्रों को ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तारित करके, मेगा क्लस्टर विकसित करके, ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से जोड़कर और महिला कौशल केंद्र स्थापित करके राज्य की प्रगति को गति दे सकती है। उन्होंने तेलंगाना में परियोजना वित्तपोषण के लिए अभिनव वित्तीय मॉडल का भी उल्लेख किया। मंत्री कोमाटिरेड्डी ने चिंता व्यक्त की कि सड़क दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोगों की जान जाने के बावजूद पिछली सरकार ने सड़क सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया।

निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर जगत-कल्याण में अपना योगदान दें : डॉ. सर्वेश्वर जी

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा कथा के दूसरे दिवस दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज के शिष्य डॉ. सर्वेश्वर ने बताया कि जब समुद्र मंथन से हलाहल कालकूट विष निकला तो जगत के कल्याण के लिए भगवान शिव ने उस विष का पान कर उसे अपने कण्ठ में धारण कर लिया। जिसके कारण उनका एक नाम नीलकण्ठ भी पड़ गया।

उन्होंने कथा का मर्म समझाते हुए बताया कि भगवान शिव का नीलकण्ठ स्वरूप हमें त्याग व सहनशीलता का गुण अपने जीवन में धारण करने की प्रेरणा देता है। भगवान नीलकण्ठ के भक्त होने के नाते हमारा भी ये कर्तव्य है कि हम भी विषपान करना सीखें। अर्थात निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर जगत के कल्याण में अपना योगदान दें। 'मैं' से 'हम' तक का सफर तय करें। आज मानव अपने स्वार्थ के लिए दूसरों की पीठ में छुरा घोंपते हुए भी संकोच नहीं करता। इन्सान तो क्या, हमने तो बेज़ुबान पशु पक्षियों को भी नहीं छोड़ा। जीभ के क्षणिक स्वाद के लिए आज रोजाना हज़ारों जीव काट दिए जाते हैं। यूं तो हम महादेव के भक्त हैं परंतु शायद हम ये भूल जाते हैं कि महादेव का एक नाम पशुपतिनाथ भी है। अर्थात जो पशुओं के स्वामी हैं। स्वयं ही सोचिये पशुओं की हत्या कर क्या हम अपने पशुपतिनाथ को प्रसन्न कर पाएंगे? इसलिए आवश्यकता है प्रभु के सच्चे भक्त का कर्त्तव्य निभाने की। परपीड़ा को समझ अपने क्षुद्र स्वार्थों का परित्याग करने की। ये तब ही सम्भव है जब ब्रह्मज्ञान के माध्यम से हम नीलकण्ठ का दर्शन अपने घट में प्राप्त करेंगे।

इस अवसर पर कथा पंडाल में शिवरात्रि महोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें भक्तों ने नृत्य कर खूब आनंद प्राप्त किया। कथा के मुख्य यजमान स्व. सीता देवी व बगदाराम कुमावत एवं श्रीमती लक्ष्मी देवी व ओंकार राम चौधरी हैं।

द्वितीय दिवस की कथा के दैनिक यजमान मदनलाल कुमावत और श्रीमती पानी देवी एवं शोषाराम कुमावत थे। उत्सव यजमान सनत दास एवं प्रशांत दास थे। कथा स्थल पर श्रीमती नित्या पारिख, महिला मोर्चा अध्यक्ष, बीजेपी, गोलकोंडा, समाज सेवी मिश्रीलाल कुमावत तथा पापूराम कुमावत की विशेष उपस्थिति रही।

अधिकारी स्वयं हिंदी में काम करें और अपने अधीनस्थों को प्रेरित करें : लोकेश

दमरे हैदराबाद मंडल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे में लोकेश विश्नोई, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी तथा मंडल रेल प्रबंधक/हैदराबाद की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 179वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में एम.ए.रहमान अपर मंडल रेल प्रबंधक, ए.के.सिंह, मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति सहित सभी शाखा अधिकारियों ने भाग लिया। आशा महेश कुमार, राजभाषा अधिकारी ने अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि हैदराबाद मंडल पर 14 से 27 सितंबर तक हिंदी पखवाडा मनाया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। बैठक के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने हैदराबाद मंडल की हिंदी ई-पत्रिका हैदराबाद दर्पण का विमोचन किया गया। इस प्रयास के लिए राजभाषा विभाग को बधाई देते हुए अध्यक्ष ने सभी शाखा अधिकारियों को सुझाव दिया कि अपने-अपने विभाग से संबंधित सामान्य व तकनीकी लेख अगले प्रकाशन में अवश्य शामिल करने हेतु सभी को प्रोत्साहित करें। अध्यक्ष ने सभी को हिंदी दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कार्यालय के प्रधान के रूप में उन्होंने सभी से अपील की कि सभी अधिकारी स्वयं हिंदी में काम करें और अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को अधिक से अधिक काम हिंदी में करने के लिए प्रेरित करें। राजभाषा अधिकारी ने राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम के आधार पर राजभाषा प्रगति से संबंधित विभिन्न मदों पर विस्तार से चर्चा की और पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने अगली तिमाही की कार्ययोजना प्रस्तुत की।

महाप्रसादम में मिलावट के विरोध में रैली

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा पार्षद जामबाग मंडल राकेश जायसवाल ने आज टीटीडी तिरुपति के महाप्रसादम तैयार करने के लिए मिलावटी खाद्य तेल की आपूर्ति में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर एक विरोध रैली का आयोजन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने हिंदू सनातन धर्म के खिलाफ जिस तरह का कृत्य किया है वह निंदनीय है। इससे हिंदू समाज के बडे वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंची है। इसलिए प्रसादम घी में अपवित्र चर्बी व अन्य चीजों को मिलाने वालों पर कडी कार्रवाई की जाए। श्री जायसवाल ने आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबु नायुडू और उपमुख्यमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से जल्द से जल्द हिंदी सनातन धर्म बोर्ड बनाने की अपील की है।

कोमा में चला गया इंटर का छात्र

कॉलेज की इमारत से गिरने पर सिर में लगी चोट

खम्मम, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के एक निजी कॉलेज की इमारत से गिरकर इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष का एक छात्र घायल हो गया। छात्र एम लोकेश को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया और बताया गया कि वह कोमा में है। उसके परिवार के सदस्यों के अनुसार छात्र के सिर में चोट लगी है और इमारत की तीसरी मंजिल से गिरने के कारण उसके हाथ-पैर टूट गए हैं। कॉलेज प्रबंधन ने कथित तौर पर परिवार के सदस्यों को बताया कि लड़के ने आत्महत्या का प्रयास किया, लेकिन परिवार के सदस्यों ने प्रबंधन के बयान से इनकार किया। प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर परिवार के सदस्यों और छात्र संगठनों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति पैदा होने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि वे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं और घटना के बारे में जानने के लिए लड़के के सहपाठियों से पूछताछ कर रहे हैं। परिवार के सदस्यों ने अभी तक घटना के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

आयुर्वेद पर जागरूकता अभियान

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज, हैदराबाद द्वारा एनीमिया और आयुर्वेद पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। 23 सितंबर को राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद द्वारा पारंपरिक खाद्य पदार्थों और स्वास्थ्य में उनकी भूमिका पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। एन.आई.आई.एम.एच, के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में एक सदस्य दल ने मॉर्निंग स्टार हाई स्कूल, गड्डीअनारम का दौरा किया तथा छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों में प्रादेशिक आहार और स्वस्थ जीवन शैली प्रथाओं के बारे में जागरूकता उत्पन्न की। डॉ. वैरामुथु, एस.आर.एफ (आयु) ने पारंपरिक व्यंजनों का स्वास्थ्यवर्धक लाभ पर एक व्याख्यान दिया और डॉ. भार्गवी, एस.आर.एफ (आयुर्वेद) ने आयुर्वेद में वर्णित आहार विधि के महत्व के बारे में बात की। के. श्रीनिवास राव, एल.आई.ए ने संस्थान द्वारा आयोजित आई.ई.सी गतिविधियों की बारें में जानकारी देकर उन्हें आई.ई.सी सामग्री का वितरत किया ।

अंतर्राष्ट्रीय बेटी दिवस मनाया

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भावसार विजन इंडिया हैदराबाद क्षेत्र -104 द्वारा आयोजित अनंतजी बागोर (गीता आचार्य गुरुजी) द्वारा आधुनिक खतरों से अपनी बेटियों को कैसे बचाएं एस विषय पर एक स्पीकर मीटिंग आयोजित की गयी। अंतर्राष्ट्रीय बेटी दिवस पर यह हमारी बेटियों को दिया जाने वाला सबसे अच्छा उपहार है। इस मीटिंग में बडी संख्या में युवक एवं युवतियां शामिल हुए। इस अवसर पर उपस्थित मनीष सुत्रावे (राष्ट्रीय मंत्री), विनोद फुटाने (गर्वनर) मोहन राव देवतराज (डिप्टी गर्वनर), प्रवीण पतंगे (अध्यक्ष), श्रीमती अर्चना एम. बासुतकर (मंत्राणी), श्रीमती अश्विनी पतंगे (प्रोजक्ट सर्विस) घनश्याम पतंगे (कोषाध्यक्ष) ने भाग लिया। सभी भावसार सदस्यों को उपहार वितरित किए गए। भावसार गॉट टैलेन्ट प्रतियोगिता में सभी विजेताओं को पुरस्कार दिया गया। भावसार विजन इंडिया द्वारा होने जा रहे वार्षिक उत्सव पर विशेष चर्चा की गयी ।

सरकारी स्कूल के छात्रों ने की कीड़ेयुक्त भोजन की शिकायत

कोडंगल, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोडंगल के गुंडमाल मंडल के कोम्मुरु गांव के प्राथमिक और जिला परिषद् स्कूल के छात्र शिकायत कर रहे हैं कि उनके लिए खाना पकाने में कीड़े लगे चावल का इस्तेमाल किया जा रहा है। मामले की जानकारी मिलने के बाद कोडंगल के पूर्व विधायक पटनम नरेंद्र रेड्डी ने कुछ अन्य स्थानीय नेताओं के साथ सोमवार को स्कूल का दौरा किया। जब नेताओं ने स्टोर रूम का निरीक्षण किया तो उन्हें चावल के बैग में कीड़े मिले। कीड़े लगे चावल के वीडियो अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए गए।

रामनगर स्थित सीरवी समाज तेलंगाना हैदराबाद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग का राजस्थानी साफे, पुष्प-माला व शॉल से सम्मानकर शुभकामनाएँ देते हुए अरिहन्त परिवार ग्रूप के सदस्य व प्रवासी बन्धु।

नारायणपेट के गांवों में तेंदुए का डर

नारायणपेट, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के दामरागिड्डा मंडल के कुछ गांवों में तेंदुए का आतंक छाया हुआ है। बापनपल्ली गांव में तेंदुए द्वारा एक बकरी पर हमला कर उसे मार डालने के बाद शनिवार से ग्रामीण अपने खेतों में जाने से डर रहे हैं। एक चरवाहे ने गांव वालों को तेंदुए द्वारा बकरी को मारे जाने की सूचना दी। इसके बाद बापनपल्ली, क्यातनपल्ली, वड्डुगुंडला और कामसनपल्ली के गांव वाले रात में बाहर निकलने से डरने लगे। उन्होंने वन अधिकारियों से शिकायत की, जिन्होंने तुरंत तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगा दिया।

शिकायत के आधार पर एक टीम ने गांव का निरीक्षण किया और वहां तेंदुए के पैरों के निशान और मल पाया। एक वन अधिकारी ने बताया कि कर्नाटक की सीमा पर स्थित यह क्षेत्र पहाड़ियों से भरा हुआ है और पहले भी इस क्षेत्र में तेंदुए घूमते हुए देखे गए हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

शतरंज ओलंपियाड में मिली ऐतिहासिक जीत पर पीएम मोदी ने खिलाड़ियों को सराहा

आनंद ने भी दी बधाई

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने पर पुरुष और महिला शतरंज टीमों को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उल्लेखनीय उपलब्धि भारत के लिए खेलों में नए अध्याय का प्रतीक है। भारत ने इतिहास रचते हुए पुरुष और महिला टीम वर्ग में खिताब जीते थे। यह पहली बार था जब भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

भारत ने रचा था इतिहास

भारत के पुरुष और महिला शतरंज खिलाड़ियों ने इतिहास रचते हुए 45वें शतरंज ओलंपियाड में विजेता बनने का गौरव हासिल कर लिया था। शतरंज ओलंपियाड के 97 साल के इतिहास में पहली बार भारतीय बेटों और बेटियों ने स्वर्ण जीता है। पुरुष टीम ने 11वें और अंतिम दौर में स्लोवेनिया को 3.5-0.5 से हराया और महिला टीम ने अजरबैजान को इसी अंतर से हराया।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, भारत के लिए ऐतिहासिक जीत। हमारे दल ने 45वां फिड शतरंज ओलंपियाड जीता। भारत ने शतरंज ओलंपियाड में ओपन और महिला वर्ग दोनों में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। महिला और पुरुष शतरंज टीमों को बधाई। यह उल्लेखनीय उपलब्धि भारत के लिए खेलों में नए अध्याय का प्रतीक है। यह सफलता शतरंज की आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

विश्वनाथन आनंद भी टीम की सफलता से हुए खुश

दिग्गज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने भी शतरंज ओलंपियाड में पहली बार स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पुरुष और महिला टीमों को बधाई देते हुए इसे हैरतअंगेज खेल का नतीजा बताया। आनंद ने एक्स पर लिखा, भारतीय पुरुष टीम को ओलंपियाड में एक दौर शेष रहते हुए जीत दर्ज करने पर बधाई। ऐतिहासिक प्रदर्शन। निश्चित तौर पर हैरतअंगेज खेल। डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी को व्यक्तिगत सफलता के लिए बधाई। भारतीय महिला टीम को भी बधाई। पूरी टीम और कप्तान अभिजीत कुंटे ने शानदार परिणाम हासिल किया। विशेष रूप से दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई।

टूर्नामेंट में अजेय रही भारतीय पुरुष टीम

डी गुकेश, अर्जुन एरिगेसी, आर प्रज्ञानंद, विदित गुजराती और पी हरिकृष्णा की पुरुष टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही और कुल 22 में से 21 अंक हासिल किए। पुरुषों में अमेरिका ने रजत और उज्बेकिस्तान ने कांस्य जीता। डी हरिका, आर वैशाली, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव की महिला टीम ने 19 अंक हासिल किए। कजाकिस्तान को रजत और अमेरिका को कांस्य मिला भारतीय खिलाड़ियों का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी शानदार रहा। इससे पहले 2014 और 2022 में भारतीय पुरुष टीम ने कांस्य और महिलाओं ने 2022 में कांस्य पदक जीता था।

कानपुर टेस्ट में कुलदीप यादव की हो सकती है एंट्री

सिराज का कट सकता है पत्ता

कानपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरे टेस्ट मैच को लेकर बीसीसीआई बीते दिन ही टीम इंडिया के 16 सदस्यीय स्क्वाड का ऐलान कर चुकी है। भारतीय टीम के स्क्वाड में कोई बदलाव नहीं हुआ है लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक प्लेइंग इलेवन में कप्तान रोहित शर्मा एक बदलाव कर सकते हैं। कानपुर टेस्ट की प्लेइंग इलेवन से मोहम्मद सिराज का पत्ता कट सकता है, तो वहीं एक धाकड़ गेंदबाज को मौका मिल सकता है।

सिराज की जगह कुलदीप यादव को मिल सकता है मौका

चेन्नई टेस्ट मैच में मोहम्म सिराज का प्रदर्शन ठीकठाक रहा था। इस मैच में सिराज महज 2 विकेट लेने में ही कामयाब हो पाए थे। ये दोनों विकेट सिराज ने पहली पारी में हासिल किए थे, जबकि दूसरी पारी में उनका खाता नहीं खुला था। वहीं दूसरी तरफ कानपुर में स्पिन गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिलती है और इस मैदान पर तेज गेंदबाजों के मुकाबले स्पिन गेंदबाजों ने ज्यादा विकेट चटकाए हैं। जिसको देकते हुए मोहम्मद सिराज का पत्ता कट सकता है।

कुलदीप यादव की हो सकती है एंट्री

दूसरे टेस्ट मैच में कुलदीप यादव को कप्तान रोहित शर्मा मौका दे सकते हैं। पहले टेस्ट मैच में आर अश्विन और रवींद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी को खेलते हुए देखा गया था, तो वहीं अब कानपुर टेस्ट में कुलदीप यादव की भी एंट्री हो सकती है। घर पर कुलदीप ने 8 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 35 विकेट अपने नाम किए हैं।

कानपुर स्टेडियम के आंकड़े

कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में अभी तक 32 मैच खेले गए हैं। जिसमें स्पिन गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिला है।

जहां एक तरफ एस मैदान पर तेज गेंदबाजों ने 260 विकेट चटकाए हैं तो वहीं स्पिनर्स ने इस मैदान पर 346 हासिल किए हैं। जिसके चलते कप्तान रोहित शर्मा दूसरे टेस्ट मैच में तीन स्पिनर्स के साथ मैदान पर उतर सकती है।

एडन मार्करम ने अटकाया रोड़ा

अफगानिस्तान क्लीन स्वीप से चूका, 102 गेंद पहले साउथ अफ्रीका ने जीता तीसरा वनडे

खेल डेस्क, 23 सितंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को तीसरे और आखिरी वनडे में 7 विकेट से हरा दिया. इसी के साथ 3 वनडे की सीरीज में क्लीन स्वीप करने के अफगानिस्तान के मंसूबे पर पानी फिर गया. इससे पहले 2 वनडे जीतकर अफगानिस्तान सीरीज को पहले ही अपने नाम कर चुका था. ऐसे में तीसरा मैच वो सीरीज में क्लीन स्वीप के इरादे से खेल रहा था. पर इस मैच में उसके लिए कुछ भी अच्छा होता नहीं दिखा. साउथ अफ्रीका के सामने उसने जो टारगेट रखा वो इतना मामूली सा था कि एडन मार्करम ने अपनी नाबाद पारी से उस पर 102 गेंद पहले ही चेज होने की मुहर लगा दी.

शारजाह में खेले तीसरे वनडे में अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग की, पर वो 50 ओवर भी नहीं खेल पाए. पूरी टीम 34 ओवर में 169 रन बनाकर ही ऑल आउट हो गई. अफगानिस्तान की टीम ने इतना छोटा स्कोर तब बनाया, जब अकेले रहमानुल्लाह गुरबाज ने 89 रन बनाए. गुरबाज ने ये रन 119 गेंदों का सामना कर 7 चौके और 4 छक्के की मदद से बनाए.

साउथ अफ्रीका को तीसरा वनडे जीतने के लिए 170 रन बनाने का आसान लक्ष्य मिला, जिसे उसने 33 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया. इस तरह साउथ अफ्रीका ने 17 ओवर यानी 102 गेंद शेष रहते मुकाबले को 7 विकेट से जीत लिया. साउथ अफ्रीका को जीत दिलाने में एडन मार्करम की बड़ी भूमिका रही, जो टीम को जीत दिलाकर नाबाद लौटे.

एडन मार्करम ने 102 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से बैटिंग करते हुए 102 गेंदें बचे रहते जीत दिलाई. उन्होंने साउथ अफ्रीका के लिए 67 गेंदों का सामना कर नाबाद 69 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 3 छक्के शामिल रहे. इस इनिंग के दौरान उन्होंने चौथे विकेट के लिए ट्रिस्टन स्टब्स के साथ शानदार अर्धशतकीय साझेदारी भी की. ट्रिस्टन स्टब्स भी 26 रन बनाकर नाबाद रहे.

हालांकि, साउथ अफ्रीका को तीसरे वनडे में जीत दिलाने के बाद भी एडन मार्करम को प्लेयर ऑफ द मैच नहीं दिया गया. ये अवॉर्ड रहमानुल्लाह गुरबाज को मिला. गुरबाज ही प्लेयर ऑफ द सीरीज भी बने क्योंकि उन्होंने 3 पारियों में 64.66 की औसत से 194 रन जड़े हैं.

साउथ अफ्रीका की ओर से एडन मार्करम ही सबसे सफल बल्लेबाज रहे, जिन्होंने 3 पारियों में 92 रन बनाए.

श्रीलंका ने फिटनेस के चलते टीम से प्रभात जयसूर्या को किया बाहर

उसी ने जिताया मैच, गॉल टेस्ट में न्यूजीलैंड को हराया

गॉल, 23 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका ने गॉल टेस्ट में न्यूजीलैंड को 63 रन से हरा दिया. इसी के साथ उसने 2 टेस्ट की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है. श्रीलंका की जीत में जयसूर्या का जादू चला. जी हां, यकीनन ये जादू कोच सनथ जयसूर्या का तो है ही लेकिन मैदान पर जो जादू देखने को मिला वो प्रभात जयसूर्या का रहा. श्रीलंका की क्रिकेट में प्रभात जयसूर्या के चमकने की कहानी बड़ी दिलचस्प है. ये वही खिलाड़ी हैं, जिन्हें कभी फिटनेस के चलते टीम से बाहर कर दिया गया था. लेकिन, न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 विकेट लेकर उन्होंने जीत में सबसे अहम रोल निभाया.

गॉल टेस्ट में श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिए 275 रन का लक्ष्य रखा था. न्यूजीलैंड के पास इस मैच को जीतने का अच्छा मौका भी था और वक्त भी पूरा था. लेकिन, सबकुछ फेवर में होते हुए भी वो गॉल के किले पर कब्जा नहीं कर सके. न्यूजीलैंड की इस हसरत में श्रीलंका के बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या बड़ा रोड़ा बन गए.

गॉल टेस्ट का रोमांचक अंत, जीत से 63 रन दूर रहा न्यूजीलैंड

275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 8 विकेट पर 207 रन बना लिए थे. न्यूजीलैंड के लिए अच्छी बात ये थी रचिन रवींद्र 91 रन पर नाबाद थे. 5वें दिन श्रीलंका को जीत के लिए जहां दो विकेट और चटकाने थे वहीं न्यूजीलैंड को बाकी बचे 68 रन बनाने थे. इस रन को चेज करने न्यूजीलैंड की टीम जब उतरी तो ज्यादा देर विकेट पर टिक नहीं सकी. आधे घंटे के अंदर ही उसके दोनों विकेट गिर गए. 5वें दिन न्यूजीलैंड के बाकी बचे दोनों विकेट प्रभात जयसूर्या ने निकाले और इसी के साथ मुकाबला श्रीलंका ने जीत लिया.

गॉल टेस्ट में श्रीलंका को मिली जीत में प्रभात जयसूर्या हीरो रहे, जिन्होंने दोनों पारियों को मिलाकर कुल 9 विकेट लिए. उन्होंने पहली पारी में 4 विकेट जबकि दूसरी इनिंग में 5 विकेट झटके. श्रीलंका के लिए इंटरनेशनल डेब्यू प्रभात जयसूर्या ने साल 2018 में किया था. लेकिन, उसके बाद उन्हें फिटनेस का हवाला देकर टीम से बाहर कर दिया गया था. उन्होंने टेस्ट डेब्यू साल 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया. इस सीरीज के लिए अनफिट करार दिए जयसूर्या को श्रीलंका को मजबूरी में बुलाना पड़ा था क्योंकि उसके 4 खिलाड़ी कोरोना की चपेट में आ गए थे. श्रीलंकाई टीम में फिर से मिले उस मौके के बाद प्रभात जयसूर्या ने पीछे मुड़कर नहीं देखा.

गॉल में श्रीलंका की 25वीं जीत

गॉल में न्यूजीलैंड को हराते ही श्रीलंका ने साल 2000 से अब तक किसी एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा 25 टेस्ट मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाया है. श्रीलंका ने गॉल में अपनी 25वीं जीत की सक्रिप्ट यहां खेले 43 टेस्ट मैचों में लिखी. इस दौरान इंग्लैंड ने भी लॉर्डस में 25 जीत दर्ज की है पर उसने 48 टेस्ट खेले हैं.

विराट कोहली ने झुककर खास अंदाज में दिया अश्विन को सम्मान

नई दिल्ली, 23 सितंबर, (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 280 रनों से अपने नाम किया। बांग्लादेश को 515 रनों का टारगेट मिला था, जिसके जवाब में टीम 234 रनों पर ही सिमट गई। भारत की इस जीत में स्टार ऑलराउंडर आर अश्विन का अहम रोल रहा, जिन्होंने गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी अहम योगदान दिया। ऑफ स्पिनर ने बांग्लादेश के खिलाफ पहली पारी में जोरदार शतक जड़ा जबकि दूसरी पारी में छह विकेट लेकर टीम की जीत पर मुहर लगा दी।

अश्विन ने बांग्लादेश की दूसरी पारी में मेहदी हसन मिराज को आउट कर अपने पांच विकेट पूरे किए। अश्विन फाइव विकेट हॉल पूरा करने पर टीम के साथ जश्न मना रहे थे। यहां अश्विन के सामने विराट कोहली ने बधाई देने के लिए सिर झुकाया। उनका यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है। विराट की बात करें तो यह खिलाड़ी बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में कुछ खास नहीं कर पाया।

टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय बाद वापसी करने वाले विराट चेन्नई टेस्ट की पहली पारी में सस्ते में आउट गए। उन्हें यहां हसन महमूद ने लिटन दास के हाथों कैच आउट कराकर उनकी पारी छह रनों पर ही समाप्त कर दी। विराट की यह खराब फॉर्म दूसरी पारी में भी जारी रही और वो 17 रन बनाकर मेहदी हसन मिराज का शिकार बने। विराट को बांग्लादेशी गेंदबाज ने एलबीडब्ल्यू आउट किया।

अश्विन को मैच में जोरदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ पहली पारी में 113 रन बनाए। अश्विन ऐसे समय में बैटिंग करने आए, जब टीम 144 रनों पर छह विकेट गंवा चुकी थी। उन्होंने यहां से रविंद्र जडेजा संग सातवें विकेट के लिए 199 रन जोड़े। अश्विन ने बल्ले के साथ-साथ गेंद से भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए दूसरी पारी में छह विकेट झटककर बांग्लादेश को 234 रनों पर समेट दिया।

डेब्यू में देरी, बीसीसीआई से बगावत, फिर गुस्से में लिया संन्यास

विवादों से घिरा रहा अंबाती रायुडू का करियर

मुंबई, 23 सितंबर (एजेंसियां)। अंबाती रायुडू आज यानि 23 सितंबर को अपना 39वां जन्मदिन मना रहे हैं. घरेलू क्रिकेट में रायुडू ने आंध्रप्रदेश के साथ हैदराबाद, बड़ौदा और विदर्भ के लिए भी खेला है. वहीं आईपीएल में मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल चुके हैं. अपने गुस्से और झगड़ों के लिए मशहूर रायुडू का क्रिकेटिंग करियर बेहद विवादित रहा है. वो हमेशा किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में बने रहे. रायुडू के गुस्से ने उनका काफी नुकसान किया. इसलिए कभी भारत के सबसे बड़े बल्लेबाजों में गिनती होने वाले रायुडू का इंटरनेशनल करियर सिर्फ 6 सालों में ही खत्म हो गया. इतना ही नहीं इस दौरान पहले उनके डेब्यू में देरी हुई और टीम में आने के बाद भी वो कोई टेस्ट या वर्ल्ड कप मैच नहीं खेल सके.

अंबाती रायुडू ने साल 2002 में इंग्लैंड दौरे पर महज 16 साल की उम्र में नाबाद 177 रन की पारी खेली थी. उनकी इस पारी की बदौलत भारत की अंडर-19 टीम ने इंग्लैंड को बुरी तरह हराया था. इससे रायडू क्रिकेट एक्सपर्ट्स की नजरों में आ गए थे. इसके बाद उन्होंने रणजी ट्रॉफी में हैदराबाद के लिए एक ही मैच में पहले दोहरा शतक, फिर शतक जड़कर सनसनी मचा दी थी. रायुडू यहीं तक नहीं रुके. उनकी कप्तानी में 2004 के अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत ने सेमीफाइनल तक पहुंची थी. इतना टैलेंट दिखाने के बाद माना जा रहा था कि वो कम उम्र में ही टीम इंडिया के लिए डेब्यू कर लेंगे. लेकिन रायुडू के गुस्से ने उनका नुकसान करा दिया. इसका नतीजा रहा कि 20-21 साल की उम्र में डेब्यू करने के बजाय 27 साल की उम्र में उन्हें मौका मिला. रायुडू ने 24 जुलाई 2013 को जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था. इसके बाद भी वह टीम से अंदर बाहर होते रहे.

अंबाती रायुडू ने सिर्फ 16 साल की उम्र में फर्स्ट क्लास में हैदराबाद की ओर से डेब्यू कर लिया था. साल 2004 अंडर-19 वर्ल्ड कप के बाद रणजी ट्रॉफी में भी उनके खराब प्रदर्शन का सिलसिला जारी रहा. इस बीच हैदराबाद के कोच राजेश यादव से उनकी तकरार हो गई, जिसके बाद वे टीम को छोड़कर आंध्रपदेश के लिए खेलने चले गए. रणजी ट्रॉफी के एक मैच के दौरान हैदराबाद के खिलाड़ियों से उनकी लड़ाई हो गई थी. तब हैदराबाद की ओर से खेल रहे अर्जुन यादव ने उन पर स्टम्प से हमला कर दिया था. रायुडू अभी इस विवाद से उभरे ही थे कि 2007 बीसीसीआई से बगावत करके फिर से सुर्खियों में आ गए. दरअसल, बीसीसीआई की मनाही के बावजूद वो इंडियन क्रिकेट लीग में खेलने के लिए चले गए थे. तब बीसीसीआई ने इस लीग को मान्यता नहीं दी थी. ऐसे में बीसीसीआई ने टीम इंडिया और बोर्ड से जुड़े सभी टूर्नामेंट्स से बैन कर दिया था.

लगातार हार झेल रही पाकिस्तान टीम की हालत खस्ता

सूरत बदलने के लिए पीसीबी ने उठाया बड़ा कदम

इस्लामाबाद, 23 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के साथ कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। टीम को एक के बाद एक लगातार हार झेलनी पड़ रही है। टीम पहले टी-20 वर्ल्ड कप में अमेरिका और भारत जैसी टीमों से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। टीम का यहां बोरिया बिस्तर पहले राउंड में ही बंध गया था। टीम की हालत जस की तस रही और रही सही कसर बांग्लादेश ने पूरी कर दी, जहीं पड़ोसी देश ने पाकिस्तान को उन्हीं की सरजमीं पर टेस्ट सीरीज में बुरी तरह पीट दिया।

टीम की ऐसी हालत देखकर कप्तान बाबर आजम और टीम मैनेजमेंट पर सवाल उठाए जा रहे हैं। टीम की सूरत बदलने के लिए अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा फैसला लिया है। इस कड़ी में पीसीबी ने लाहौर में सोमवार को एक स्थानीय होटल में स्पेशल कैम्प रखा है। इस कैम्प का उद्देश्य पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य को लेकर एक स्पष्ट राय रखनी है। बोर्ड ने बताया है कि इस कैम्प में टीम के नौ बड़े खिलाड़ी शामिल होंगे।

कैम्प में शामिल होंगे ये 9 बड़े खिलाड़ी

कैम्प में जो खिलाड़ी शामिल होंगे, उनमें पाकिस्तान के लिमिटेड ओवर्स के कप्तान बाबर आजम, फखर जमां, मोहम्मद रिजवान, सईम अयूब, सलमान अली आगा, सऊद शकील, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी और पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद शामिल हैं। कैम्प में पूरा कोचिंग स्टाफ भी शामिल होगा, जिनमें हेड कोच जेसन गिलेस्पी और गैरी कर्स्टन, असिस्टेंट कोच अजहर महमूद और हाई परफॉर्मेंस स्पेशलिस्ट डेविड रीड शामिल हैं।

पाकिस्तान का आगामी शेड्यूल

बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में दो टेस्ट मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान का सूपड़ा साफ हो गया था। टीम के सामने अब इंग्लैंड की चुनौती होगी, जो तीन मैच की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए 2 अक्टूबर को पाकिस्तान पहुंचने वाली है। यह सीरीज 7 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक चलेगी। इसके बाद टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 नवंबर से 19 नवंबर के बीच तीन-तीन मैचों की वनडे और टी-20 सीरीज खेलेगी।

गांधी अस्पताल में बीआरएस तथ्य-खोजी समिति के सदस्य गिरफ्तार

> अस्पताल में प्रवेश करने से रोका
> अस्पताल में बड़ी संख्या में तैनात रहे पुलिसकर्मी
>केटीआर ने सीएम पर कसा तंज

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने सोमवार को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा पर बीआरएस तथ्य-खोज समिति के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया, जिसका गठन गांधी अस्पताल में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर का अध्ययन करने तथा तेलंगाना भर में सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करने के लिए किया गया था। उन्हें गांधी अस्पताल में प्रवेश करने से रोका गया तथा नारायणगुडा पुलिस थाने में स्थानांतरित करने से पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

जैसे ही समिति गांधी अस्पताल का दौरा करने वाली थी, बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी समिति के सदस्यों के घरों पर पहुंच गए, जिनमें अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ.टी राजैया, विधायक डॉ. कलवकुंतला संजय और पूर्व विधायक डॉ. मेटुकू आनंद शामिल थे और उन्हें अस्पताल जाने से रोकने की कोशिश की। हालांकि, संजय और आनंद बीआरएस विधायक और जिला अध्यक्ष मगंती गोपीनाथ के साथ गांधी अस्पताल पहुंचने में कामयाब रहे, जहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। बीआरएस नेताओं के निर्धारित दौरे से पहले अस्पताल में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

समिति के सदस्यों ने कहा कि वे डॉक्टर के तौर पर गांधी अस्पताल का दौरा कर रहे हैं, ताकि तथ्यों का पता लगा सकें और सरकार को सुझाव दे सकें। उन्होंने यह भी कहा कि इस पहल का उद्देश्य मुद्दे का राजनीतिकरण करना नहीं है।

उन्होंने पूछा कि सरकार हमारे अस्पताल जाकर हालात की जांच करने से क्यों चिंतित है? क्या सरकार गांधी अस्पताल में मातृ एवं शिशु मृत्यु के मुद्दे को छिपा रही है या उन्हें डर है कि उनके प्रशासन की विफलता उजागर हो जाएगी?

स्थानीय सरकारी अस्पतालों के दौरे से पहले वारंगल में बीआरएस विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों से इसी तरह की गिरफ्तारियां हुईं। गिरफ्तारियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने अनुभवी डॉक्टरों वाली एक तथ्य-खोज समिति को सरकारी अस्पतालों में जाने से रोकने के प्रयास के लिए कांग्रेस सरकार पर हमला किया। उन्होंने गिरफ्तारियों की निंदा की और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की।

उन्होंने पूछा कि यह पहली बार हुआ होगा! तथ्य-खोज समिति के सदस्यों को गिरफ्तार करना? आखिर इस सरकार को किस बात का डर है? सच्चाई सामने आने से? उनकी घोर अक्षमता उजागर होने से। उन्होंने कहा कि अगर छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो बीआरएस तथ्य-खोज समिति को जांच करने दें क्योंकि रिपोर्ट से केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार होगा और सिस्टम में सड़ांध उजागर होगी।

ग्रामीणों ने किया रास्ता रोको प्रदर्शन

नगर निगम में विलय के हैं खिलाफ

करीमनगर, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को दुर्शाद और गोपालपुर के लोगों ने दुर्शाद स्थित राजीव राहदारी पर रास्ता रोको प्रदर्शन किया और अधिकारियों से उनके गांवों को करीमनगर नगर निगम में विलय करने के प्रस्ताव को वापस लेने की मांग की। राजनीतिक संबद्धता से परे, सभी राजनीतिक दलों के नेता, किसान, कृषि और मनरेगा मजदूर और अन्य लोग विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने अधिकारियों से प्रस्ताव वापस लेने की मांग करते हुए नारे लगाए। उन्होंने कहा कि दुर्शाद और गोपालपुर पूरी तरह से कृषि आधारित गांव हैं। अगर उनके गांवों को निगम में मिला दिया गया तो खेत मजदूर और मनरेगा कर्मचारी बेरोजगार हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां गांवों में घुसकर उनकी जमीनों पर जबरन कब्जा कर लेंगी। इसके अलावा, अगर गांवों को निगम में शामिल कर लिया गया तो करों का प्रतिशत भी बढ़ जाएगा। 2019 में अधिकारियों ने गांवों को निगम में विलय करने की कोशिश की थी, लेकिन स्थानीय विधायक और तत्कालीन मंत्री गंगुला कमलाकर के हस्तक्षेप से प्रस्ताव वापस ले लिया गया था। उन्होंने कमलाकर से मुलाकात की और उनसे गांवों को एमसीके में विलय न करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, जिन्होंने 2018 के चुनावों में करीमनगर विधानसभा क्षेत्र में हार के बाद उनसे दुश्मनी पाल ली थी, गांवों को निगम में विलय करके उनसे बदला लेने की कोशिश कर रहे हैं।

बुराइयों को दूर करने के लिए तिरुमाला मंदिर में किया गया शांति होमम

तिरुमला, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुराइयों को दूर करने और श्रीवारी भक्तों की भलाई के साथ-साथ लड्डू प्रसादम और अन्य नैवेद्यम की पवित्रता को बहाल करने के लिए सोमवार की सुबह तिरुमाला मंदिर की यज्ञशाला में वैखानसा आगम के सिद्धांतों के अनुसार शुद्धिकरण अनुष्ठान शांति होमम मनाया गया। पवित्र कार्यक्रम के पूरा होने के बाद मंदिर के बाहर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, टीटीडी ईओ जे श्यामला राव, अतिरिक्त ईओ वेंकय्या चौधरी के साथ कहा कि पवित्र अनुष्ठान एक पाप मुक्त अनुष्ठान था। इसके एक भाग के रूप में, ऋत्विकों द्वारा वास्तु शुद्धि, कुम्भजला संप्रोक्षण किया गया। भक्त लड्डू प्रसादम और नैवेद्यम की गुणवत्ता के बारे में अपनी आशंकाओं और गलतफहमियों को दूर कर सकते हैं। बाद में, मंदिर के मुख्य पुजारियों में से एक वेणुगोपाल दीक्षितुलु और आगम सलाहकार मोहनरंगाचार्युलु ने धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला पर जानकारी देते हुए कहा कि सुबह 6 बजे से 10 बजे तक यज्ञशाला में संकल्पम, विश्वक्सेना आराधना, पुण्याहवचनम, वास्तु होम, कुंभ प्रतिष्ठा, पंचगव्य आराधना की गई। पूर्णाहुति के बाद कुंभ प्रोक्षण किया गया और विशेष नैवेद्यम अर्पित किया गया। अब से लड्डू प्रसादम और नैवेद्यम दोषों से मुक्त हैं और भक्त अपने संदेह, यदि कोई हों, को छोड़ सकते हैं। शाम 6 बजे, श्रीवारी भक्त अपने घरों में दीपाराधना करते हुए क्षमा मंत्रों का जाप करेंगे और ओम नमो नारायणाय, ओम नमो भगवते वासुदेवाय और ओम नमो वेंकटेशाय का जाप करेंगे। अन्य लोगों में, जेईओ वीरब्रह्मम, मंदिर के डीईईओ लोकनाथम, प्रधान अर्चकस गोविंदराज दीक्षितुलु, कृष्णसेशाचला दीक्षितुलु, आगम सलाहकार रामकृष्ण दीक्षितुलु, सिताराम दीक्षितुलु, वेद परायणमदार, ऋत्विक और अन्य भी उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स (सेंट्रल) की टीम ने सुल्तान बाजार पुलिस के साथ मिलकर सोमवार को एक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट सट्टा रैकेट का भंडाफोड़ किया और एक व्यक्ति को पकड़ा। पुलिस ने उसके पास से आठ लाख रुपये नकद, एक मोबाइल फोन, एक बाइक और एक नोट गिनने की मशीन जब्त की। एमजे मार्केट निवासी विकास जैन (41) अपने साथियों के साथ ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिला रहा था। टास्क फोर्स के डीसीपी वाईवीएस सुधींद्र ने बताया कि जैन गोवा में स्थित गिरोह के लिए कलेक्शन एजेंट के तौर पर काम करता था। वह सट्टेबाजों से पैसे इकट्ठा करता था और उसे गोवा में मुख्य आयोजकों तक पहुंचाता था।

किसानों ने सेल्फी खींचकर सीएम कार्यालय को भेजा

आदिलाबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फसल ऋण माफी में देरी के विरोध में, किसानों ने सोमवार को भूमि के स्वामित्व के साथ सेल्फी ली और उन्हें एचोडा मंडल के मुखरा (के) गांव में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के कार्यालय को भेजा। किसानों ने बताया कि रेवंत रेड्डी ने चुनाव के दौरान किसानों के फसल ऋण माफ करने का वादा किया था लेकिन 2 लाख रुपये से अधिक ऋण लेने वाले किसानों का ऋण अभी तक माफ नहीं किया गया। नतीजतन, हमें दर-दर भटकना पड़ रहा है।

किसानों ने आगे कहा कि हमारे पास निजी ऋणदाताओं से अत्यधिक ब्याज दरों पर पैसे उधार लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था।

असंतुष्ट किसानों ने कहा कि सरकार ने चुनाव के समय किए गए वादे के अनुसार रैतु भरोसा योजना को आगे नहीं बढ़ाया। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि वे अब गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। अगर कुछ और सप्ताह तक यही स्थिति रही तो किसान आत्महत्या कर लेंगे। किसानों ने सरकार से मांग की कि 2 लाख से अधिक के फसल ऋण को तुरंत माफ किया जाए और रैतु भरोसा योजना को आगे बढ़ाया जाए। अन्यथा, उन्होंने घोषणा की कि वे अपनी मांगों को जल्द पूरा करने के लिए सचिवालय का घेराव करेंगे। गाडगे सुभाष, तिरुपति, अशोक, मारुति, ज्ञानेश्वर और कई अन्य लोग मौजूद थे।

12 किलोग्राम गांजा-मिश्रित चॉकलेट जब्त

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद विशेष अभियान दल (एसओटी) ने सोमवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जो शहर में गांजा मिली हुई चॉकलेट बेच रहा था। टीम ने उसके पास से 64 पैकेटों में पैक 12 किलोग्राम चॉकलेट जब्त की। डीसीपी विशेष अभियान दल डी. श्रीनिवास ने बताया कि जगदगिरिगुट्टा निवासी और पंजाब का मूल निवासी तम्क इस्सर सिंह (55) पंजाब से चॉकलेट लाकर शहर के बाहरी इलाके में निर्माण श्रमिकों को बेच रहा था।

डेयरी किसानों ने सड़क पर फेंका दूध
बिलों के भुगतान में देरी का विरोध

आदिलाबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी स्वामित्व वाली विजया डेयरी द्वारा बिलों के भुगतान में देरी के विरोध में डेयरी किसानों ने सोमवार को यहां सड़क पर दूध फेंक दिया। जिले के कई इलाकों से आए डेयरी किसान जिला केंद्र में एकत्र हुए और विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकारी डेयरी के अधिकारियों से उनके लंबित बिलों का भुगतान करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि बिलों के भुगतान में देरी के कारण वे अपने मवेशियों के लिए चारा खरीदने तथा अपने दैनिक खर्चों को पूरा करने में असमर्थ हैं। प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि अधिकारियों ने उनसे कहा था कि एक पखवाड़े में बिल का भुगतान कर दिया जाएगा लेकिन अभी तक एक पैसा भी नहीं दिया गया है। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि उनकी समस्या का समाधान करने के लिए कदम उठाए जाएं। वे चाहते हैं कि हर पखवाड़े बिल का भुगतान किया जाए।

दुर्गम चेरुवु झील के आसपास हाइड्रा विध्वंस पर रोक

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने दिया आदेश

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सोमवार को दुर्गम चेरुवु झील के आसपास हाइड्रा द्वारा किए जा रहे विध्वंस पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश जारी किया। अमर सोसाइटी के निवासियों द्वारा याचिका दायर की गई थी। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हाइड्रा ने हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य जिलों में झीलों के पूर्ण टैंक स्तर (एफटीएल) और बफर जोन में तोड़फोड़ और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण जारी रखा है।

हैदराबाद में झमाझम बारिश

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में सोमवार तड़के शहर में तेज आंधी और बिजली के साथ भारी बारिश हुई। सुबह करीब 4 बजे शहर के कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी (टीडीपीएस) के अनुसार, मालकपेट सर्कल के सरदारमहल में सबसे ज्यादा 59.3 मिमी बारिश हुई, उसके बाद चारमीनार के रूपलाल बाजार में 58.0 मिमी बारिश हुई। मेकलमंडी और रैन बाजार समेत कई अन्य इलाकों में 50 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। टीडीपीएस के अनुसार जीएचएमसी (ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम) को स्थिति पर नजर रखने और बाढ़ या पेड़ गिरने की स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया करने के लिए अलर्ट पर रखा गया है।

हाइड्रा का ध्वस्तीकरण अभियान जारी

सोमवार को ढांचों को ढहाया

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) ने सोमवार को माधापुर क्षेत्र में एक पार्क में कथित अनधिकृत संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया।

हाइड्रा अधिकारियों ने सूचना प्रौद्योगिकी क्लस्टर माधापुर के कावुरी हिल्स पार्क में एक खेल अकादमी के अवैध ढांचे को ध्वस्त कर दिया। कावुरी हिल्स एसोसिएशन ने खेल अकादमी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और शिकायत पर कार्रवाई करते हुए हाइड्रा ने निर्माण को गिरा दिया। ध्वस्तीकरण पूरा करने के बाद, अधिकारियों ने कावुरी हिल्स पार्क का बोर्ड लगा दिया।

खेल अकादमी के प्रबंधन ने दावा किया कि कावुरी हिल्स एसोसिएशन ने उन्हें 25 साल के लिए यह जगह पट्टे पर दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पट्टे की अवधि पूरी होने से पहले ही उन्हें गलत तरीके से बेदखल कर दिया गया।

हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने कहा कि हैदराबाद में ध्वस्तीकरण अभियान अदालत के आदेश के अनुसार चलाया गया था। हाल ही में गठित निकाय ने लगातार दूसरे दिन अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया।

रविवार को इसने कुकटपल्ली झील/नाला चेरुवु के फुल टैंक लेवल (एफटीएल) और बफर जोन के भीतर वाणिज्यिक संचालन के लिए बनाए गए 16 शेडों को गिरा दिया।

एजेंसी ने संगारेड्डी जिले के अमीनपुर मंडल के किस्तारेड्डीपेट और पटेलगुडा में सरकारी भूमि पर अवैध रूप से निर्मित संरचनाओं को भी ध्वस्त कर दिया था। अधिकारियों के अनुसार, इस कार्रवाई का उद्देश्य जल निकायों और सरकारी भूमि की अखंडता को बहाल करना और उसकी रक्षा करना है।

हैदराबाद के कुकटपल्ली में हाइड्रा के विध्वंस अभियान ने झील के चार एकड़ हिस्से को पुनः प्राप्त कर लिया। झील का कुल क्षेत्रफल 27 एकड़ है, लेकिन एफटीएल और बफर जोन में लगभग सात एकड़ पर अतिक्रमण किया गया था। अधिकारियों ने दावा किया कि आवासीय उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली संरचनाओं को ध्वस्त नहीं किया गया।

समस्याओं को लेकर आए लोगों से मिली जीएचएमसी आयुक्त

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने अधिकारियों को समय-समय पर जनता की अपीलों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है। विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में शहर भर से लोग आए। आयुक्त आम्रपाली काटा ने एक-एक की समस्या पूछी और अपीलें प्राप्त कीं। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया जाना चाहिए और उनके समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। इस अवसर पर आयुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों पर अविलंब ध्यान देने और समस्याओं के समाधान के लिए पहल करने का निर्देश दिया। फोन-इन कार्यक्रम के माध्यम से 7 अनुरोध प्राप्त हुए और समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को भेजे गए। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन सुनवाई में 72 अनुरोध प्राप्त हुए, जिनमें से टाउन प्लानिंग 48, हाउसिंग 6, राजस्व 5, एफए 4, स्वास्थ्य 3, एस्टेट 2, एलडब्ल्यू, एस, इलेक्ट्रिकल, सीई रखरखाव और पशु चिकित्सा विभाग को एक-एक अनुरोध प्राप्त हुआ। जीएचएमसी के तहत छह क्षेत्रों में कुल 92 आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि कुकुटपल्ली जोन 54, एलबीनगर जोन में 14, सिकंदराबाद जोन में 11, सेरिलिंगमपल्ली जोन में 9, चारमीनार जोन में 3 और खैरताबाद जोन में एक आवेदन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त नलिनी पद्मावती, वेणुगोपाल रेड्डी, सत्यनारायण, यादगिरी राव, पंकजा, सीसीपी श्रीनिवास, अतिरिक्त सीसीपी प्रदीप कुमार, संयुक्त आयुक्त महेश कुलकर्णी, संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे।

प्रतिबंध के बाद एकत्र किया गया 3.7 टन प्लास्टिक

अमराबाद टाइगर रिजर्व का हाल

हैदराबाद, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुलाई से प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र बनने के लगभग तीन महीने बाद, अमराबाद टाइगर रिजर्व के अधिकारियों ने केवल प्लास्टिक की बोतलों के रूप में 3.7 टन प्लास्टिक एकत्र करने में कामयाबी हासिल की है। अमराबाद टाइगर रिजर्व के अधिकारियों ने बताया कि वे चेकपॉइंट पर अपनी कड़ी जांच जारी रख रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्रियों या मार्ग से गुजरने वाले अन्य लोगों द्वारा क्षेत्र में लाया गया कोई भी प्लास्टिक आगे न ले जाए। प्लास्टिक को वन अधिकारी ले जाते हैं और नागरिकों को कानून के बारे में शिक्षित भी करते हैं जो इस साल ही लागू हुआ है।

अमराबाद टाइगर रिजर्व क्षेत्र में प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के अलावा, अधिकारियों ने 'स्वच्छ सेवक' भी नियुक्त किए हैं जो रास्ते में मिलने वाले सभी प्लास्टिक को उठाते हैं। एटीआर की शिक्षा अधिकारी स्वेता गोर्रापल्ली ने कहा कि वे प्लास्टिक को थैलों में भरते हैं जिन्हें हमारा विभाग ले जाता है और अलग करने के बाद उसे सीमेंट उद्योग को भेज दिया जाता है।

इसके अलावा, अमराबाद टाइगर रिजर्व के माध्यम से यातायात की आवाजाही अब सुबह 6 बजे और रात 9 बजे तक सीमित कर दी गई है। मन्ननूर, दुर्वासुला और डोमलपेंटा चौकियों पर वन अधिकारी बोतलें, पॉलिथीन कवर आदि जैसी डिस्पोजेबल प्लास्टिक सामग्री की जांच करते हैं और उन्हें जब्त करते हैं। एटीआर के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में 1.5 टन प्लास्टिक एकत्र किया गया, अगस्त में 1.2 टन और सितंबर में अब तक लगभग एक टन प्लास्टिक एकत्र किया गया।

शिक्षा अधिकारी ने बताया कि अभी तक अधिकारी प्लास्टिक ले जाने पर लोगों पर जुर्माना नहीं लगा रहे हैं क्योंकि वे अभी भी जागरूकता पैदा कर रहे हैं। स्वेता ने कहा कि हम अंदर केवल बायोडिग्रेडेबल प्लेट का उपयोग करते हैं जो महिलाओं द्वारा बनाई जाती हैं। अभी तक, अमराबाद टाइगर रिजर्व की सफारी सितंबर के अंत तक केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार बंद है। सफारी के लिए बुकिंग ऑनलाइन की जा सकती है और अक्टूबर के पहले सप्ताह से इसकी शुरूआत हो जाएगी। हैदराबाद से लगभग 150 किलोमीटर दूर अमराबाद टाइगर रिजर्व के बारे में विस्तृत जानकारी और अन्य जानकारी यहां पाई जा सकती है।

बस चोरी के आरोप में शराबी गिरफ्तार

निर्मल, 23 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बस डिपो में खड़ी टीजीआरटीसी की बस चोरी करने के आरोप में सोमवार को महाराष्ट्र के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के सुरक्षा गार्डों और स्थानीय लोगों ने आरोपी को वाहन ले जाते देखा और उसे पकड़ लिया। निर्मल इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने बताया कि सुरक्षा गार्ड वामशी कृष्णा ने महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के किनी गांव के रहने वाले यादवर गणेश के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। गणेश नामक कैटरिंग कर्मचारी दो दिन पहले आजीविका की तलाश में निर्मल आया था। शराब के नशे में उसने रात में अधिकारियों को चकमा देकर डिपो से बस चुरा ली। आरोपियों ने शहर के सोफीनगर में बस को डिवाइडर से टकरा दिया। जब वह अपना पहचान पत्र नहीं दिखा पाया तो स्थानीय लोगों को उस पर संदेह हुआ। पहले से ही उसका पीछा कर रहे सुरक्षा गार्डों ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे पकड़ लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.